तरुण छत्तीसगढ़

सुनालिया ज्वेलर्स
हीरा, स्वर्ण, हॉलमार्क ज्वेलरी, रजत, राशि नग के विक्रेता
मो. 94255-32524,94241-43922
पावर हाउस रोड, कोरबा

e-Paper- tarunchhattisgarhkorba.com कोरबा एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित डाक पंजीयन क्रमांक- जी2-112/सी.जी/बीएलपी/003/2024-2026

वर्ष 36 अंक 282 | कोरबा, सोमवार, दिनांक 14 जुलाई 2025 डाक 15 जुलाई 2025 | पृष्ठ : 8 मूल्य 2.00 रुपए

एससीओ समिट और मानसरोवर यात्रा पर फोकस...

गलवान झड़प के बाद पहली बार चीन पहुंचे जयशंकर, चीनी उपराष्ट्रपति से हुई बात

नईदिल्ली, 14 जुलाई [एजेंसी]।

विदेश मंत्री एस जयशंकर पांच साल बाद चीन पहुंचे और सोमवार को बीजिंग में चीनी उपराष्ट्रपति हान झेंग से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने भारत-चीन रिश्तों में सुधार की बात कही और यकीन जताया कि यह दौरा इन रिश्तों को और बेहतर बनाएगा। गलवान घाटी में 2020 के टकराव के बाद दोनों देशों के बीच तनाव चरम पर था, मगर अब नई उम्मीदें जाग रही हैं। खासकर तब, जब हाल ही में पहलगाम आतंकी हमले में 26 मासूमों की जान गई और चीन का पाकिस्तान को सैन्य समर्थन भारत के लिए चिंता का सबब बना। जयशंकर ने सिंगापुर का दौरा खत्म कर बीजिंग पहुंचते ही हान झेंग से मुलाकात की। उन्होंने भारत की ओर से शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) में चीन की अध्यक्षता को समर्थन देने की बात कही। एक्स पर एक पोस्ट में जयशंकर ने लिखा, बीजिंग पहुंचने के तुरंत बाद उपराष्ट्रपति हान झेंग से मुलाकात कर खुशी हुई। भारत का चीन की एससीओ अध्यक्षता के लिए समर्थन जताया। हमारे रिश्तों में सुधार हुआ है और मुझे यकीन है कि इस दौरे की बातचीत इसे और आगे ले जाएगी। हान झेंग के साथ बैठक में जयशंकर ने कहा कि अक्टूबर 2024 में कजान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात के बाद से रिश्ते बेहतर हुए हैं। उन्होंने कहा, भारत चीन की सफल एससीओ अध्यक्षता का समर्थन करता है। हमारे रिश्ते लगातार बेहतर हो रहे हैं। मुझे यकीन है कि इस दौरे की बातचीत इस सकारात्मक रास्ते को और मजबूत करेगी। जयशंकर ने भारत-चीन के बीच 75 साल के कूटनीतिक रिश्तों का जिक्र किया और कैलाश मानसरोवर यात्रा की बहाली की तारीफ की। उन्होंने कहा, यात्रा की बहाली भारत में बहुत सराही गई है। हमारे रिश्तों का सामान्य होना दोनों मुल्कों के लिए फायदेमंद हो सकता है। वह सोमवार को अपने चीनी समकक्ष वांग यी से भी मुलाकात करेंगे। दोनों आखिरी बार फरवरी में जोहान्सबर्ग में जी20 की बैठक के दौरान मिले थे, जहां आपसी भरोसे और समर्थन की बात हुई थी। जयशंकर मंगलवार को तियानजिन में एससीओ विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेंगे। विदेश मंत्रालय ने बताया कि वह इस दौरान कई द्विपक्षीय मुलाकातें भी करेंगे। यह दौरा जयशंकर का पांच साल बाद पहला चीन दौरा है, जो गलवान टकराव के बाद रिश्तों में आई कड़वाहट को कम करने की कोशिश है।

बिहार में बढ़ते अपराध पर बीजेपी नेता का तेजस्वी पर जुबानी हमला, बोले- अपराध करवाने वाले...

पटना। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रभाकर मिश्रा ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के बयान पर कटाक्ष करते हुए कहा कि एक अज्ञानी और अनपढ़ व्यक्ति भी कुछ समय बाद अपने अनुभव से बहुत कुछ सीखता है और काम चलाने लायक ज्ञान भी अर्जित कर लेता है। लेकिन, तेजस्वी यादव ने अब तक कुछ नहीं सीखा है। मिश्रा ने कहा कि तेजस्वी यादव को चिंता करने की कोई बात नहीं है, अपराधी भी पकड़े जाएंगे और अपराध करवाने वाले भी बेनकाब होंगे।

यह एनडीए सरकार है, कोई भी चीज उधार में नहीं रखी जाएगी। बल्कि सरकार सब कुछ चुकाएगी। सबको अपने किए का फल भोगना होगा।

सावन के पहले सोमवार पर 'बोल बम' के जयकारों से गूंजा देवघर, बैद्यनाथ धाम में भक्तों ने किया जलाभिषेक

देवघर, 14 जुलाई [एजेंसी]।

झारखंड के देवघर स्थित बैद्यनाथ धाम में सावन की पहली सोमवारी पर आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह तीन बजे जैसे ही मंदिर का पट खोला गया, बाबा की नगरी 'बोल बम' के जयकारों से गूंज उठी। परंपरागत कांचा जल पूजा और सरकारी पूजा के बाद अरघा से जलार्पण का सिलसिला शुरू हो गया। सुबह आठ बजे कांवड़ियों की कतार करीब 10 किलोमीटर तक लंबी हो गई। बिहार के सुल्तानगंज स्थित उत्तरवाहिनी गंगा का पवित्र जल लेकर लाखों कांवड़िए 108 किलोमीटर की यात्रा पूरी कर बाबा धाम पहुंच रहे हैं। सावन में यहां रोज एक से डेढ़ लाख भक्त पहुंचते हैं, लेकिन सोमवार को भीड़ सबसे ज्यादा होती है। धार्मिक मान्यता है कि देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम में भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक 'कामना महादेव' स्थापित है। कहा जाता है कि यहां सच्चे मन से मांगी गई हर कामना पूरी होती है। सावन में जलार्पण कर भक्त शिव का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। राज्य सरकार का अनुमान है कि इस साल मेले में देश-विदेश से 50 से 60 लाख श्रद्धालु पहुंचेंगे। उनकी सुविधा, सुरक्षा और सहूलियतों को लेकर राज्य सरकार की ओर से हर स्तर पर व्यापक इंतजाम किए गए हैं। श्रद्धालुओं के रहने और विश्राम के लिए देवघर-सुल्तानगंज मार्ग में कोठिया और बाघमारा में सुविधाओं से युक्त विशाल टेंट सिटी का निर्माण कराया गया है, जहां एक साथ हजारों श्रद्धालु विश्राम कर सकते हैं। मेला क्षेत्र में जगह-जगह स्नानगृह, शौचालय, चिकित्सा शिविर और सूचना केंद्र बनाए हैं। मेले को डिजिटल स्वरूप दिया गया है। भक्त क्यूआर कोड स्कैन कर हर सुविधा की जानकारी सुगमता से प्राप्त कर सकते हैं। भारी भीड़ को देखते हुए मंदिर प्रशासन ने विशेष व्यवस्थाएं की हैं।

बांस के पास उगे मशरूम को बनाया सब्जी, खाते ही होने लगी उल्टी

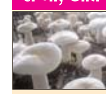

कवर्धा। कवर्धा में जहरीला मशरूम खाने के कारण एक ही परिवार के 4 लोग बीमार पड़ गए। बीमारों में माता-पिता के साथ उनके 2 बच्चे भी शामिल है। सभी लोगों को उल्टी, दस्त की शिकायत के बाद बोड़ला के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। जहां डॉक्टर की निगरानी में मेरीजों का इलाज जारी है। एक ही परिवार के 4 लोगों ने बांस पेड़ के पास उगे जहरीले मशरूम का सेवन कर लिया। खाने के बाद दो बच्चों और उनके माता-पिता फूड पॉइजनिंग का शिकार हो गए। सभी को गंभीर हालत में बोड़ला के मुदायिक स्वास्थ केंद्र में भर्ती कराया गया। फिलहाल सभी का उपचार जारी है।

आम से लदा ट्रक पलटने से 9 लोगों की मौत

अमरावती, 14 जुलाई [एजेंसी]।

आंध्र प्रदेश के अन्नमय्या जिले में एक दर्दनाक हादसे हुआ है। बीती रात पुल्लमपेट मंडल के रेड्डीचेरुवु कट्टा के पास एक आम से भरा ट्रक पलट गया। इसमें 9 लोगों की जान चली गई। पुलिस के मुताबिक, यह हादसा इतना भयानक था कि मौके पर ही कई लोगों ने दम तोड़ दिया। हादसे की खबर सुनते ही आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने गहरी संवेदना जताई। उन्होंने अधिकारियों से हादसे की वजह जानने की कोशिश की। मुख्यमंत्री नायडू ने अधिकारियों से बात कर घायलों के इलाज की पूरी जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया और उन्हें बेहतर इलाज मुहैया कराया जा रहा है। सीएम ने यह भी यकीन दिलाया कि सरकार मृतकों के परिवारों की हर मुमकिन मदद करेगी। उन्होंने अधिकारियों को सख्त हिदायत दी कि घायलों को किसी भी सूरत में इलाज में कमी न होने दी जाए। सीएमओ के मुताबिक, सरकार इस दुखद वाकये में प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है और उनकी हर जरूरत का ख्याल रखा जाएगा।

यात्री बस बस्तर में हुई दुर्घटनाग्रस्त, दो की मौत

जगदलपुर, 14 जुलाई [एजेंसी]।

बस्तर जिले में सोमवार अल सुबह एक बड़ा सड़क हादसा हुआ। रायपुर से जगदलपुर आ रही मनीष ट्रेवल्स की बस बस्तर थाना क्षेत्र में माजीसा पेट्रोल पंप के पास खड़े ट्रक से टकरा गई। इस हादसे में बस चालक और महिला हेल्पर की मौत हो गई है। हादसे के वक्त बस में 30 से अधिक यात्री सवार थे।

बताया जा रहा है कि सुबह करीब 4 बजे चालक को झपकी आ गई, जिससे बस सीधे सड़क किनारे खड़े ट्रक से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि चालक बस में ही बुरी तरह फंस गया। उसे निकालने के लिए कटर मशीन का सहारा लेना पड़ा।

स्थानीय पुलिस और रेस्क्यू टीम ने मौके पर पहुंचकर घायलों को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। फिलहाल, बाकी घायलों की स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है।

आईईडी ब्लास्ट में किशोरी और 3 ग्रामीण घायल, बीजापुर में नक्सल वारदात

बीजापुर। नक्सल प्रभावित मद्देड़ थाना इलाके में माओवादियों के लगाए बम की चपेट में 4 ग्रामीण आ गए। आईईडी की चपेट में आने से ग्रामीण बुरी तरह से जख्मी हो गए। जख्मी गांव वालों को जिला अस्पताल बीजापुर में भर्ती कराया गया है। घायल ग्रामीणों की हालत स्थिर बनी हुई है। मद्देड़ थाना पुलिस के मुताबिक माओवादियों ने बंदेपारा जाने वाले रास्ते पर बम को प्लांट किया था। जमीन के नीचे लगाए गए बम को ग्रामीण नहीं देख पाए। ग्रामीणों का पैर जैसे ही बम पर पड़ा प्रेशर बम जोरदार धमाके के साथ फट गए। ग्रामीण बंदेपारा के रास्ते दूसरे गांव की ओर जा रहे थे। जिस जगह पर बम को लगाया गया था वो धनगोल गांव के करीब है.

विस का मानसून सत्र, पूर्व राज्यपाल शेखर दत्त को दी गई श्रद्धांजलि

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा का मानसून सत्र के पहले दिन की कार्यवाही प्रश्नकाल के साथ शुरू हुई। छत्तीसगढ़ के पूर्व राज्यपाल शेखर दत्त और अविभाजित मध्य प्रदेश शासन के पूर्व मंत्री राजा सुरेन्द्र बहादुर सिंह को श्रद्धांजलि दी गई। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह उनके साथ बिताए क्षणों को याद करते हुए कहा कि शेखर दत्त बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी थे। छत्तीसगढ़ में राज्यपाल के रूप में उनका अतुलनीय योगदान था। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि दिवंगत शेखर दत्त प्रतिभा के धनी थे। शेखर दत्त ने सेना में रहते देश का मान बढ़ाया। आईएएस के रूप में प्रशासनिक सेवा की। प्रदेश के राज्यपाल के रूप में उनका योगदान भुलाया नहीं जा सकता। पूरे छत्तीसगढ़ वासियों की ओर से नमन करता हूं। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत ने भी पूर्व राज्यपाल शेखर दत्त और सुरेन्द्र बहादुर को श्रद्धांजलि दी। संसदीय कार्यमंत्री केदार कश्यप ने पूर्व राज्यपाल को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि देश ने एक कर्मठ व्यक्ति खो दिया। उनका जाना सबके लिए अपूर्णीय क्षति है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि शेखर दत्त बड़े-बड़े पदों में रहे। मगर उनके व्यवहार में पद का असर नहीं हुआ। उनके जाने से देश और प्रदेश को अपूर्णीय क्षति हुई।

केरल में फिर पैर पसार रहा है निपाह वायरस, एक और शख्स की मौत ने बढ़ाया डर, एक्शन में आई सरकार

पलक्कड़ (केरल)। केरल में निपाह वायरस एक बार फिर से पैर पसार रहा है। 12 जून को केरल के पलक्कड़ में एक शख्स की मौत हुई थी। आशंका है कि इस मौत के पीछे की वजह निपाह वायरस ही था। केरल सरकार ने निपाह वायरल को लेकर निगरानी तेज कर दी है। मृतक शख्स पिछले कुछ समय से बीमार था और पलक्कड़ के एक निजी अस्पताल में उसका इलाज चल रहा था। वहीं, जब उसका सैंपल मैच किया गया तो वो निपाह वायरस से ग्रसित निकला। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज के अनुसार, जब मृतक शख्स के सैंपल को टेस्टिंग के लिए मंजीरी मेडिकल कॉलेज भेजा गया, तो वो निपाह पॉजिटिव निकला। एब केरल सरकार पुणे में स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वीरोलॉजी से कंफर्मेशन का इंतजार कर रही है।

दो नहीं तीन स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी, मचा हड़कंप, मौके पर पहुंची पुलिस टीम

नईदिल्ली, 14 जुलाई [एजेंसी]।

दिल्ली के तीन स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। यह धमकी स्कूलों को मेल से भेजी गई है। इनमें से एक चाणक्यपुरी और दूसरा द्वारका और तीसरा प्रशांत विहार का है। दिल्ली पुलिस ने कहा कि तलाशी के दौरान अब तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। जांच की जा रही है। दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सोमवार सुबह दिल्ली के तीन स्कूलों में बम की धमकी मिली, जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने कहा कि सुबह

करीब 8 बजे पुलिस को प्रशांत विहार और द्वारका सेक्टर 16 स्थित सीआरपीएफ स्कूलों के साथ-साथ चाणक्यपुरी स्थित एक अन्य स्कूल से बम की धमकी के बारे में कॉल आई। आगे कहा कि पुलिस दल तुरंत स्कूल परिसर की जांच के लिए पहुंची। पुलिस उपायुक्त (द्वारका) अंकित सिंह ने कहा कि सोमवार सुबह द्वारका उत्तर थाने को एक पीसीआर कॉल मिली थी। जिसमें सीआरपीएफ स्कूल में बम की धमकी की सूचना दी गई थी। इलाके की तुरंत तलाशी ली गई। स्थानीय पुलिस, खोजी कुत्ते और बम निरोधक दस्ते स्कूल पहुंचे और जांच की। उन्होंने आगे कहा कि साइबर पुलिस विशेषज्ञ ईमेल के स्रोत का पता लगा रहे हैं।

डीसीपी ने कहा कि स्कूल में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। अभी तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। बीते साल भी दिल्ली के 40 से ज्यादा स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। कई मामलों में दिल्ली पुलिस कार्रवाई भी कर चुकी है। लेकिन कई मामले पुलिस के लिए चुनौती भी बने।

स्किन केयर व कास्मेटोलाजी क्लिनिक
चर्म, गुप्त, कुष्ठ रोग विशेषज्ञ एवं सैक्स सलाहकार
डॉ.आर.के.अग्रवाल M.B.B.S.D.V.D.FDS (Lond.)F.i.a.m.s.(Ind.) Mob.9424170010
-: परामर्श का समय :- सुबह 10.30 से 1.30 (शाम को बंद)
डॉ.शशि अग्रवाल M.B.B.S.D.V.D.(U.K) Mob.9826389894
सुविधायें:- गंजापन, मस्से हटाना, दाद खाज खुजली, एक्जीमा, एलर्जी, सड़े नाखून, कुष्ठ रोग, काले दाग, मुंहासे, बाल झड़ना, सेक्स की कमी, शीघ्र पतन, धात, मानसिक रोगों का मशीनों व अत्याधुनिक दवाओं द्वारा शीघ्र ईलाज, फोटोथेरेपी, इलेक्ट्रीशिकेशन, क्रायोसर्जरी, सायकोथेरेपी का ईलाज।
मो. 9203907928,9826389894 (क्लीनिक)
विशेष : बुधवार को 20 मरीजों का फीस माफ...
पता : एचआईजी -4 नेहरू नगर, रिकाण्डो रोड घोड़ा चौक, बुधवारी बाजार के पास, कोरबा

गुडबाय आईएसएस! धरती पर वापसी से पहले शुभांशु शुक्ला की कई तस्वीरें आईं सामने, आज होंगे रवाना

नईदिल्ली, 14 जुलाई [एजेंसी]।

इसरो और नासा के मिशन A-iom-04 के तहत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में गए शुभांशु शुक्ला अपने सभी साथियों के साथ आज वापसी करेंगे। शुभांशु का स्पेसक्राफ्ट आज धरती के लिए उड़ान भरेगा।

हालांकि, अंतरिक्ष को अलविदा कहने से पहले शुभांशु ने सभी क्रु मेंबर्स के साथ फोटो सेशन में हिस्सा लिया है। इन तस्वीरों में कुल 8 अंतरिक्ष यात्री नजर आ रहे हैं। यह सभी लोग अमेरिका, भारत, जापान, हंगरी और पोलैंड से ताल्लुक रखते हैं। सभी अंतरिक्ष यात्री कंधे से कंधा मिलाकर कैमरे के सामने तस्वीरें खिंचवा रहे हैं।

नासा के अंतरिक्ष यात्री जॉनी किम ने यह तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की हैं। इस पोस्ट में एक वीडियो भी शामिल है। पोस्ट शेयर करते हुए जॉनी ने लिखा, टीम ने दीवार पर लगे ट्राइपॉड और टाइम-लैप्स कैमरे की मदद से यह फोटोज क्लिक की हैं।

संजीव जीवा और मुख्तार अंसारी गिरोह का शूटर शाहरुख पठान ढेर

एसटीएफ के साथ मुठभेड़ में मारा गया

मुजफ्फरनगर। बिजोपुरा चौराहे के पास एसटीएफ और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में संजीव जीवा गैंग का शार्प शूटर 50 हजार का इनामी शाहरुख पठान मारा गया। वह खालापार मुजफ्फरनगर का रहने वाला था। उसके पास से कार व पिस्टल बरामद हुई है। बदमाश के विरुद्ध लूट व हत्या के एक दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज थे। छपार थाना क्षेत्र के बिजोपुरा चौराहे के पास जंगल में एसटीएफ मेरठ और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। एसटीएफ की गोली लगने से शातिर बदमाश शाहरुख पठान पुत्र जरीफ निवासी खालापार मुजफ्फरनगर गम्भीर रुप से घायल हो गया, एसटीएफ ने उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल भिजवाया, जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने उसके पास से एक ब्रेजा कार, एक पिस्टल व दो रिवाल्वर व कई जिंदा कारतूस और तीन खोखा कारतूस भी बरामद किए है। आरोपित बदमाश 50 हजार का ईनामी था। जो संजीव जीवा गैंग का शार्प शूटर था, जिसपर हत्या और रंगदारी के एक दर्जन से अधिक मुकदमें दर्ज थे।

अस्पतालों के रास्तों में हिचकोलों से गर्भवती स्त्रियों को दहशत

कोरबा। ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कें भी अब बहुत अच्छी हो रही है और लोगों को इन पर आवाजाही करने का अलग सुख मिल रहा है। इन सबसे अलग हटकर पॉवर सिटी कोरबा में एक इलाका ऐसा है जहां रास्ता और सड़क के नाम पर केवल गड्ढे मौजूद है। इस क्षेत्र में मौजूद दो बड़े अस्पतालों तक मरीजों को लाने ले जाने का काम इसी रास्ते से हो रहा है। ऐसे में उनकी पीड़ा का बढ़ना स्वाभाविक है। चिंता इस बात की होती है कि कहीं प्रसव केस में आफत न हो जाए।कोसाबाड़ी क्षेत्र के नजदीक निजी संस्थान के दो अस्पताल संचालित हो रहे हैं और एक कॉलोनी भी यहां पर स्थित है। इनमें जाने वाले मरीजों और आम लोगों के लिए जो औपचारिक सड़क है उसमें केवल गड्ढे ही बचे है। लंबे समय बाद भीन तो यहां डब्ल्यूबीएम सड़क बनी और न ही सीसी रोड। पक्की सड़क तो जैसे सपना बनकर रह गई है। वर्तमान में आने-जाने का रास्ता गांव की सड़क से भी बदतर है। हिचकोले देने वाली यह सड़क कभी पक्की बनी ही नहीं, ना तो सीसी रोड बनी और ना ही डामर वाली सड़क, बल्कि कच्ची सड़क मलवा डाल डाल कर पाटने के बाद और भीखराब हो चुकी है। इस इलाके के दो बड़े अस्पतालों कृष्णा हॉस्पिटल और न्यू कोरबा हॉस्पिटल में जब मरीज को लाया जाता है तो मरीज के साथ-साथ परिजन भी हिचकोले खाते हैं।डिलीवरी पेशेंट को लेकर तो इस बात का डर बना रहता है कि कहीं इन गड्ढों से गुजरते वक्त ही प्रसव ना हो जाए या मरीज की जान पर संकट उत्पन्न हो जाए। इसी प्रकार दूसरे मरीज, खासकर बुजुर्गों, अस्थिरोगियों के लिए भी यह रास्ता हितकर नहीं है।इसी इलाके में कोचिंग सेंटर के साथ-साथ कई बड़ी संस्थान चल रहे हैं। लोगों का कहना है कि अगर इतने साल में इनके संचालक आपस में चंदा भी कर लेते तो अच्छी सड़क बन सकती थी और इससे सभी को राहत होती। पूरे मामले में निजी संस्थान निकाय पर जिम्मा थोप रहे हैं और निगम प्रक्रिया बताकर अपनी बला टाल रहा है। ऐसे में परेशान केवल आम लोग हो रहे हैं।नगर निगम आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने बताया कि कोसाबाड़ी मुख्य मार्ग से मंगलम विहार को जोड़ने वाली सड़क के निर्माण के लिए प्रस्ताव बनाया गया है। जल्द ही इसमें अगली प्रक्रियाओं को पूरा करा लिया जाएगा। निगम सेवा जैसे कार्यों के लिए प्रतिबद्ध है।

कुदुरमाल में चल रही शिव महापुराण कथा

पंडित प्रदीप बोले-जगत कल्याण के लिए भगवान शिव ने स्वीकार किया विष

कोरबा। शिवभक्ति को लेकर देश और दुनिया में लगातार लोगों का मार्गदर्शन कर रहे कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा है कि भगवान शिव का सच्चा भक्त वहीं है एक जो दूसरों की निंदा से परे रहता है। शिव नौर भक्ति की पहचान यही है कि वह बुराई बट से दूर रहे लेकिन स्वस्थ आलोचना से न डरें।कोरबा के कुदुरमाल में महाशिवकथा के तीसरे दिन श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए प्रदीप मिश्रा ने कहा कि शिव महापुराण ईश्वर की शक्ति और उनके वरदानों की गाथा है। भगवान शिव ने जगत कल्याण के लिए हलाहल विष का सेवन किया। क्योंकि कोई इसके लिए तैयार नहीं था। समुद्र मंथन के दौरान की यह घटना थी, जिसमें भगवान शिव को वह शक्ति दी जिसके जरिए उन्होंने नकारात्मक चीज कोअपने गले में स्वीकार किया और सबसे ऊपर हो गए। प्रदीप मिश्रा ने कहा कि संसार में जीव-जगत, आशक्ति, मोह के अलावा गाया जैरो बंधन बंधे हुए है और लोग इनके चक्र में उलझने के साथ बाद में उबरने के लिए उपाय खोजते है। महाकाल भक्त मंडल के द्वारा पहली बार सावन महीने में शिव महापुराण कथा का आयोजन कराया गया है जो 18 जुलाई तक चलेगा। उन्होंने कथा के अंतर्गत कई परेशानियों का जिक्र किया और श्रद्धालुओं को बताया कि सावन में एक या दो लोटा जल व बेलपत्र भगवान शिव को अर्पित करने के साथ किस तरह से समस्याओं का हल पा सकते है। उन्होंने यह भी कहा कि विपरीत परिस्थितियों में यहां कार्यक्रम हो रहा है इसलिए लोग डिजीटल माध्यम सेभी कथा का श्रवण करे।

दुर्गा मंदिर एचटीपीएस कॉलोनी में 20 जुलाई को होगा पार्थिव शिव पूजन

कोरबा। श्री हनुमान-दुर्गा मंदिर एचटीपीएस कॉलोनी पश्चिम में 20 जुलाई को द्वादश पार्थिव शिव पूजन का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। मंदिर के पुरोहित पंडित हिमांशु महाराज के सान्निध्य में विधि-विधान से यह पुनीत अनुष्ठान पूर्ण किया जाएगा। उन्होंने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर इस पुण्य काज में सहभागी बनने का आग्रह किया है। महादेव के प्रिय पवित्र श्रवण मास में द्वादश पार्थिव शिव पूजन का आयोजन किया जा रहा है। यह अनुष्ठान 20 जुलाई को सुबह 9 बजे से एचटीपीएस कॉलोनी दर्री कोरबा-पश्चिम स्थित श्री हनुमान दुर्गा मंदिर शॉपिंग सेंटर में रखा गया है। द्वादश पार्थिव शिव पूजन का कार्यक्रम पंडित हिमांशु महाराज (नगोई वाले) के सान्निध्य में पूर्ण होगा। इस अवसर पर समस्त क्षेत्रवासियों को भाग लेकर पुण्य प्राप्त करने का आग्रह किया है।

रेलवे स्टेशन मार्ग को शिकंजे में कसा गड्ढों ने , आवागमन में परेशानी

कोरबा । कोरबा अंचल का रेलवे स्टेशन पहुंच मार्ग पूरी तरह जर्जर हो चुका है। यह स्थिति स्टेशन मुख्य द्वार और सेकंड एंट्री दोनों तरफ की है। बावजूद इसके समस्या पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। मार्ग पर देर तक लोगों की आवाजाही होती रहती है। लेकिन इसकी मरम्मत पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इससे किसी बडे हादसे की आशंका बनी हुई है। प्रकाश व्यवस्था का भी पूर्णत: अभाव बना हुआ है। रेलवे स्टेशन कोरबा के नहर पुल और सेकेंड एंट्री की जर्जर सड़क से लोगों की आवाजाही मुश्किल हो गया है। नहर पुल की लगभग 100 मीटर की सड़क जर्जर है। पुल के समीप ही ढलान है। वहीं नाला पुल की रेलिंग भी जर्जर हो चुकी है। ढलान की वजह से कई बार वाहन बीच में बंद हो जाती है। इससे हादसे का खतरा बना हुआ है। इसी तरह की स्थिति एसईसीएल, रेलवे कॉलोनी व मानिकपुर से रेलवे स्टेशन की सेकंड एंट्री तक की सड़क है। मार्ग पर कोयला लोड भारी वाहनों का दबाव रहता है। इसकी वजह से सड़क बदहाल हो गई है। इसके अलावा सड़क के किनारे दोनों ओर धूल की मोटी परत जमी हुई है। बारिश होने पर सड़क के किनारे कीचड़ हो जाती है। मौसम साफ रहने पर धूल के गुबार लोगों के लिर परेशानी का सबब बन जाता है। जबकि इस मार्ग पर देर रात तक ट्रेन से सफर करने वाले यात्रियों को आवाजाही में असुविधा हो रही है।पावर हाउस रोड नहर पुल से संजय नगर नहर मार्ग की अधिकांश स्ट्रीट लाइटें खराब हो चुकी है। शाम होते ही मार्ग पर अंधेरा पसर जाता है। इस मार्ग का दायी किनारा जर्जर नहर के मरम्मत के अभाव में धीरे-धीरे झुकने लगा है। इससे सड़क कभी भी धमकने का खतरा बना हुआ है। इधर संजय नगर नहर मार्ग पर लोगों की सुरक्षा के लिए दीवाल की रेलिंग का निर्माण किया गया है। इसमें से कुछ हिस्सा पहले ही गिर चुका था। हाल में हुई रुक-रुककर बारिश की वजह से भी कुछ हिस्सा और धसककर गिर गया है। इसके अलावा पाथ-वे की कांक्रिट सड़क का अधिकांश हिस्सा भी झुक गया है। सड़क पर दरार पड़ गई है। लेकिन समस्या पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

भाजपा बालको मंडल में रेणू को बनाया महामंत्री

कोरबा । भारतीय जनता पार्टी बालको नगर मंडल के नई कार्यकारणी की घोषणा की गयी हैं। नई कार्यकारणी के सभी पदाधिकारी ने भाजपा जिला अध्यक्ष गोपाल मोदी एवं एमआईसी सदस्य हितानंद अग्रवाल से सौजन्य भेंट-मुलाकात कर मार्गदर्शन प्राप्त किया। कार्यकारिणी के गठन को संगठन की मजबूती और आगामी चुनावी तैयारियों से जोड़कर देखा जा रहा है। इस नई कार्यकारणी के गठन पश्चात बालकों के सभी कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह और उमंग है, इसमें प्रमुख रूप से वरिष्ठ भाजपा नेता सुमित तिवारी, पूर्व पार्षद लोकेश्वर चौहान, वरिष्ठ भाजपा नेता लखन लाल चंद्र, राजकुमार अज्ञेय सहित सभी मंडल के पदाधिकारी उपस्थित थे।जारी नई कार्यकारणी में उपाध्यक्ष संजय साहू, दिलीप प्रजापति, मनोज भार्या, रेणु प्रसाद महामंत्री जय राठौर, संपत यादव, मंत्री भुनेश्वरी चंद्रा, मीना डहरिया, राजा शर्मा, माहेश्वरी गोस्वामी, कोषाध्यक्ष राकेश सोनी बनाए गए।

जिले में हुए दो बड़े निर्माण कार्य में गुणवत्ता पर उठे सवाल

कोरबा। कोरबा जिले में एक के बाद एक घटित दो बड़ी घटनाओं ने बड़ी परियोजनाओं के निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठा दिए हैं। बार-बार की हिदायत और तमाम चेतावनी के बाद भी आखिर चूक किसने और क्यों की, यह तो जांच का विषय है लेकिन इससे पहले इन दोनों घटनाओं के लिए प्रारंभिक जवाबदेही किस पर तय होगी इसका इंतजार है। भारत माला प्रोजेक्ट के तहत निर्माणाधीन फोरलेन सड़क की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। हाल की बारिश ने सड़क के कई हिस्सों, खासकर तरदा मुख्य मार्ग को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया है। सड़क के किनारे और मुख्य हिस्सों में दरारें और गड्ढे उभर आए हैं, जिससे स्थानीय लोग हैरान हैं और निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठा रहे हैं। लोग निर्माण एजेंसी और अधिकारियों की लापरवाही की कड़ी आलोचना कर रहे हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि सड़क पर अभी वाहनों का आवागमन पूरी तरह शुरू नहीं हुआ है और निर्माण कार्य भी अधूरा है, फिर भी सड़क की हालत खराब हो चुकी है। यदि समय रहते मरम्मत और गुणवत्ता सुधार पर ध्यान नहीं दिया गया, तो भविष्य में बड़े हादसे हो सकते हैं। तरदा मुख्य मार्ग के अलावा, जिले में बन रही अन्य सड़कों पर भी ऐसी ही समस्याएं देखने को मिल रही हैं। एक स्थानीय निवासी ने कहा, इतने बड़े प्रोजेक्ट में ऐसी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिम्मेदार लोगों को जवाब देना होगा। यह परियोजना रायपुर-विशाखापट्टनम कॉरिडोर का हिस्सा है, जिसमें कोरबा जिले के चांपा-कोरबा-कटघोरा मार्ग को शामिल किया गया है। यह सड़क क्षेत्र में आवागमन को सुगम बनाने और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण है। स्थानीय लोग और सामाजिक संगठन निर्माण एजेंसी और जिला प्रशासन से तत्काल कार्यवाही की मांग कर रहे हैं। लोगों ने मांग की है कि सड़क की मरम्मत के साथ-साथ निर्माण कार्य की गुणवत्ता की गहन जांच की जाए। इसके अलावा, निर्माण के दौरान होने वाली असुविधाओं को कम करने के लिए बेहतर प्रबंधन की भी जरूरत है। इसी कड़ी में इससे पहले कोरबा-रिसदी मार्ग में पुलिस पेट्रोल पंप के निकट 17 करोड़ रुपये की लागत से बने रानी अहिल्याबाई होलकर कन्वेंशन हॉल का छज्जा लोकार्पण के महज एक महीने बाद ही गिर गया। यह हादसा 10 जुलाई की देर रात हुआ, जब हॉल पूरी तरह खाली था। इस घटना ने निर्माण गुणवत्ता और कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। 12 जून 2025 को प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा इसका लोकार्पण किया गया था। जिला खनिज न्यास निधि (डीएमएफ) से तैयार हुए इस भवन में अभी तक एकमात्र कार्यक्रम विश्व योगा दिवस पर हुआ है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, छत गिरने की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के रहवासी दहशत में आ गए। घटना की जानकारी मिलते ही निगम प्रशासन और छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड के अधिकारी मौके पर पहुंचे। हाउसिंग बोर्ड ने इसका प्रारंभिक कारण लगातार बारिश और तकनीकी खामी बताया है, जबकि विशेषज्ञ इसे निर्माण में लापरवाही और घटिया सामग्री के उपयोग का परिणाम मान रहे हैं। कन्वेंशन हॉल का निर्माण काफी धीमी गति से चल रहा था और बीच में कार्य भी बंद कर दिया गया था। आने वाले कलेक्टरों ने इसके निर्माण को पूरा कर उपयोग पर कुछ खास ध्यान नहीं दिया, लेकिन कलेक्टर अजीत वसंत ने डीएमएफ से बन रहे कन्वेंशन हॉल के निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए और उन्होंने इसका लोकार्पण कराते हुए उपयोग भी सुनिश्चित कराया। कलेक्टर के प्रयासों से ही उजाड़ होते जा रहे भवन का उपयोग नए पीएचई कार्यालय के रूप में शुरू हो पाया है।

फॉर्मेसी में सीनियर सिटीजन के लिए अलग काउंटर की व्यवस्था

कोरबा । कोरबा जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल के ओपीडी में भीड़ बढ़ने के साथ ही फॉर्मेसी में दवा लेने लंबी कतार लग रही है। ऐसे में लोगों को घंटों तक लाइन में खड़े रहकर परेशान होना पड़ता है। भीड़ कम करने के साथ ही सीनियर सिटीजन और बच्चों को पकड़कर दवा लेने पहुंची महिलाओं को राहत देने अब अलग काउंटर खोला जा रहा है। जिला अस्पताल के मेडिकल कॉलेज संबद्ध अस्पताल बनने के बाद से सुविधाएं बढ़ने के साथ ही इलाज के लिए पहुंचने वाले मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। वर्तमान में औसतन 8 सौ मरीज प्रतिदिन अस्पताल में इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। ओपीडी में जांच और इलाज के बाद लगभग शत-प्रतिशत मरीजों को अस्पताल के फॉर्मेसी से मुफ्त दवा का वितरण किया जाता है, इसलिए सुबह से लेकर रात तक फॉर्मेसी के सामने इलाज करा चुके मरीजों की लंबी कतार लगती है। खासकर ओपीडी के टाइमिंग में दवा लेने ज्यादा मरीज खड़े रहते हैं।

ऐसे में लंबी कतार होने से मरीजों और उनके परिजन को घंटों तक खड़े रहकर अपनी बारी आने का इंतजार करना पड़ता है। इस दौरान ज्यादा परेशानी सीनियर सिटीजन और गोद में बच्चा पकड़कर लाइन में लगी महिलाओं को होता है। इसके मद्देनजर अब अस्पताल प्रबंधन द्वारा फॉर्मेसी में सीनियर सिटीजन व बच्चा गोद में रखे महिलाओं के दवाई लेने अलग से काउंटर तैयार किया है। जल्द ही फॉर्मेसी में स्टाफ बढ़ाकर उक्त काउंटर से पात्र लोगों को दवाई वितरण किया जाएगा। मरीजों की सुविधा के लिए अलग काउंटर मेडिकल कॉलेज के असिस्टेंट मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. रविकांत जाटवर के मुताबिक अस्पताल के फॉर्मेसी के सामने दवा लेने मरीजों की लंबी कतार लग रही थी। ऐसे में भीड़ कम लगे और सीनियर सिटीजन व बच्चों को लेकर पहुंची माताओं को परेशानी न हो, इसके लिए उनके लिए अलग से काउंटर तैयार किया है, जहां से उन्हें अविलंब दवाइयां उपलब्ध हो जाएगी।

अंचल की अधिकांश स्ट्रीट लाइट बंद होने से सड़कों पर पसरा अंधेरा

कोरबा । नगर पालिक कोरबा क्षेत्र अंतर्गत मुख्य शहर से लेकर अन्य प्रमुख सड़कों और कालोनी क्षेत्र में अंधेरा फैला हुआ है। पावर हाउस रोड में सुनालिया ज्वेलर्स से लेकर मस्जिद तक की एक भी स्ट्रीट लाइट रोशन नहीं हुई बल्कि पूरे समय अंधेरा छाया रहा। यहां दोनों तरफ संचालित दुकानों की रोशनी से सड़क पर उजाला कायम हुआ और दुकान बंद होने के बाद फिर से अंधेरा फैल गया। इसी कड़ी में पुराना शहर में भी स्ट्रीट लाइट आधी जल रही तो आधी बुझी हुई नजर आई। संजय नगर नहर मार्ग में भी अंधेरा देखने को मिला। इधर बुधवारी मार्ग पर भी दो दिन से अंधेरा छाया हुआ है और स्ट्रीट लाइट जल नहीं रही। रविशंकर शुक्ल नगर कॉलोनी में मल्लिक वाटिका के आगे से लेकर दादर की ओर जाने वाले मार्ग पर तो सदैव अंधेरा ही कायम रहता है। इससे पहले एम.पी. नगर की कॉलोनी के मुख्य मार्ग में भी पर्याप्त रोशनी के अभाव में अंधेरा का माहौल रहता है और यह हर दिन की समस्या है।शहर से लगे अनेक क्षेत्रों, आंतरिक आवासीय और व्यावसायिक क्षेत्र में आधे-अधूरे स्ट्रीट लाइट जलने और कई इलाकों में लगाने के बाद भी स्ट्रीट लाइट बिल्कुल भी नहीं जलने के कारण अंधेरा होने से वाहन चलाने में दिक्कत होने के साथ-साथ हादसे का भी खतरा बना रहता

गेवरा रोड से रायपुर के लिए चलेगी

कोरबा। कोरबा सांसद श्रीमती ज्योत्सना चरणदास महंत ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से छत्तीसगढ़ के रेल यात्री सुविधा को ध्यान में रखते हुए मेमू और डेमू ट्रेनों को फिर से शुरू करने की मांग की थी, जो लंबे अर्से से बंद पड़ी थी। खासकर रायपुर-गेवरा रोड मेमू पैसेंजर ट्रेन और रायपुर-डोंगरगढ़ मेमू पैसेंजर ट्रेन फिर से शुरू करने की मांग की थे। उन्होंने 23 जून 2025 को बिलासपुर में हुई मंडल स्तरीय रेलवे बैठक में भी इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया था और कहा था इन ट्रेनों का संचालन जरूरी है इससे यात्रियों की परेशानी कम होगी। इस बैठक में कांग्रेस नेता व सांसद प्रतिनिधि हरीश परसाई भी उपस्थित थे।

अब उनकी मांग पूरी हो गई है और 15 जुलाई से इन ट्रेनों का संचालन फिर से शुरू होगा। सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत के प्रति मनोज अग्रवाल, सुनील जैन रेल यात्री संघर्ष समिति, दैनिक रेलयात्री संघ, व्यापारी बंधुओं के साथ ही कुसमुंडा गेवरा के नागरिकों ने आभार व्यक्त किया है। सांसद श्रीमती महंत ने हर अवसर पर रेल यात्री सुविधा के मुद्दे न केवल रेल मंडल की बैठकों में उठाती रही बल्कि केंद्रीय रेल मंत्री से मुलाकात कर कोरबा संसदीय क्षेत्र में रेल यात्री सुविधा बढ़ाने, बंद पड़ी ट्रेनों को शुरू करने के साथ नई ट्रेनों के संचालन की मांग करते हुए उन्हें मांग पत्र भी सौंपा था। सांसद महंत ने रेल यात्रियों को बधाई देते हुए केंद्रीय रेल मंत्री और रेलवे मंडल के अधिकारियों का आभार जताया है। इस निर्णय से छत्तीसगढ़ के यात्रियों को काफी राहत मिलेगी और उनकी परेशानियां कम होंगी।रायपुर-गेवरा रोड मेमू पैसेंजर ट्रेन = रायपुर से गेवरा रोड तक चलेगी, जिससे कोरबा और गेवरा रोड के यात्रियों को सुविधा मिलेगी। रायपुर-डोंगरगढ़ मेमू पैसेंजर ट्रेन = रायपुर से डोंगरगढ़ तक चलेगी, जिससे यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में आसानी होगी। अन्य ट्रेनें= गोंदिया-कटंगी, तूमसर रोड-बालाघाट समेत 13 लोकल मेमू और डेमू पैसेंजर ट्रेनें भी 15 जुलाई से शुरू होंगी।

स्याहीमुड़ी हाई स्कूल में पेपर बैग-डे पर चला प्लास्टिक मुक्ति अभियान

कोरबा । हाई स्कूल स्याहीमुड़ी में पेपर बैग-डे के अवसर पर एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम किया गया। इसका उद्देश्य छात्रों को प्लास्टिक प्रदूषण से होने वाले नुकसान और पर्यावरण संरक्षण में पेपर बैग के महत्व के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. फरहाना अली ने किया। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक हमारे पर्यावरण के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका है। प्लास्टिक बैग न केवल मृदा और जल को प्रदूषित करते हैं, बल्कि पशु-पक्षियों के लिए भी घातक साबित हो रहे हैं। ऐसे में हमें अपने दैनिक जीवन में पेपर बैग या कपड़े के थैले जैसे पर्यावरण मित्र विकल्पों का उपयोग करना चाहिए। इस दौरान ईको क्लब प्रभारी प्रभा साव व पुष्पा बघेल ने छात्रों को पेपर बैग बनाने का प्रशिक्षण दिया। उनके द्वारा छात्रों को पुराने अखबारों और रद्दी कागजों से मजबूत व सुंदर पेपर बैग बनाना सिखाया गया। छात्रों ने उत्साहपूर्वक पेपर बैग बनाकर उनमें आकर्षक चित्र और स्लोगन भी लिखे। आसपास की दुकानों में पेपर बैग का वितरण किया और लोगों को प्लास्टिक बैग की जगह कागज या कपड़े का बैग उपयोग करने का संदेश दिया। कार्यक्रम में प्लास्टिक हटाओ-प्रकृति बचाओ, पेपर बैग अपनाओ-पर्यावरण सजाओ जैसे नारे गूंजे। कार्यक्रम का संचालन प्रभा साव और धन्यवाद ज्ञापन पुष्पा बघेल ने किया। इस दौरान सभी शिक्षक समेत बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

जिले की आत्मा में बसा शिव-शक्ति का दिव्य तीर्थस्थल

जिले के लब्धख्याति कनकी धाम केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि आस्था, इतिहास और प्रकृति का अद्भुत संगम

कोरबा । कोरबा जिले में हसदेव नदी की कलकल बहती लहरों के किनारे, हरे-भरे जंगलों की गोद में बसे ग्राम कनकी का यह पावन स्थल, कनकी धाम, केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि आस्था, इतिहास और प्रकृति का अद्भुत संगम है। कोरबा जिला मुख्यालय से महज 20?किमी दूर स्थित यह स्थल हर श्रद्धालु के लिए एक ऐसा ठिकाना है, जहाँ पहुंचकर ऐसा लगता हैं की आत्मा परमात्मा से जुड़ रही है।

इतिहास की परतों में छुपा दिव्यता का स्वरूप

कनकी धाम का इतिहास लगभग 1857 ई. का है। माना जाता है कि कोरबा के तत्कालीन जमींदारों ने इस पवित्र धाम का निर्माण कराया था। सदियों से यह स्थान स्थानीय लोगों की भक्ति और श्रद्धा का केंद्र बना हुआ है। हर पत्थर, हर दीवार यहाँ की पुरातनता की गवाही देती है। ऐसा प्रतीत होता है जैसे यहाँ शिव स्वयं वास करते हों और माँ दुर्गा अपनी ममता की छाया बिखेर रही हों।

वास्तुकला की अनुपम भव्यता

कनकी धाम का निर्माण पत्थरों से किया गया है, जिन पर की गई बारीक नक्काशी आज भी कला प्रेमियों और श्रद्धालुओं को समान रूप से मंत्रमुग्ध कर देती है। मंदिर के भीतर विराजित कंकईश्वर महादेव (चक्रेश्वर) और माँ दुर्गा की प्राचीन प्रतिमाएँ हर आगंतुक को एक अलौकिक शांति और श्रद्धा से भर देती हैं। यहाँ शिव-पार्वती की युगल मूर्तियाँ और नंदी महाराज की दिव्य उपस्थिति श्रद्धालुओं को ऐसा आशीर्वाद देती हैं कि मन भीतर तक प्रफुल्लित हो उठता है।

प्रकृति की गोद में बसे पवित्र कण-कण

कनकी धाम केवल आस्था का केंद्र नहीं, यह एक ऐसा स्थान है जहाँ प्रकृति स्वयं ध्यानमग्न प्रतीत होती है। मंदिर चारों ओर से घने जंगलों और शांत तालाबों से घिरा हुआ है। वसंत ऋतु में यहाँ प्रवासी पक्षियों का मधुर स्वर वातावरण को और भी दिव्य बना देता है। यहाँ का हर कोना, हर रास्ता मानो शिव का नाम जपता हो। हरे-भरे वृक्षों की छांव में बैठकर हर कोई अपने भीतर की शांति को महसूस करता है।

त्यौहारों पर अद्भुत उत्सव की झलक

महाशिवरात्रि, नवरात्रि और बैसाखी के अवसर पर कनकी धाम भक्ति की तरंगों से गूंज उठता है। हजारों की संख्या में श्रद्धालु यहाँ एकत्र होकर भजन, कीर्तन और महाआरती में भाग लेते हैं। दीपों की जगमगाहट और घंटे-शंख की गूंज ऐसा प्रतीत कराती है जैसे स्वयं कैलाश की दिव्यता यहाँ उतर आई हो।

कनकी धाम, कोरबा बस स्टैंड से पहुंचने के लिए टैक्सी, ऑटो और निजी वाहन आसानी से उपलब्ध हैं। रास्ते में आने वाले हरियाली से भरे दृश्य यात्रा को एक आध्यात्मिक अनुभव में बदल देते हैं।

स कनकी धाम के विशेष आकर्षण कंकईश्वर महादेव (चक्रेश्वर) और माँ दुर्गा का प्राचीन मंदिरपत्थर की अद्भुत नक्काशी और ऐतिहासिक शिल्पकलाहरे-भरे जंगल और तालाब का प्राकृतिक सौंदर्यपक्षी-प्रेमियों के लिए स्वर्ग समान स्थान त्योहारों पर सजीव लोक-सांस्कृतिक माहौल कनकी धाम वह स्थान है जहाँ श्रद्धा और शांति एक साथ निवास करते हैं। यह पवित्र धाम न केवल कोरबा बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय है। यहाँ का वातावरण हर भक्त को यह अहसास कराता है कि सच्ची शांति मंदिर की दीवारों के भीतर नहीं, बल्कि उसकी दिव्यता को महसूस करने वाले हृदयों में बसती है।

बाइक व एक्टिवा में हुई भिड़ंत-महिला घायल

कोरबा । कोरबा अंचल के सीएसईबी-टी.पी. नगर मुख्यमार्ग में बाइक व एक्टिवा के बीच भिड़ंत हो गई। हादसे में एक्टिवा सवार महिला को गंभीर चोटें आई हैं। उसे इलाज के लिए निजी अस्पताल दाखिल कराया गया। जानकारी के अनुसार दर्री थानांतर्गत कैलाश बिहार कालोनी में अंजली तिवारी नामक महिला निवास करती है। वो टी.पी. नगर क्षेत्र स्थित एक दफ्तर मे काम करती हैं। वे बुधवार की दोपहर दफ्तर में थी। इसी दौरान उनकी मां एक्टिवा में सवार होकर निहारिका से टी.पी. नगर स्थित बेटी के दफ्तर आ रही थी। वे मुख्यमार्ग में पहुंची थी। इसी दौरान सामने से आ रहे बाइक के चालक ने एक्टिवा को ठोकर मार दी। इस घटना में बाइक की ठोकर से एक्टिवा सवार महिला को गंभीर चोटें आई। उन्हें इलाज के लिए निजी अस्पताल दाखिल कराया गया। मामले में पुलिस ने कथित आरोपी बाइक चालक के खिलाफ जुर्म दर्ज कर लिया है।

दीपका कबड्डी टीम के विजेता खिलाड़ियों का किया गया सम्मान

कोरबा । एसईसीएल द्वारा आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर विजेता बनी दीपका क्षेत्र की टीम के खिलाड़ियों का विशेष सम्मान किया गया। भारतीय कोयला खदान मजदूर संघ (बीएमएस) की पहल पर खिलाड़ियों की एरिया के महाप्रबंधक संजय मिश्रा से सौजन्य भेंट-मुलाकात हुई। इस अवसर पर महाप्रबंधक श्री मिश्रा ने सभी खिलाड़ियों को उनकी उपलब्धि के लिए बधाई दी और भविष्य में और भी बेहतर प्रदर्शन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि ऐसे खेल आयोजन कर्मचारियों और युवाओं में खेल भावना तथा टीम स्पिरिट को बढ़ावा देते हैं, जो किसी भी संगठन की मजबूती के लिए जरूरी हैं। इस भेंट-मुलाकात की खास बात यह रही कि दीपका प्रबंधन ने प्रतियोगिता में विजेता बनने पर खिलाड़ियों को प्रोत्साहन स्वरूप ब्लेजर देने का जो आश्वासन पहले दिया था, उसे बीएमएस की सक्रियता से पूरा किया गया। खिलाड़ियों को ब्लेजर मिलने से उनका उत्साह दोगुना हो गया और इस पहल की सभी ने सराहना की।

सम्मान समारोह में बीएमएस के पदाधिकारीगण, दीपका क्षेत्र के अधिकारी और बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे। खिलाड़ियों ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि प्रबंधन और यूनियन के सहयोग से उन्हें आगे और बेहतर खेलने की प्रेरणा मिलती है।

पेट दर्द से पीड़ित महिला को संजीवनी मिली एनकेएच में

कोरबा। कोलकाता निवासी एक 28 वर्षीय महिला जमनीपाली स्थित मायके आने के बाद बीती रात पेट दर्द से परेशान हो गई। बेहोशी की स्थिति में उन्हें स्थानीय अस्पताल में चिकित्सा दी गई और फिर न्यू कोरबा हास्पिटल भेज दिया गया। यहां परीक्षण करने पर पता चला कि थैली फटने के कारण पेट में काफी खून जमा हो गया था।डॉ. एकता चवरे के नेतृत्व में चिकित्सकों की टीम ने परिजनों को पूरी स्थिति समझाने के बाद तुरंत इलाज शुरू किया। सुबह तक सर्जरी कर पेट में जमे हुए खून को बाहर निकाला गया। अत्यधिक रक्तस्राव के कारण रानी को सात यूनिट ब्लड चढ़ायागया। महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. एकता चवरे, एनेस्थीसिया, क्रिटिकल केयर की पूरी टीम और ब्लड बैंक स्टॉप के सहयोग से रानी का सफल ऑपरेशन हुआ। ऑपरेशनके बाद डॉ. एकता, डॉ. अविनाश तिवारी (एमडी मेडिसिन) और न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. मनीष गोयल कीदेखरेख में उन्हें 5 दिनों तक आईसीयू में रखा गया। स्थिति में सुधार होने पर जनरल वार्ड में शिफ्ट किया गया, और अंतत: पूर्ण स्वस्थ हालत में हॉस्पिटल से डिस्चार्ज किया गया। महिला के पति ने उपचार के बाद की स्थिति पर संतोष जताया और कहा कि छोटे शहर में इतना अच्छा ट्रीटमेंट मिला यह सुखद है।एनके एच के डायरेक्टर डॉ. एस. चंदानी ने बताया कि यह केस काफी क्रिटिकल और रिस्की था।

महिला को अश्लील गलौज कर छेड़छाड़ करने वाला आरोपी गिरफ्तार

जांजगीर। आरोपी द्वारा पीड़िता के घर अंदर घुसकर अश्लील गाली गलौच करते हुए महिला को बेइज्जती करने की नियत से छेड़छाड़ किया गया जिसकी सूचना रिपोर्ट पर आरोपी के विरुद्ध दिनांक 12.07.25 को अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

महिला पर घटित अपराध को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में आरोपी सुदेश डहरिया को उसके सकुनत पर जाकर घेराबंदी कर पकड़ा जिसको हिरासत में लेकर घटना के संबंध में पूछताछ करने पर जुर्म स्वीकार किए जाने से विधिवत् गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड भेजा गया।

उपरोक्त कार्यवाही मे निरीक्षक राजीव श्रीवास्तव थाना प्रभारी बलौदा, सउनि प्रतिभा राठौर, प्र.आर. मुकेश यादव, आर0 विनोद मनहर, अनुज खरे एवं थाना बलौदा स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा।

श्रीवेंकटेश्वर भगवान के पांच-दिवसीय झूलनोत्सव का आयोजन

जांजगीर-चांपा । श्रावण मास शुरू होते ही देवस्थान और मंदिरों में

धूमधाम से झूला उत्सव की तैयारियां शुरू हो जाती हैं। कुछ लोग भगवान के श्रीविग्रह को रखकर झूला सजाते हैं तो कुछ लोग सामूहिक रुप में यह आयोजन करते हैं । ऐसी ही एक दिव्य आयोजन श्रीमन्नरायण के आशिर्वाद तथा श्री-श्री 1008 युवराज स्वामी रामकृष्णाचार्य जी महाराज के सानिध्य में भगवान श्रीकृष्ण-राधा के झूलनोत्सव महोत्सव का आयोजन दिनांक 03 अगस्त से दिनांक 07 अगस्त, 2025 से किया जा रहा हैं । बसईवाल परिवार के द्वारा आयोजित कार्यक्रम अग्रसेन भवन नैला में होगा, इसके लिए श्रद्धा और भक्ति के साथ तैयारियां की जा रही हैं । इसके लिए श्रीकृष्ण खेड़िया 7000358816 तथा आनंद अग्रवाल 9827104958 से संपर्क किया जा सकता हैं । कार्यक्रम के संयोजक दासानुदास कैलास बसईवाल,दासानुदास पवन अग्रवाल (पत्रकार), दासानुदास अंकित बसईवाल तथा परिवार ने भगवान के झूलनोत्सव में श्रद्धालु भक्तों को सादर आमंत्रित किया हैं ।

किसानों का पैसा हजम करने वाले लीलादास को बचाने का प्रयास

जांजगीर चांपा। सेवा सहकारी समिति बोडसरा के कर्मचारी लीलादास मानिकपुरी द्वारा समिति में अनेक विसंगति करने के बाद भी अधिकारियों द्वारा उनके ऊपर कार्रवाई करने के बजाय उन्हें बचाने का प्रयास किया जा रहा है। इस संबंध में अवगत हो कि सेवा सहकारी समिति बोडसरा के कर्मचारी लीलादास मानिकपुरी लिपिक सह कंप्यूटर ऑपरेटर के ??द्वारा समिति के किसानों से प्राप्त ऋण वसूली हिस्से की राशि को बैंक में जमा नहीं कर गंभीर वित्तीय अनियमितता किया गया है एवं समिति कार्यालय में अवकाश के लिए आवेदन दिए बिना लंबी अवधि तक अनुपस्थित रहने के कारण उक्त कर्मचारी को कई बार नोटिस के माध्यम से अवगत कराया गया था। लेकिन अब तक उनके ?द्वारा किये गये गड़बड़ी की भरपाई नहीं की गयी और ना ही कोई संतोषप्रद जवाब प्रस्तुत किया गया। जिस कारण लीलादास मानिकपुरी को 26.05.25 की संचालक मंडल ?द्वारा निलंबित किया जाकर जाँच हेतु आरोप पत्र शाखा प्रबंधक,पर्यवेक्षक जि.स. के. बैंक शाखा जांजगीर को प्रस्तुत किया गया है। जिससे खीझवश उक्त कर्मचारी द्वारा जनदर्शन में अधिकारी को समिति प्रबंधक, प्राधिकृत अधिकारी द्वारा मानसिक प्रताडित करने एवं समय पर वेतन भुगतान नहीं करने हेतु शिकायत किया गया है। जिसके लिए स.नि. कैलाशचंद्र के द्वारा 25.08-25 को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया, जिसमे उन्हें लीलादास मानिकपुरी ?द्वारा किये गये गड़बड़ी एवं अनियमितता के संबंध में साक्ष्य सहित जवाब प्रस्तुत किया गया। जिसमें जांच अधिकारी ?द्वारा अपने प्रतिवेदन में समिति के द्वारा लिए गये निर्णय की स्वेच्छा चरिता वश किया गया कार्यवाही कहते हुए लीला दास मानिकपुरी व निलंबन की कार्यवाही को निरस्त बनते हुए समिति प्रबंधक एवं प्रधि अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही किये जाने का लेख किया गया है। जिससे स्पष्ट होता है कि जांच अधिकारी के द्वारा समिति के उक्त कर्मचारी को संरक्षण दिया जा रहा है एवं समिति के प्राधि अधि एवं संस्था प्रबंधक को हतोत्साहित किया जा रहा है ।

यहां यह बताना आवश्यक है कि लीला दास मानिकपुरी द्वारा जो आर्थिक अनियमितता की गई है यह गंभीर अपराध है इसके लिए पुलिस मैं मामला दर्ज कराया जाना चाहिए, न जाने कितने किसानों का रकम समिति में जमा नहीं किया गया है यह जांच से स्पष्ट हो जाएगा। ऐसा करने के बजाय जांच अधिकारी एवं उच्च अधिकारी के द्वारा मामले को दबाने के लिए समिति प्रबंधक एवं प्राधिकृत अधिकारी के ऊपर कार्रवाई वापस लेने के लिए दबाव बनाया जा रहा है।

विदित हो कि इसके पूर्व सेवा सहकारी समिति बनारी में इसी तरह का मामला सामने आया था जहां संचालक मंडल के द्वारा इसी तरह की करवाई की गई थी जिसे उच्च अधिकारियों द्वारा स्वीकार करते हुए उक्त कर्मचारी की सेवा समाप्त कर दी गथी थी। परंतु आज आर्थिक अनियमितता करने पर सेवा सहकारी समिति बोड़सरा के संचालक मंडल द्वारा निलंबन की कार्रवाई की गई है तो उसे उचित नहीं ठहराया जा रहा है बल्कि आर्थिक अनियमितता के मामले को मोड़ते हुए संचालक मंडल की कार्रवाई को अनुचित बनाने में लगे हुए हैं। बल्कि बोड़सरा समिति के मामले को पुलिस विभाग को सौंप देना चाहिए।

डबरी में मिला शव, हत्या की आशंका

जांजगीर-चांपा। गत रविवार को 4 महीने की मासूम बच्ची की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसका शव घर के पीछे करीब 2 फीट गहरे गड्ढे में तैरता मिला। आशंका जताई जा रही है कि बच्ची का अपहरण कर उसकी हत्या की गई, फिर शव को गड्ढे में फेंका दिया।

यह पूरी घटना पामगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम धाराशिव की है। मृतक बच्ची की पहचान मानवी गोस्वामी के रूप में हुई है। दोपहर करीब 1 बजे बच्ची की मां पूनम ने उसे अपने पास सुलाया था। पूनम ने तबीयत खराब होने पर दवाई खाकर खुद भी आराम किया। जब वह जागी तो बच्ची गायब थी। पूनम ने अपनी मां जासु गोस्वामी से पूछताछ की, जो कि बगल के घर में सो रही थीं। दोनों ने मिलकर बच्ची की तलाश की, लेकिन वह कहीं नहीं मिली। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। जांच पड़ताल के दौरान घर के पीछे गड्ढे में बच्ची का शव पानी में तैरता मिला। घटनास्थल पर फोरेंसिक टीम को भी बुलाया गया है। पुलिस को आशंका है कि बच्ची का अपहरण कर हत्या की गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं जासु गोस्वामी ने बताया कि उनकी बेटी पूनम की शादी शहडोल में हुई थी। पूनम डिलीवरी के लिए मायके आई थी, जहां 4 माह पहले बच्ची का जन्म हुआ था।

प्रवेशोत्सव समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता को बढ़ाता है: नारायण

जांजगीर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने ग्राम सिवनी(नैला) के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित शाला प्रवेशोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। उन्होंने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा के प्रति बच्चों में उत्साह और लगाव बना रहे, इसके लिए सरकार यह आयोजन कर रही है।

उन्होंने कहा कि यह उत्सव बच्चों को स्कूल में प्रवेश के लिए प्रेरित करता है। साथ ही समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता भी बढ़ाता है। इस दौरान एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत पौधरोपण भी हुआ। इस अवसर पर भाजपा नेता रवि पांडेय, शैलेन्द्र पांडेय, विवेका गोपाल, सरपंच रघुबीर बरेठ, जनपद सदस्य रूपनारायण लसेर, उपसरपंच शुभांशु मिश्रा, उमेश राठौर, सुनील भवानी, नाथूराम श्रीवास, साकेत तिवारी, शुक्ला प्रसाद उपस्थित थे।

डीएसपी सतरूपा बनीं बाराद्वार थाना प्रभारी

बाराद्वार। पुलिस कप्तान अंकिता शर्मा ने सक्ती जिले के कई थानों में कसावट लाने के लिए थाना प्रभारियों का तबादला किया है। इस सूची में बाराद्वार थाना प्रभारी लखन लाल पटेल का स्थानांतरण मालखरौदा कर दिया गया। इसके बाद बाराद्वार थाना की जिम्मेदारी उप पुलिस अधीक्षक सतरूपा तारम को सौंपी गई है। उन्होंने बाराद्वार थाना में पदभार ग्रहण कर लिया है। सतरूपा तारम ने कहा कि बाराद्वार नगर और आसपास के क्षेत्र के लोगों को पुलिस से हर संभव मदद दी जाएगी।

*__जांजगीर।__ सावन माह के पवित्र अवसर पर बोल बम समिति 14 जुलाई को विशाल कांवर यात्रा निकालेगी। यात्रा सुबह 4 बजे हसदेव नदी चांपा से शुरू होगी। कांवरिए यहां से जल भरकर 11 किमी की यात्रा तय करेंगे।

समय से पहले सफाई नहीं होने पर बरसात के मौसम में जल जमाव की समस्या उत्पन्न

जांजगीर। शहर में इन दिनों रुक-रुक कर तेज बारिश हो रही है। इसके कारण कई वार्डों की नालियों की सफाई नहीं होने से कचरा जमा हो गया है, जिससे जलभराव की स्थिति बन रही है।

गांधी चौक सब्जी मार्केट क्षेत्र में बारिश होते ही नालियों में पानी भरने से जलजमाव की समस्या गंभीर हो जाती है।

इससे लोगों को आने-जाने में परेशानी होती है। यहां हर बुधवार को साप्ताहिक बाजार लगता है, जिसमें बड़ी संख्या में लोग सब्जी खरीदने आते हैं। नालियों की समय पर सफाई नहीं होने से बारिश का पानी सड़कों पर बहने लगता है, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ता है। पानी भरने से सब्जी बाजार की सड़कें कीचड़युक्त हो जाती हैं, जिससे खरीदारों और दुकानदारों को चलना मुश्किल हो जाता है। साथ ही, वाहनों की आवाजाही बाधित होने से जाम की स्थिति बन जाती है। नालियों की नहीं होती नियमित सफाई स्थानीय दुकानदारों और नागरिकों का कहना है कि नगर पालिका द्वारा नालियों की नियमित सफाई नहीं की जाती, जिससे बारिश में यह स्थिति बार-बार बनती है। लोगों ने प्रशासनिक अधिकारियों से मांग की है कि जल्द से जल्द नालियों की सफाई कराई जाए और जल निकासी की उचित व्यवस्था की जाए, ताकि बारिश के समय जलभराव और जाम की समस्या से राहत मिल सके।

तमिलनाडु में दबिश देकर पुलिस ने पकड़ा दुष्कर्मी को

जांजगीर। नाबालिग बालिका के साथ अनाचार कर उसे बहला-फुसलाकर तमिलनाडु ले जाने वाले आरोपी को पुलिस ने पकड़ लिया। आरोपी मनोज कुमार साहू(20) निवासी लच्छनपुर को रविवार को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। पीड़िता के परिजन ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनकी नाबालिग बेटी लापता है। जांच में सामने आया कि आरोपी उसे बहला-फुसलाकर ले गया है।

पुलिस ने तत्काल अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की। एसपी विजय कुमार पांडेय के निर्देशन में जांच आगे बढ़ी। पता चला कि आरोपी बालिका को तमिलनाडु की ओर लेकर गया है। सूचना मिलते ही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप के मार्गदर्शन और सीएसपी कविता ठाकुर के नेतृत्व में थाना जांजगीर की टीम को रवाना किया गया। टीम ने तमिलनाडु पहुंचकर आरोपी को पकड़ा।

700 दिन में भी नहीं बनायी जा सकी आधे किमी की सड़क

चांपा। चांपा-कोरबा मार्ग पर 500 मीटर की सड़क दो साल से अधूरी है। यह सड़क ब्रिज से लगभग 200 मीटर की दूरी पर है। बरसात में यह कीचड़ में बदल जाती है और गर्मी में धूल उड़ती है।

राहगीर, स्कूली बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं और वाहन चालक रोजाना परेशान होते हैं। अधूरी सड़क के कारण दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। दोपहिया वाहन फिसलते हैं और चार पहिया वाहन कीचड़ में फंस जाते हैं। बीते कुछ महीनों में कई लोग घायल हो चुके हैं, जिनमें कई स्कूली छात्र भी शामिल हैं। क्षेत्रीय विधायक ब्यास कश्यप इस मुद्दे पर आंदोलन कर चुके हैं। उन्होंने चक्का जाम और धरना किया। विभाग ने केवल मरम्मत का आश्वासन दिया। कुछ स्थानों पर सतही मरम्मत कर दी गई। सामाजिक संगठन, व्यापारी और नागरिक मंच भी कई बार विरोध कर चुके हैं। लेकिन कोरबा पीडब्ल्यूडी विभाग की उदासीनता बनी हुई है। यह

सड़क अब विकास में बाधा बन चुकी है। विभाग केवल गड्ढे भरने तक सीमित है। स्थायी समाधान की कोई योजना नहीं है। स्थानीय लोग नाराज हैं। राहुल वर्मा रोज इसी रास्ते से बच्चों को स्कूल छोड़ते हैं। उन्होंने बताया, बरसात में स्कूटर फिसलता है। बच्चे गिर चुके हैं। विभाग केवल दिखावा करता है।

लोगों ने आंदोलन किया फिर भी नहीं बनी सड़क बुजुर्ग सरला देवी ने कहा कि विधायक ब्यास कश्यप ने आंदोलन किया। संगठन भी उतरे। सरकार का ध्यान नहीं है। क्या जनता की जान की कोई कीमत नहीं।

राज्य सरकार और विभाग विकास के दावे करते हैं, लेकिन 500 मीटर की सड़क दो साल में नहीं बन पाई। इससे हकीकत सामने आ जाती है। अब सवाल है कि यह सड़क कब बनेगी। क्या किसी बड़े हादसे के बाद ही प्रशासन जागेगा। क्या जनता को बुनियादी सुविधा के लिए भी संघर्ष करना पड़ेगा।

प्रकृति को हर हाल में प्रदूषण से मुक्त रखने का लिया संकल्प

अकलतरा। सामाजिक संस्था वेल विशर फाउंडेशन द्वारा शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल अमोरा में रविवार को पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व प्राचार्य पंकज केशरी रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता वेल विशर फाउंडेशन के सचिव चिराग शर्मा ने की। विशेष रूप से सदस्य दीपक साहू, आशीष मिश्रा, संजय यादव, नवल किशोर पांडेय और पुरबल देवांगन उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि पंकज केशरी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। हर व्यक्ति को प्रतिवर्ष पौधरोपण के साथ प्रकृति की सुरक्षा का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने वेल विशर फाउंडेशन द्वारा पर्यावरण के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

सचिव चिराग शर्मा ने प्लास्टिक के उपयोग से होने वाले दुष्परिणामों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि प्लास्टिक न केवल पर्यावरण को प्रदूषित करता है, बल्कि इसका असर आने वाली पीढ़ियों पर भी पड़ेगा। उन्होंने विद्यार्थियों से प्लास्टिक के उपयोग से बचने और हर वर्ष एक पौधा लगाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में नीम, आम सहित अन्य प्रजातियों के पौधे रोपित किए गए। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी संजय यादव ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन पुरबल प्रसाद देवांगन ने किया।

ट्रैक्टर रोककर वाहन चालक से मारपीट और लूट के मामले में हुई कार्यवाही

जांजगीर-चांपा। जिले में पुलिस ने एक ट्रैक्टर चालक से शराब पार्टी के लिए पैसे मांगने वाले आरोपी को पकड़ा है। आरोपी राहुल राठौर (26 साल) ने ट्रैक्टर का रास्ता रोका। उसे अश्लील गालियां दीं और जान से मारने की धमकी देकर शराब पार्टी के लिए 2000 रुपये की मांग की।

मामला सरगांव थाना क्षेत्र का है। पीड़ित की शिकायत के बाद पुलिस ने शिकायत पर तुरंत कार्रवाई करते हुए धारा 126(2), 296, 351(3), 119(1) BNS के तहत मामला दर्ज किया। आरोपी देवरी थाना के सारागांव का रहने वाला है। जांच में सामने आया कि आरोपी शुभम पहले भी अपहरण जैसे अपराधों में शामिल रह चुका है। पूछताछ के दौरान उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने पर्याप्त सबूत मिलने के बाद उसे गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया। विजय कुमार पाण्डेय ने एक वीडियो साझा किया। इसमें आरक्षक लहरे का जिक्र है। ट्रैक्टर मालिक फोन पर यह बात करता सुना गया कि उसने अपने फायदे के लिए पुलिस को बदनाम करने की कोशिश की। अब ट्रैक्टर मालिक का बयान मजिस्ट्रेट के सामने दर्ज कराया जाएगा।

श्याम मंदिर में 10 लाख की चोरी

रायगढ़। आज सुबह पुजारी और श्रद्धालु पूजा अर्चना करने के लिए मंदिर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने देखा कि मेन गेट का ताला टूटा हुआ है। मंदिर के अंदर बाबा श्याम का हार समेत 2 दान पेटी गायब है। जिसके बाद मामले की सूचना कोतवाली पुलिस को दी गई। पुलिस और डॉग स्क्वायड मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुटी है। सोने के हार की कीमत करीब 8 लाख और 2 लाख कैश की चोरी की गई है।

प्रेमप्रवाह का संदेश देने निकाली रथ यात्रा शामिल हुए अनुयायी

चांपा। श्री सत्य साईं सेवा संगठन छत्तीसगढ़ द्वारा रविवार को चांपा में श्री सत्य साईं प्रेम प्रवाहिनी रथ यात्रा और शोभायात्रा का भव्य आयोजन किया गया। पूरा नगर जय साईं राम के उद्घोष से गूंज उठा। यह आयोजन भगवान श्री सत्य साईं बाबा के 100वें जन्मोत्सव की स्मृति में हुआ। नगरवासियों ने श्रद्धा और भक्ति से इसमें भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 9 बजे ग्राम घुघरी से हुई। यहां भक्तों ने बाबा के दर्शन किए। गांव का भ्रमण किया। नारायण सेवा के तहत अन्नदान किया गया। दोपहर 2-30 बजे घुघरी से चांपा स्थित देवांगन धर्मशाला तक बाइक रैली निकाली गई। इसमें दर्जनों युवा साईं भक्त शामिल हुए। रथ यात्रा का स्वागत किया गया। शाम 4 बजे देवांगन धर्मशाला से शोभायात्रा आरंभ हुई। फूलों से सजे रथ में श्री सत्य साईं बाबा का चित्र विराजमान था। शोभायात्रा शहीद राजकरण दुग्गड़ चौक, थाना चौक, संजय नगर, बैरियर चौक, सुभाष चौक, गौशाला रोड होते हुए पुनः देवांगन धर्मशाला पहुंचकर संपन्न हुई। यात्रा के दौरान नगर की गलियों और सड़कों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी।

सैकड़ों महिला-पुरुष भक्तों ने भजन-कीर्तन और जयकारों के साथ भाग लिया। नगरवासियों ने विभिन्न स्थानों पर सेवा पंडाल लगाए। श्रद्धालुओं का स्वागत किया गया। मारवाड़ी युवा मंच और चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष सुनील सोनी, प्रकाश अग्रवाल, राज अग्रवाल, विनय अग्रवाल और रजत चौधरी ने ठंडा पानी, शरबत, फ्रूटी, चाय, बिस्किट और अन्य खाद्य सामग्री वितरित की। व्यापारियों, सामाजिक संस्थाओं और आमजन ने श्रद्धा से सेवा में भाग लिया। कार्यक्रम के समापन पर देवांगन धर्मशाला परिसर में बाल कलाकारों ने साईं भक्ति पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

इसमें भजन, नृत्य और लघु नाटिका शामिल रहीं। इसके बाद सम्मान समारोह हुआ। अतिथियों और सहयोगियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। अंत में नारायण सेवा के अंतर्गत प्रसाद वितरण किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य सत्य साईं बाबा के सेवा, प्रेम, शांति और मानवता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना था। आयोजन को सफल बनाने में पी. रामाराव, जितेन्द्र कुमार देवांगन, उमेश कुमार देवांगन, हरि देवांगन, संतोष देवांगन, शिव देवांगन, दिलीप देवांगन, सितेंद्र देवांगन, महेंद्र देवांगन, अशोक देवांगन, राजू देवांगन, देवेंद्र देवांगन और साईं संगठन के सभी कार्यकर्ताओं का विशेष योगदान रहा।

सावन सोमवार को भक्तों से रौशन हुए शिवालय

रायगढ़। सावन महीने के पहले सोमवार को मंदिरों में भक्तों की भीड़ देखने को मिली। सुबह से ही लोग भगवान शिव की पूजा करने के लिए महादेव मंदिर, गौरीशंकर मंदिर और कोमसनारा बाबा धाम पहुंचने लगे।

श्रद्धालुओं ने बेलपत्र, जल और दूध चढ़ाकर भगवान शिव की पूजा की। मंदिरों में ऊं नमः शिवाय के मंत्र गूंजते रहे और लोगों ने पूरे श्रद्धा और विधि-विधान से पूजा-अर्चना की।

सावन माह को देखते हुए शिव मंदिरों के बाहर पूजन सामाग्री की भी दुकानें सज कर तैयार हो गई है। दुकानदार बेलपत्र, अगरबत्ती, धतुरे का फूल, माला की बिक्री कर रहे थे। बड़ी संख्या में श्रद्धालु इसे लेकर मंदिरों में तक पहुंच रहे हैं।

भक्तों ने बताया कि आज पहला सावन सोमवार है और इस दिन श्रद्धालु भगवान शिव की विशेष आराधना करते हैं। कई लोग उपवास रखते हैं और मंदिरों में जल, बेलपत्र, व दूध चढ़ाकर पूजा करते हैं। मंदिरों में पूरे दिन भक्तों की भीड़ बनी रहती है।गौरीशंकर मंदिर के पुजारी ने बताया कि सावन में हर दिन पूजा का महत्व होता है, लेकिन सोमवार का खास महत्व है। हिंदू शास्त्रों के अनुसार, सोमवार को भगवान शिव की पूजा करने से विशेष फल की प्राप्ति होती है। सुबह से ही मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए और पूरे विधि-विधान से भगवान शिव की पूजा की जा रही है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि सावन में शिव पूजा करने से भगवान प्रसन्न होते हैं और मनोकामनाएं पूरी करते हैं।

अनमोल वचन......

जिसमें सच बोलने कीहिम्मत होती है सबसेअधिक नफरत का पात्र वही बनता है।

ठाकरे भाई साथ साथ

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे ने त्रिभाषा फार्मूले द्वारा मुंबई को महाराष्ट्र से अलग करने की योजना का आरोप लगाया। हिन्दी को अनिवार्य बनाने के फैसले के विरोध में राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे मार्च निकालने की तैयारी में थे। मगर सरकार के फैसला वापस करने के बाद विजय रैली निकाली जिसमें शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ने कहा कि अब हम एक-दूसरे का साथ देने के लिए आ गए हैं। मिल कर आपको (सरकार) बाहर कर देंगे। राज ने कहा, किसी भी झगड़े या विवाद से महाराष्ट्र बड़ा है। हम बीस साल बाद साथ आ रहे हैं। जो काम बाला साहेब नहीं कर सके, वह देवेंद्र फडनवीस ने कर दिखाया। आपसी अनबन के दो दशक लंबे अंतराल के बाद दोनों नेताओं ने मंच साझा किया। भाजपा ने इसे खोए आधार को वापस पाने की हताश कोशिश और पारिवारिक मेल-मिलाप सरीखा ठहराया।

उद्धव ने अपने संबोधन में कहा कि हम किसी को धमकाएंगे नहीं, लेकिन उनको भी बर्दाश्त नहीं करेंगे जो हमें धमकाते हैं। उन्होंने सभी मराठियों को साथ आने, मराठियों की पहचान को मिटना नहीं चाहिए जैसी बातें कीं जबकि राज ने मराठी को अपना एकमात्र एजेंडा बताया और कहा, हम महाराष्ट्र को बंटता हुआ नहीं देखना चाहते। असल सवाल है, दोनों ठाकरे पुराने सारे मतभेद मिटा कर साथ कैसे काम करते हैं। हालांकि, दोनों चचेरे भाइयों का आनन-फानन मंच साझा करना, शुद्ध राजनीतिक लाभ के लिए उठाया गया कदम माना जा रहा है। एक-दूसरे के खिलाफ बयानबाजी करने वाले ठाकरे बंधुओं को इसका प्रतिफल तो जनता ही देगी क्योंकि मात्र भाषा के मुद्दे से देशवासियों को प्रभावित कर पाना आसान नहीं है। दूरगामी राजनीति करने के लिए ठाकरे बंधुओं को भाजपा गठबंधन को चुनौती देने के लिए बड़े मुद्दे तलाशने होंगे। मराठी मानुष के पक्षधर रहे बाल ठाकरे जिस हिन्दुत्व का बखान करते रहे थे, यह राग बिल्कुल उसके विपरीत जाता प्रतीत हो रहा है। मराठी बोलने को लेकर हाथापाई और अभद्रता के सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो पर जनता में नाराजगी है। मुंबई में उत्तर भारतीयों ही नहीं, दक्षिण भारतीयों के वोट बैंक को कई दशकों से तवज्जो दी जा रही है। हालांकि सत्ता के लिए गठजोड़ करना आम है परंतु ठाकरे परिवार की राजनीति ढुलमुलाती नजर आ रही है। तमाम कट्टरता के बाजूद राज को पिछले चुनावों में मिली करारी मात को भी नहीं भूलना चाहिए। भाषा, वेशभूषा या रहन-सहन के आधार पर देश को बांटा जाना उचित नहीं कहा जा सकता।

राशिफल

मेष राशिः आज आपका दिन खास रहने वाला है। आज आपको परिवार के लोगों से सपोर्ट मिलेगा। माता-पिता के साथ किसी तीर्थस्थल पर जाने का योग बन रहा है। जो लोग टूर एंड ट्रेवलिंग का बिजनेस कर रहे हैं, उन्हें आज उम्मीद से अधिक फायदा होगा। आप कोई नया वाहन खरीदने के लिये जीवनसाथी से सलाह ले सकते हैं।

वृष राशिः आज का दिन शानदार रहने वाला है। जो शिक्षक हैं, वो आज छात्रों को कुछ नया सिखायेंगे । घर में किसी दूर के रिश्तेदार के आने की संभावना बन रही है। आज शाम का समय परिवार के साथ बीतेगा। परिवार में खुशी का माहौल बना रहेगा। वहीं जो लोग स्वीट्स का बिजनेस कर रहे हैं, उनको अच्छा मुनाफा होगा।

मिथुन राशिः आज का दिन ठीक-ठाक रहेगा। आपको खुद पर ध्यान रखने की जरूरत है। आज आप अपनी जरूरत की चीजों को संभाल कर रखें , जिससे जरूरत पड़ने पर वो आसानी से मिल जाएं। ऑफिस जाते समय सामान और जरूरी पेपर को लेना न भूलें। आज आप भावनाओं को कंट्रोल में रखें , वरना आपके काम बिगड़ सकते हैं। आज बॉस आपके द्वारा किए गए काम की लिस्ट को चेक कर सकते हैं।

कर्क राशिः आज का दिन कुछ मिला- जुला रहने वाला है। आपका पूरा दिन भाग- दौड़ में बीतेगा। अगर आप किसी जरूरी काम के लिए जा रहें हैं तो पहले पेपरवर्क पूरा कर लें , जिससे बाद में कोई दिक्कत न आये 7 आज कोई नया काम शुरू करने की सोच रहे हैं तो बेहतर होगा कि बड़ों की सलाह लेकर ही शुरुआत करें, इससे काम सही और समय से पूरा होगा।

सिंह राशिः आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज अपना कॉन्फिडेंस कम न होने दें, मन लगाकर काम करें। उचित मेहनत से आपके काम में आई रुकावट से भी पार पा लेंगे। जो लोग कहीं बाहर घूमने जा रहे हैं, उनका प्लान किसी कारणवश कैंसिल हो सकता है। कारोबार में पैसों का मामला कहीं उलझ सकता है इसलिए आज हर मामले पर आपको बारीकी से ध्यान देना होगा।

कन्या राशिः आज का दिन बहुत ही बढ़िया रहने वाला है। बिजनेस में आप नया निवेश करने का विचार बना सकते हैं। आप अपनी रुटीन लाइफ में थोड़ा बदलाव कर सकते हैं। जहां जरूरत लगे, वहां समझौता करने के लिए तैयार रहेंगे, इससे आपको काफी फायदा भी होगा।

तुला राशिः आज का दिन ठीक रहने वाला है। काम को लेकर किसी तरह का डर मन में न रखें। आज ऑफिस में आपके कार्यों को लेकर सतर्क रहें। कुछ लोग आपके विरुद्ध प्लानिंग कर सकते हैं, आपको ऐसे लोगों से थोड़ा संभलकर रहना चाहिए। शारीरिक रूप से आपको थोड़ी थकावट महसूस होगी, आपके काम की गति कुछ धीमी हो सकती है।

वृश्चिक राशिः आज का दिन उत्साह से भरा रहेगा। परिवार के किसी खास व्यक्ति के बारे में आपको कुछ रोचक बात पता चल सकती है। आज आप ज्यादातर काम आसानी से निपटाने में सफल रहेंगे। आपका आत्मविश्वास भी बढ़ा हुआ रहेगा। आज अपने पुराने कामों का फॉलोअप ले सकते हैं। अपनी प्रेजेंटेशन और प्लान किसी के सामने रखने से पहले एक बार चेक जरूर कर लें।

धनु राशिः आज का दिन खुशियां लेकर आया है। आज आपकी सोच और प्लानिंग स्पष्ट रहेगी। आपकी कल्पना शक्ति का विस्तार होगा। आज कार्यक्षेत्र में आपको कुछ अलग तरह के अनुभव हो सकते हैं। अधिकारियों से अपनी बात कहने के लिए आज का दिन अच्छा है। परिवारिक मामलों में कोई बड़ा फैसला ले सकते हैं।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतर रहेगा। इस राशि के जो लोग लेखन के क्षेत्र में आगे जाना चाहते हैं उनके लिए आज अपनी प्रतिभा को निखारने का दिन है। आज किसी से बेवजह की बातें न करें, जितना हो सके इन सबसे से दूर रहें। अगर आप खुद की कोई फर्म खोलना चाहते हैं, तो आपको अपने बड़े भाई से सहयोग मिल सकता है।

कुंभ राशिः आज खुशियां खुद चलकर आपके सामने आयेंगी। आपकी इनकम बढ़ने के योग बन रहे हैं। आपको किसी नये बिजनेस में साझेदारी का प्रस्ताव मिल सकता है। इसका आपको आने वाले दिनों में काफी फायदा होगा। अगर आप कुछ दिनों से किसी बात को लेकर परेशान चल रहे थे, तो मित्रों के साथ साझा करने से आपको राहत मिलेगी। भी होगा।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहेगा। आज बिजनेस में नए एग्रीमेंट होने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में आप जो काम करेंगे, उसमें आपको सफलता मिलेगी । कई दिनों से घर में चल रही समस्या आज सुलझ जाएगी। आप किसी पार्ट टाइम वर्क की शुरूआत कर सकते हैं, धैर्य और संयम बनाकर रखें।

भगवंत मान के गैर-ज़िम्मेदाराना बयान से मोदी के कूटनीतिक प्रयासों पर फिर सकता है पानी

//नीरज कुमार दुबे //

इस बयान पर भारतीय विदेश मंत्रालय ने आपत्ति जताई है और अपने बयान में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विदेश यात्राओं की आलोचना वाली टिप्पणी की निंदा करते हुए इसे गैरजिम्मेदाराना करार दिया है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राओं पर कटाक्ष करते हुए एक बेहद गैर-जिम्मेदाराना टिप्पणी की है जिसको लेकर विवाद गहरा गया है। देखा जाये तो राजनीति में एक दूसरे की आलोचना करना या विचारों से असहमति जताना स्वाभाविक है, लेकिन जब यह टिप्पणी देश की विदेश नीति या प्रधानमंत्री की अंतरराष्ट्रीय कूटनीति से जुड़ी हो, तब यह सिर्फ आंतरिक राजनीति तक सीमित नहीं रहती, बल्कि इसके राजनयिक प्रभाव भी हो सकते हैं। उल्लेखनीय है कि भगवंत मान ने एक मीडिया ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि वह 140 करोड़ लोगों वाले देश में नहीं रहते, बल्कि 10,000 की आबादी वाले देशों का दौरा करते हैं।

इस बयान पर भारतीय विदेश मंत्रालय ने आपत्ति जताई है और अपने बयान में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विदेश यात्राओं की आलोचना वाली टिप्पणी की निंदा करते हुए इसे गैरजिम्मेदाराना करार दिया है। भगवंत मान का नाम लिए बिना मंत्रालय ने कहा कि भारत सरकार ''राज्य के एक उच्च पदाधिकारी'' द्वारा की गई उन अनुचित टिप्पणियों से खुद को अलग करती है, जिसमें मित्र देशों के साथ भारत के संबंधों की अनदेखी की गई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, हमने ग्लोबल साउथ के मित्र देशों के साथ भारत के संबंधों के बारे में राज्य के एक उच्च पदाधिकारी द्वारा की गई कुछ टिप्पणियां देखी हैं। उन्होंने भगवंत मान की टिप्पणी पर मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा, ये टिप्पणियां गैरजिम्मेदाराना और खेदजनक हैं तथा राज्य के किसी पदाधिकारी को शोभा नहीं देतीं।÷ जायसवाल ने कहा, भारत सरकार मित्र देशों के साथ भारत के संबंधों को कमजोर करने वाली ऐसी अनुचित टिप्पणियों से खुद को अलग करती है। देखा जाये तो भगवंत मान को समझना चाहिए कि प्रधानमंत्री की विदेश यात्राएं केवल द्विपक्षीय या बहुपक्षीय बैठकें नहीं होतीं, बल्कि वे भारत की वैश्विक स्थिति, रणनीतिक भागीदारी, निवेश संभावनाओं और सांस्कृतिक सॉफ्ट पावर को मजबूत करने का माध्यम भी होती हैं। प्रधानमंत्री के विदेशी दौरों के दौरान दिये गये बयान और घोषणाएं भारत की विदेश नीति का चेहरा बनती हैं। ऐसे में जब देश का एक मुख्यमंत्री सार्वजनिक रूप से इन यात्राओं की खिल्ली उड़ाता है, तो विदेशी सरकारें और कूटनीतिक संस्थान भारत की आंतरिक एकता, राजनीतिक परिपक्वता और स्थायित्व पर सवाल उठा सकते हैं। भगवंत मान को समझना चाहिए कि विदेशी राष्ट्र भारत के भीतर के राजनीतिक मतभेदों को सावधानी से परखते हैं। भगवंत मान जैसे नेताओं की टिप्पणियां यह संकेत दे सकती हैं कि भारत की विदेश नीति पर विपक्षी दलों में विश्वास की कमी है। इससे भारत की राजनयिक विश्वसनीयता प्रभावित हो सकती है, विशेष रूप से तब, जब भारत ग्लोबल साउथ का नेतृत्व करने और त20 जैसे मंचों पर मुखर भूमिका निभा रहा हो। भगवंत मान को समझना चाहिए कि एक लोकतांत्रिक देश में आलोचना और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जरूरी है। लेकिन यह भी उतना ही जरूरी है कि नेता राष्ट्रीय मंचों और अंतरराष्ट्रीय मामलों पर सार्वजनिक बयान देते समय राष्ट्रीय हितों की मर्यादा का ध्यान रखें। प्रधानमंत्री विदेश में न केवल सरकार का प्रतिनिधित्व करते हैं, बल्कि पूरे भारत का भी। ऐसे में उनके प्रयासों का उपहास उड़ाना अंततः देश के सामूहिक सम्मान को नुकसान पहुंचा सकता है। विदेशी मीडिया भारतीय नेताओं की ऐसी टिप्पणियों को उद्धृत करता है और कई बार उन्हें संदर्भ से बाहर पेश कर भारत को नुकसान पहुँचाया जाता है। भगवंत मान की टिप्पणी भी इसी श्रेणी में आ सकती है, जिससे भारत की विदेश नीति को लेकर भ्रम फैल सकता है। यह बात निवेशकों, रणनीतिक भागीदारों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों की भारत के प्रति धारणा को भी प्रभावित कर सकती है। भगवंत मान को समझना चाहिए कि भारत जैसी उभरती वैश्विक शक्ति के लिए यह आवश्यक है कि उसके आंतरिक राजनीतिक मतभेद अंतरराष्ट्रीय छवि को प्रभावित नहीं करें। विदेश यात्रा जैसे संवेदनशील विषयों पर राजनीतिक बयानबाज़ी भारत की एकजुटता पर सवाल खड़े कर सकती है। इससे यह संदेश जा सकता है कि भारत का राजनीतिक नेतृत्व राष्ट्रीय हितों पर राजनीतिक लाभ को प्राथमिकता देता है, जो किसी भी देश की छवि के लिए सकारात्मक संकेत नहीं होता।

हम आपको यह भी बता दें कि भगवंत मान ने पहली बार हल्के स्तर का बयान नहीं दिया है। इससे पहले भी वह विवादित बयान दे चुके हैं जिससे भारतीय कूटनीति के लिए असहज स्थिति बनी है। इंटरनेट पर खोजने पर ऐसी मीडिया रिपोर्टें मिलती हैं कि भगवंत मान ने अपने विदेश दौरों पर (विशेषकर जर्मनी और यूके) अप्रत्यक्ष रूप से भारत में लोकतंत्र के हालात पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कथित रूप से कहा था कि ÷हम पंजाब में लोकतंत्र को जिंदा रखे हुए हैं जबकि अन्य राज्य दबाव में हैं।÷ इससे विदेशी राजनयिक समुदाय में यह संदेश गया था कि भारत के भीतर लोकतांत्रिक स्थिति पर निर्वाचित नेता भी असहमति जताते हैं। देखा जाये तो यह भारत के विरुद्ध प्रचार को बल देता है। बहरहाल, मुख्यमंत्री भगवंत मान की प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्राओं पर की गई टिप्पणी एक सीमित राजनीतिक फायदे की मंशा से की गई हो सकती है, लेकिन इसके प्रभाव व्यापक और बहुआयामी हो सकते हैं। लोकतंत्र में आलोचना आवश्यक है, लेकिन ऐसा राष्ट्रीय हितों के साथ संतुलन बनाकर किया जाना चाहिए। कूटनीति केवल विदेश मंत्रालय की ही नहीं बल्कि सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों की भी जिम्मेदारी होती है इसलिए सभी को देश की वैश्विक प्रतिष्ठा के संरक्षण में अपनी भूमिका समझनी चाहिए और उसी के अनुरूप आचरण करना चाहिए। व्यक्तिगत बयानबाज़ी का खामियाजा पूरे देश को भुगतना पड़ सकता है यह बात भगवंत मान जैसे नेताओं को समझनी चाहिए।

17 देशों की संसदों में संबोधन, 27 देशों से सर्वोच्च सम्मान, विश्व मंच पर मोदी का जादू बरकरार

//नीरज कुमार दुबे //

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंतरराष्ट्रीय कूटनीति और वैश्विक नेतृत्व के क्षेत्र में भारत को एक नई ऊँचाई पर पहुंचा दिया है। जहां एक ओर उन्होंने अब तक 17 देशों की संसदों को संबोधित कर भारत की आवाज़ को विश्वमंच पर मुखर किया है, वहीं दूसरी ओर 27 देशों से प्राप्त सर्वोच्च नागरिक सम्मानों ने उन्हें दुनिया के सबसे सम्मानित और प्रभावशाली नेताओं में स्थान दिला दिया है। यह उपलब्धियाँ केवल व्यक्तिगत सम्मान नहीं, बल्कि भारत की वैश्विक स्थिति की उन्नति का प्रतिबिंब हैं।

प्रधानमंत्री मोदी का संसदों में संबोधन केवल भाषण नहीं, बल्कि रणनीतिक कूटनीति का हिस्सा है। उन्होंने विकसित और विकासशील देशों, दोनों के विधायी मंचों पर भारत की लोकतांत्रिक विरासत, आर्थिक दृष्टि और वैश्विक सहयोग की भावना को साझा किया। मोदी की ओर से अन्य देशों की संसदों में दिये गये संबोधन को याद करें तो उन्होंने 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद ऑस्ट्रेलिया, फिजी, भूटान, नेपाल की संसदों को संबोधित किया। साल 2015 में प्रधानमंत्री ने ब्रिटेन, श्रीलंका, मंगोलिया, अफगानिस्तान और मॉरीशस की संसद को संबोधित किया। साल 2016 में उन्होंने अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित किया। 2018 में प्रधानमंत्री ने युगांडा और 2019 में मालदीव की संसद में अपना संबोधन दिया। 2023 में प्रधानमंत्री मोदी ने दूसरी बार अमेरिकी कांग्रेस में अपना संबोधन दिया और इसके साथ ही वह उन कुछ चुनिंदा वैश्विक हस्तियों में शुमार हो गये जिन्हें दो बार अमेरिकी कांग्रेस को संबोधित करने का गौरव हासिल हुआ है। इसके बाद प्रधानमंत्री ने 2024 में गुयाना और 2025 में घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो तथा नामीबिया की संसद को संबोधित किया। खास बात यह है कि 2025 में तीन देशों की संसदों में प्रधानमंत्री का संबोधन एक सप्ताह के भीतर हुआ है जोकि अपने आप में एक और कीर्तिमान है। इन सभी संबोधनों में भारत ने ग्लोबल साउथ, संयुक्त राष्ट्र सुधार, आतंकवाद विरोध, जलवायु न्याय और डिजिटल समावेशन जैसे मुद्दों पर स्पष्ट दृष्टिकोण प्रस्तुत किया।

साथ ही प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति पारंपरिक 'गुटनिरपेक्षता' से आगे जाकर बहुध्रुवीय मित्रता पर आधारित है। उन्होंने पश्चिमी शक्तियों से रिश्ते गहरे किए, लेकिन साथ ही अफ्रीका, मध्य एशिया, खाड़ी देशों और दक्षिण अमेरिका में नए रणनीतिक संबंध भी बनाए। मोदी की यह अंतरराष्ट्रीय स्वीकृति केवल एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि भारत की उभरती शक्ति, विचारधारा और नेतृत्व क्षमता की स्वीकार्यता है। उनका हर संसद में दिया गया संबोधन, हर प्राप्त सम्मान, भारत की लोकतांत्रिक आत्मा, विकासशील दृष्टिकोण और नैतिक शक्ति का प्रतीक है। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 17 देशों की संसदों को संबोधित करना और 27 देशों से सर्वोच्च सम्मान प्राप्त करना, भारतीय विदेश नीति के इतिहास में एक अभूतपूर्व अध्याय है। यह दर्शाता है कि आज का भारत केवल सुनने वाला नहीं, बल्कि दुनिया को दिशा देने वाला देश बन चुका है। यह उपलब्धि भारतवासियों के आत्मविश्वास, आकांक्षाओं और अंतरराष्ट्रीय भूमिका को सशक्त करती है।इसके अलावा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विश्व दौरों की चर्चा प्रायः उनकी रणनीतिक कूटनीति, वैश्विक नेतृत्व और द्विपक्षीय समझौतों के संदर्भ में होती है, किंतु इन यात्राओं में एक और विशेष पक्ष होता है जो चुपचाप भारत की आत्मा को विश्व के सामने प्रस्तुत करता है– वह है उनके द्वारा चयनित सांस्कृतिक उपहार। हम आपको बता दें कि हर दौरे में प्रधानमंत्री मोदी जिन विशिष्ट हस्तशिल्पों, कलाकृतियों और प्रतीकों को उपहार स्वरूप ले जाते हैं, वे केवल शिष्टाचार नहीं, बल्कि भारत की समृद्ध परंपरा, बहुरंगी संस्कृति और आत्मनिर्भर कलात्मकता का परिचायक होते हैं। यह सांस्कृतिक कूटनीति भारत की सॉफ्ट पावर को सशक्त करने में निर्णायक भूमिका निभा रही है।

हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी जिन वस्तुओं को विदेशी राष्ट्राध्यक्षों को भेंट करते हैं, वे भारत के अलग-अलग राज्यों, जनजातियों, परंपराओं और शिल्प कलाओं का प्रतिनिधित्व करती हैं। प्रधानमंत्री मोदी के उपहार केवल भारत की कलाओं का प्रदर्शन नहीं, बल्कि संवाद का माध्यम भी हैं। प्रधानमंत्री के उपहार दर्शाते हैं कि भारत केवल तकनीक और व्यापार का केंद्र नहीं, बल्कि हजारों वर्षों पुरानी सभ्यता का जीवंत प्रतिनिधि है। इन उपहारों के चर्चित होने से संबंधित हस्तशिल्प की मांग और मूल्य दोनों बढ़ते हैं। इसके अलावा, मेक इन इंडिया और वोकल फॉर लोकल की नीतियों को सांस्कृतिक स्तर पर मजबूती मिलती है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब भी किसी देश की यात्रा पर जाते हैं, तो उनकी पहली प्राथमिकता होती है– वहाँ बसे भारतीय समुदाय से संवाद। यह मुलाकातें केवल भावनात्मक संबंधों का प्रदर्शन नहीं बल्कि नागरिक जुड़ाव का शक्तिशाली प्रतीक बन चुकी हैं। प्रवासी भारतीयों द्वारा अपने सांस्कृतिक प्रदर्शन, लोककला, संगीत और पारंपरिक वेशभूषा के माध्यम से जो दृश्य निर्मित होता है, वह विश्व के सामने भारत की एकता में विविधता और सजीव परंपरा का संदेश देता है।

प्रधानमंत्री मोदी जब इन समुदायों से मिलते हैं, तो वह यह स्पष्ट करते हैं कि वे भारत के गौरव के वाहक हैं, वे भारत और दुनिया के बीच सांस्कृतिक पुल हैं और वे भारत की सॉफ्ट पावर के सशक्त स्त्रोत हैं। प्रधानमंत्री मोदी की प्रत्येक विदेश यात्रा में भारतीय समुदाय द्वारा प्रस्तुत नृत्य, संगीत, भजन, पारंपरिक वेशभूषा में स्वागत, भाषणों में भारत माता की जय घोष, आदि केवल रस्म अदायगी नहीं होती, बल्कि ये दिखाते हैं कि भारत कहीं भी जाए, अपनी संस्कृति को जीवंत रखता है,

भारत की परंपरा आधुनिकता के साथ सह-अस्तित्व में है और भारत की 'संवेदनशीलता' और 'संपर्क' की नीति भावनात्मक संबंधों पर आधारित है। प्रधानमंत्री मोदी का भारतीय समुदाय से संवाद और प्रवासी भारतीयों का उनके समक्ष अपनी संस्कृति का प्रदर्शन, एक सशक्त और गहरा वैश्विक संदेश देता है कि भारत केवल एक भौगोलिक क्षेत्र नहीं, बल्कि एक संस्कार, विचार और परंपरा है, जो सीमाओं से परे जाकर भी जीवित रहती है। यह एक भारत, वैश्विक भारत की संकल्पना को मजबूत करता है और दुनिया को बताता है कि भारत एक ऐसे राष्ट्र के रूप में उभर रहा है जिसकी मूल्य आधारित कूटनीति, संस्कृति आधारित संवाद और नागरिक भागीदारी आधारित पहचान है।बहरहाल, इसमें कोई दो राय नहीं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय विदेश नीति को पारंपरिक निष्क्रियता से निकाल कर सक्रिय, निर्णायक और बहुआयामी कूटनीति का रूप दिया है। उनकी रणनीति केवल राजनयिक संवादों तक सीमित नहीं रही।

तस्वीरों की दुनिया

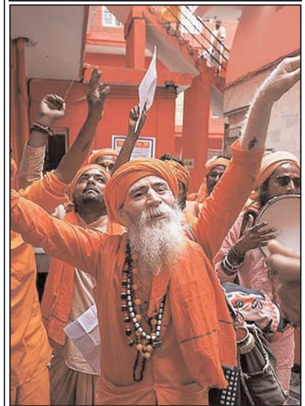

जम्मू में राम मंदिर आधार शिविर में वार्षिक 'अमरनाथ यात्रा' के लिए पंजीकरण केंद्र पर कतार में प्रतीक्षा करते तीर्थयात्री।

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आंशिक रूप से जलमग्न दारागंज घाट पर उफनती गंगा नदी में श्रद्धालु पवित्र स्नान करते हुए।

नई दिल्ली स्थित त्रिवेणी कला संगम की एक गैलरी में आयोजित कला प्रदर्शनी के दौरान प्रदर्शित चित्र। यह प्रदर्शनी भारत के ऑपरेशन सिंदूर को समर्पित है।

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम ज़िले के खुदवानी में कई वाहनों की टक्कर के बाद क्षतिग्रस्त बस के पास खड़े सुरक्षाकर्मी। वार्षिक अमरनाथ यात्रा पर जा रहे कई तीर्थयात्री घायल हो गए।

नई दिल्ली में एक बरसाती सुबह जामा मस्जिद में उपस्थित लोग।

भगवान शिव के भक्त कांवड़िये, पवित्र श्रावण माह में वार्षिक कांवड़ यात्रा के दौरान नई दिल्ली में सड़क पर चलते हुए।

बलूचिस्तान कभी भी पाकिस्तान का हिस्सा नहीं होगा

कैसे BLF ने PAK सेना और ISI की उड़ाई नींद?

नईदिल्ली, 14 जुलाई [एजेंसी]।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत की आजादी की मांग तेज होती जा रही है। कुछ दिनों पहले बलूच नेशनल मूवमेंट ऑपरेशन बाम (सुबह) शुरू करने का ऐलान किया है। इस ऑपरेशन के तहत बलूच नेशनल मूवमेंट के लड़ाकों ने पाकिस्तान के पंजगुर, सुरब, केच और खारन सहित कई जिलों में करीब 17 हमले को अंजाम दिए। इसी बीच बलूच नेशनल मूवमेंट के सूचना सचिव काजी दाद मोहम्मद रेहान ने रविवार को कहा कि बलूचिस्तान कभी भी पाकिस्तान का हिस्सा नहीं होगा। रेहान ने यह बयान समाचार एजेंसी के साथ एक विशेष साक्षात्कार के दौरान दिया। बलूच लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) ने इसे अपने सशस्त्र प्रतिरोध में एक रणनीतिक बदलाव बताया है, जिसका उद्देश्य क्षेत्र में पाकिस्तान की सैन्य उपस्थिति को खत्म करना है। समाचार एजेंसी को रेहान के हवाले से कहा गया, ऑपरेशन बाम, जिसका अर्थ है सुबह, हमारे संघर्ष में एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतीक है। यह दर्शाता है कि बलूच लोग अपने भाग्य की बागडोर अपने हाथ में लेने और संगठित, प्रभावी कार्रवाई के जरिए पाकिस्तानी उत्पीड़न का विरोध करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि यह अभियान लड़ाई और राजनीति, दोनों के लिए महत्वपूर्ण था और इसने दिखाया कि बलूच लोग खुद शासन करने के लिए तैयार हैं। रेहान ने यह भी कहा, यह साबित करता है कि अगर बलूचिस्तान को आजादी दी जाए तो उसमें खुद शासन करने की ताकत और एकता है। यह पाकिस्तान और उसके सहयोगियों द्वारा फैलाई जा रही उस धारणा को चुनौती देता है कि अगर बलूचिस्तान आजाद हुआ तो वहां अराजकता फैल जाएगी। रेहान ने आगे कहा कि हम पाकिस्तानी संसद का बहिष्कार करने वाली पहली पार्टी हैं।

हमने स्पष्ट कर दिया है कि हम पाकिस्तानी शासन के अधीन नहीं रहना चाहते। हमारी लड़ाई पूर्ण स्वतंत्रता के लिए है, न कि पाकिस्तान के भीतर सीमित स्वायत्तता या सांकेतिक अधिकारों के लिए। रेहान ने चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) की भी आलोचना की और कहा कि वे बलूच संसाधनों का दोहन करते हैं और बदले में कुछ नहीं देते। उन्होंने कहा, हमारी ज़मीन पर अरबों डॉलर खर्च किए गए हैं, लेकिन बलूच लोग गरीब, उत्पीड़ित और अपने संसाधनों से वंचित हैं। उन्होंने आगे कहा, बलूचिस्तान बलूचों का है, पंजाब या पाकिस्तान के किसी और हिस्से का नहीं।इसके अलावा, रेहान ने वैश्विक समुदाय से अपील की, दुनिया को यह समझना होगा कि बलूचिस्तान का संघर्ष न्यायसंगत और अपरिहार्य है। ऑपरेशन बाम आजादी के लिए हमारे नए प्रयास की शुरुआत मात्र है।

7 जुलाई से लापता त्रिपुरा की छात्रा स्नेहा देबनाथ की लाश यमुना में मिली, पोस्टमार्टम में खुलेंगे राज!

दक्षिणी दिल्ली। महरौली थाना क्षेत्र स्थित पर्यावरण कॉम्प्लेक्स से सात जुलाई को लापता हुई 24 वर्षीय युवती स्नेहा देबनाथ की लाश बरामद हुई है। त्रिपुरा से दिल्ली आई डीयू की छात्रा की तलाश में जुटी एनडीआरएफ और पुलिस की टीम को रविवार शाम को तब सफलता मिली, जब यमुना नदी में एक महिला की लाश मिली। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान के अनुसार युवती की आखिरी लोकेशन पुलिस को सिग्नेचर ब्रिज वजीराबाद पर मिली थी। ऐसे में आशंका जताई जा रही थी कि युवती सिग्नेचर ब्रिज से यमुना नदी में कूद कर आत्महत्या कर ली होगी। हालांकि इस पूरे मामले की पुलिस जांच कर रही है। स्नेहा आत्मा राम सनातन धर्म कालेज से बीसएसी-मैथ द्वितीय वर्ष का छात्रा थी। स्नेहा के परिजनों का कहना है कि उसने आखिरी बार अपनी मां से सुबह फोन पर बात की थी। इस दौरान स्नेहा ने मां को बताया कि वो अपनी दोस्त पितुनिया के साथ सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशन जा रही है। अगले दिन सुबह 8.45 बजे से उसका फोन बंद आने लगा। पितुनिया से बात करने पर पता चला कि उस दिन वो स्नेहा से मिली ही नहीं थी। मामले में त्रिपुरा सरकार भी एक्टिव हो गई थी।

लंदन में टेकऑफ के बाद क्रैश हुआ प्लेन, विमान में लगी भीषण आग

लंदन 14 जुलाई। ब्रिटेन की राजधानी लंदन से 45 मील दूर लंदन साउथएंड हवाई अड्डे पर एक विमान दुर्घटना का शिकार हो गया। रविवार शाम करीब 4 बजे (स्थानीय समयानुसार) लंदन के साउथएंड एयरपोर्ट पर एक बिजनेस जेट टेकऑफ के कुछ समय बाद ही क्रैश हो गया। सोशल मीडिया पर इस घटना की कुछ तस्वीरें और वीडियो वायरल हुई है। दुर्घटनास्थल से आग और काले धुएं का गुबार उठता दिखाई दे रहा है। बताया जा रहा है कि विमान 12 मीटर (39 फीट) लंबा था। दुर्घटनाग्रस्त विमान Beech B200 सुपर किंग एयर था। विमान नीदरलैंड्स के लेलिस्टैड के लिए रवाना हुआ था। अभी तक इस बात की आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है कि विमान में कितने लोग सवार थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त हुए विमान के पायलटों ने टक्कर से कुछ देर पहले बच्चों की ओर हाथ हिलाया था। जॉन जॉनसन, जो अपने बच्चों और पत्नी के साथ हवाई अड्डे पर थे, उन्होंने कहा कि विमान के सिर के बल जमीन पर गिरने के बाद उन्होंने एक बड़ा आग का गोला देखा।

मसीहा बनकर शिवराज सिंह चौहान ने बचाई युवक की जान, सड़क पर घायल शख्स को पहुंचाया अस्पताल

भोपाल 14 जुलाई। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को भोपाल में सड़क हादसे में घायल युवक को अस्पताल भिजवाने के लिए अपना काफिला रुकवा दिया। उनका काफिल जब चेतक ब्रिज से गुजर रहा था तभी उन्होंने देखा कि सड़क किनारे एक युवक घायल अवस्था में है। युवक को देखते ही कृषि मंत्री उनके पास पहुंच गए। वक के सिर और हाथ-पांव में चोट लगी थी। उन्होंने तुरंत काफिले की गाड़ी से युवक को अस्पताल पहुंचाया। उन्होंने तुरंत जेपी अस्पताल के अधीक्षक डॉ. राकेश श्रीवास्तव को खुद फोन कर इमरजेंसी में तुरंत युवक का इलाज करने को भी कहा। केंद्रीय मंत्री ने घायल के साथ स्टाफ को भी भिजवाया ताकि युवक का समय पर उपर्युक्त उपचार मिल सके। कृषि मंत्री की उदारता लोगों के बीच एक चर्चा का विषय बन गई।घायल के रवाना होने के बाद मौजूद लोगों ने शिवराज सिंह चौहान को धन्यवाद दिया तो उन्होंने कहा कि इसमें धन्यवाद की कोई बात नहीं है।

एक के पीछे चलेगी दूसरी ट्रेन, धनबाद-गया के बीच 67 किमी रेलखंड पर ऑटोमेटिक सिग्नल का काम पूरा

धनबाद, 14 जुलाई [एजेंसी]।

हावड़ा-नई दिल्ली रेल मार्ग पर एक ट्रैक पर एक के पीछे दूसरी ट्रेन चलाई जा सकेगी। साथ ही लेटलतीफी और दुर्घटना की आशंका भी कम होगी। सुरक्षित रेल परिचालन के लिए रेलवे ने ऑटोमेटिक सिग्नल प्रणाली अपनाना शुरू कर दिया है। प्रधानखंता से मानपुर तक धनबाद रेल मंडल के 200 किमी तक रेल मार्ग पर मानपुर से शर्माटांड़ तक 67 किमी रेल मार्ग को ऑटोमेटिक सिग्नल से लैस कर दिया गया है। इनमें मानपुर से शर्माटांड़ व शर्माटांड़ से चिचाकी तक का हिस्सा शामिल है। 200 किमी तक के पूरे रेल मार्ग पर जुलाई 2026 तक ऑटोमेटिक सिग्नलिंग पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। हावड़ा-नई दिल्ली रेल मार्ग पर 160 की रफ्तार से सेमी हाई स्पीड ट्रेन का ट्रायल अप्रैल में हो चुका है। पंडित दीन दयाल उपाध्याय से धनबाद तक रेल महाप्रबंधक स्पीड ट्रायल कर चुके हैं। मौजूदा 130 किमी की अधिकतम गति से चल रही यात्री ट्रेनों को 160 किमी प्रति घंटे की गति से चलाने से पहले ऑटोमेटिक सिग्नलिंग प्रणाली अपनायी जा रही है। रेलवे के नियम के अनुसार, दो स्टेशन के बीच की दूरी औसत 10 किमी होती है। एक स्टेशन से चलने वाली ट्रेन जब तक दूसरे स्टेशन पर नहीं पहुंच जाती, तब तक दूसरी ट्रेन नहीं चलाई जाती है। एक स्टेशन से अगले स्टेशन तक पहुंचने में 10-12 मिनट का समय लग जाता है। यानी 10-12 मिनट तक एक ट्रैक पर दूसरी दूरी नहीं चल पाती है। पीछे की ट्रेन को रोक कर रखना पड़ता है।

ऑटोमेटिक सिग्नल से इस तकनीकी बाधा को दूर किया जा सकेगा। ऑटोमेटिक सिग्नल से एक के पीछे दूसरी ट्रेन चलाई जा सकेगी। स्टेशन के खुलने के बाद ट्रेन के अगले स्टेशन पर पहुंचने का इंतजार नहीं करना होगा। रेल अधिकारी का कहना है कि ऑटोमेटिक सिग्नलिंग प्रणाली से बगैर किसी अतिरिक्त स्टेशन के निर्माण और रखरखाव के अधिक से अधिक ट्रेन चलाने के लिए प्रमुख जंक्शन स्टेशन के ट्रैफिक को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। ऑटोमेटिक सग्नलिंग प्रणाली कंप्यूटराइज्ड है। इसकी विशेषता यह है कि आगे चल रही ट्रेन में कोई तकनीकी खराबी आ गई तो पीछे चल रही दूसरी ट्रेन के चालक को सूचना मिल जाएगी। इससे जो ट्रेन जहां है, वहीं उसके पहिए थम जाएंगे। यानी ट्रेनों की टक्कर की संभावना भी लगभग समाप्त हो जाएगी। इस प्रणाली के तहत स्टेशन यार्ड से लगभग डेढ़ किमी पर एडवांस स्टार्टर सिग्नल लगाया जाएगा।

मोहम्मद यूनुस का मैंगो डिप्लोमेसी पीएम मोदी को भिजवाए ये खास आम

नईदिल्ली, 14 जुलाई [एजेंसी]।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के रिश्ते भारत के साथ अभी तक ज्यादा मधुर नहीं रहे हैं। शेख हसीना सरकार के पतन के बाद मुहम्मद यूनुस की लीडरशिप में चल रही वहां की अंतरिम सरकार का रवैय्या भारत को पसंद नहीं आ रहा। बांग्लादेश ने खुलकर पाकिस्तान और चीन का समर्थन किया है।हालांकि, मुहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार की कोशिश है कि वो भारत के साथ भी दोस्ताना संबंध बनाकर रखे। इसी कड़ी में मुहम्मद यूनुस की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आम गिफ्ट के तौर पर भेजी गई है। हरिभंगा की 1,000 किलोग्राम की खेप सोमवार को नई दिल्ली पहुंचेगी। यह आम कुछ दिनों में भारतीय प्रधानमंत्री कार्यालय के गणमान्य व्यक्तियों, राजनयिकों और बाकी अधिकारियों के साथ भी साझा किए जाएंगे। यूनुस ने गुरुवार को भारत के त्रिपुरा राज्य के मुख्यमंत्री और बाकी गणमान्य व्यक्तियों को उपहार के रूप में 300 किलोग्राम लोकप्रिय हरिभंगा आम भेजे। यह आम गुरुवार शाम करीब 5.15 बजे अखौरा लैंड पोर्ट के जरिये से 60 डिब्बों में पैक करके भेजे गए।बता दें कि हर साल ही बांग्लादेश की ओर से भारत को आम भेजे जाते हैं। आम भेजने की प्रथा पिछली सरकारों के समय से चली आ रही है, लेकिन इस बार बांग्लादेश की ओर से गिफ्ट आना बेहद खास है।

नशेड़ी चूहों से पुलिस परेशान! जज साहब- ये तो भांग गटकते और गांजा भी फूंकते हैं

धनबाद। धनबाद में चूहों की नशेड़ी हरकतें चर्चा का विषय बन गई हैं। हाल ही में शराब दुकानों के स्टाक में 802 बोतलें कम मिलने पर पुलिस ने तर्क दिया कि चूहों ने ढक्कन कुतरकर शराब पी ली।अब यह सामने आया है कि ये चूहे केवल शराब तक सीमित नहीं हैं, बल्कि गांजा और भांग के सेवन में भी संलिप्त हैं। पिछले वर्ष राजगंज थाने के मालखाने से 9 किलो गांजा और 10 किलो भांग गायब होने पर धनबाद पुलिस ने न्यायालय में गवाही दी कि यह चूहों की करतूत है। मामला फिलहाल न्यायालय में विचाराधीन हैदरअसल, दिसंबर 2018 में राजगंज थाने की पुलिस ने शंभू प्रसाद अग्रवाल और उनके बेटे को 10 किलो भांग और नौ किलो गांजे के साथ गिरफ्तार किया था। इसके बाद मामला न्यायालय में गया, जहां सुनवाई जारी रही।पुलिस ने जब्त की गई सामग्री को थाने के मालखाने में रखा। पिछले साल न्यायालय ने आदेश दिया कि जब्त सामग्री को पेश किया जाए। जब अनुसंधानकर्ता जयप्रकाश प्रसाद ने अदालत में हाजिर होकर बताया कि मालखाने में गांजा और भांग नहीं है, तो यह चौंकाने वाला था।लोक अभियोजक अवधेश कुमार ने कोर्ट में आवेदन देकर कहा कि चूहों ने जब्त सामग्री को नष्ट कर दिया है। इस मामले में राजगंज थाने में सनहा भी दर्ज किया गया है।

माफी के लायक नहीं, ट्रंप पर हुई गोलीबारी के एक साल बाद अमेरिकी सीनेट ने यूएस सीक्रेट पर क्यों जताई नाराजगी ...?

नई दिल्ली। पिछले साल अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से पहले डोनाल्ड ट्रंप पर 20 साल के थॉमस मैथ्यू क्रुक्स नामक व्यक्ति ने गोली चलाई थी। इस गोलीबारी में ट्रंप जख्मी भी हो गए थे। गोली ट्रंप के दाहिने कान को छेद कर निकल गई। कुछ देर बाद स्नाइपर ने ट्रंप के हमलावर को गोली मार दी। हालांकि, हमलावर ने ट्रंप पर गोली क्यों चलाई यह एक रहस्य बना हुआ है। इसी बीच इस मामले पर रविवार को अमेरिकी सीनेट की होमलैंड सुरक्षा एवं सरकारी मामलों की समिति ने एक रिपोर्ट जारी किया। इस रिपोर्ट में बताया गया कि जो घटना घटी वो काफी निंदनीय है। समिति ने यह भी बताया कि यह घटना सीक्रेट सर्विस की विफलता को दर्शाती है। हालांकि, इस रिपोर्ट में भी इस बात की जानकारी नहीं दी गई कि आखिर हमलावर ने ट्रंप पर गोली क्यों चलाई थी। गोलीबारी की घटना के 10 दिन बाद, एजेंसी की भूमिका की कड़ी जांच के बीच, किबर्ली चीटल ने सीक्रेट सर्विस के निदेशक पद से इस्तीफा दे दिया, तथा छह सीक्रेट सर्विस एजेंटों को 10 से 42 दिनों तक के लिए निलंबित कर दिया गया। समिति ने कहा कि छह से अधिक अधिकारियों को सजा मिलनी चाहिए थी। समिति ने इस तथ्य पर जोर दिया कि किसी को भी नौकरी से नहीं निकाला गया। सीक्रेट सर्विस के वर्तमान निदेशक सीन कुरेन ने कहा कि एजेंसी को रिपोर्ट मिल गई है और वह समिति के साथ सहयोग करना जारी रखेगी। गौरतलब है कि सीक्रेट सर्विस पर वर्तमान और पूर्व राष्ट्रपतियों और उनके परिवारों के साथ-साथ आने वाले विदेशी नेताओं और कुछ अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की सुरक्षा का दायित्व है।

समिति के रिपब्लिकन अध्यक्ष रैंड पॉल ने कहा, अमेरिका की विश्वसनीय खुफिया विभाग, स्थानीय पुलिस अधिकारी और एजेंसियों के साथ समन्वय करने में विफल रही। उन्होंने कहा, इन असफलताओं के बावजूद किसी को भी नौकरी से नहीं निकाला गया है। हालांकि, इस घटना पर सीक्रेट सर्विस खेद जता चुकी है। सर्विस ने माना कि गलतियां हुई है। कुछ दिनों पहले ही इस घटना का जिक्र करते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा था कि इस मामले पर खुफिया विभाग के अधिकारियों से गलतियां हुई थीं, लेकिन वे जांच से संतुष्ट हैं।

दलाई लामा के उत्तराधिकार का मुद्दा भारत के साथ संबंधों में कांटा

जयशंकर के दौरे पहले चीन ने दिया तीखा बयान

नईदिल्ली, 14 जुलाई [एजेंसी]।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर के दौरे से ठीक पहले नई दिल्ली स्थित चीनी दूतावास ने रविवार को कहा कि तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा के उत्तराधिकार का मुद्दा चीन-भारत संबंधों में एक कांटा है। उसने इस मुद्दे को आंतरिक मामला बताते हुए कहा कि तिब्बत मुद्दे के कारण ही द्विपक्षीय संबंधों में तनाव है।हालांकि, धर्म और आस्था से जुड़े मामलों में तटस्थ रहने का भारत का रुख पहले से ही स्पष्ट है। जयशंकर 15 जुलाई को उत्तरी चीन के तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन के अंतर्गत एक क्षेत्रीय सुरक्षा सम्मेलन में भाग लेंगे और इस दौरान वह द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे।वर्ष 2020 में सीमा पर हुए सैन्य संघर्ष के बाद उनकी यह पहली चीन यात्रा है। इस संघर्ष में कम से कम 20 भारतीय और चार चीनी सैनिक मारे गए थे। इसके बाद द्विपक्षीय संबंधों में गिरावट आई थी। बहरहाल, पिछले महीने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी शंघाई सहयोग संगठन की रक्षा मंत्रियों की बैठक से इतर अपने चीनी समकक्ष के साथ बातचीत की थी। चीनी दूतावास के प्रवक्ता यू जिंग ने एक्स पोस्ट में किसी का नाम लिए बगैर कहा, भारत में रणनीतिक और शैक्षणिक समुदायों के कुछ लोगों ने दलाई लामा के पुनर्जन्म पर अनुचित टिप्पणी की है। विदेशी मामलों के पेशेवरों के रूप में उन्हें शिजांग से जुड़े मुद्दों की संवेदनशीलता के बारे में पूरी तरह से अवगत होना चाहिए। यू ने तिब्बत के लिए चीनी नाम शिजांग का इस्तेमाल करते हुए कहा, दलाई लामा का पुनर्जन्म और उत्तराधिकार स्वाभाविक रूप से चीन का आंतरिक मामला है। शिजांग से जुड़ा मुद्दा चीन-भारत संबंधों में एक कांटा बन गया है और भारत के लिए बोझ बन गया है।

शिजांग कार्ड खेलना निश्चित रूप से अपने ही पैर पर कुल्हाड़ी मारने जैसा होगा। गौरतलब है कि अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजीजू ने दलाई लामा के 90वें जन्मदिन समारोह के दौरान कहा था कि एक बौद्ध अनुयायी होने के नाते उनका मानना है कि केवल आध्यात्मिक गुरु और उनके कार्यालय को ही उनके पुनर्जन्म पर निर्णय लेने का अधिकार है। भारत के विदेश मंत्रालय ने दलाई लामा के जन्मदिन से दो दिन पहले चार जुलाई को कहा था कि नई दिल्ली आस्था और धर्म की मान्यताओं और प्रथाओं से संबंधित मामलों पर कोई रुख नहीं अपनाता और न ही कोई टिप्पणी करता है।अपने जन्मदिन के समारोह से पहले दलाई लामा ने यह कहकर चीन को फिर से नाराज कर दिया कि उनके उत्तराधिकार के चयन में उसकी कोई भूमिका नहीं है। लेकिन, चीन का कहना है कि दलाई लामा के उत्तराधिकार को उसकी मंजूरी लेनी होगी।

कांवड़ यात्रा रूट में ढाबों पर क्यूआर कोड लगाने के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में एक अर्जी दाखिल हुई है जिसमें कांवड़ यात्रा मार्ग में भोजनालयों पर क्यूआर कोड लगाने के आदेश को चुनौती दी गई है। दाखिल अर्जी में क्यूआर कोड लगाने के आदेश पर रोक लगाने की मांग करते हुए कहा गया है कि क्यूआर कोड के आदेश के पीछे उद्देश्य कांवड़ यात्रा मार्ग पर विक्रेताओं की पहचान उजागर करना है। इस अर्जी पर कोर्ट 15 जुलाई को सुनवाई कर सकता है। दाखिल अर्जी में उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड सरकार के उन निर्देशों को चुनौती दी गई है जिसमें कांवड़ यात्रा मार्ग के भोजन विक्रेताओं को अपने बैनर के साथ क्यूआर कोड प्रदर्शित करने को कहा गया है जिसमें तीर्थ यात्री दुकान मालिक का ब्योरा जान सकेंगे।अर्जी में क्यूआर को कोड प्रदर्शित करने के आदेश पर रोक लगाने की मांग की गई है। कहा गया है कि क्यूआर कोड लगाने का आदेश सुप्रीम कोर्ट के पिछले साल के अंतरिम आदेश के खिलाफ है जिसमें कहा गया था कि विक्रेताओं को उनकी पहचान उजागर करने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता।अर्जी में कहा गया है कि न्यायालय का आदेश को दरकिनार करने के लिए ही अधिकारियों ने इस साल नये निर्देश जारी किये हैं, जिसमें कांवड़ यात्रा

मार्ग पर सभी भोजनालयों पर क्यूआर कोड प्रदर्शित करना अनिवार्य किया है जिससे मालिकों के नाम और पहचान का पता चलता है। इस निर्देश के पीछे उद्देश्य तीर्थ यात्रा मार्ग पर विक्रेताओं की धार्मिक पहचान को उजागर करना है। अर्जीकर्ता का कहना है कि सरकारी निर्देशों का कोई कानूनी आधार नहीं है। इसका उद्देश्य धार्मिक ध्रुवीकरण और भेदभाव पैदा करना है। अर्जी में आशंका जताई गई है कि इससे भीड़ हिंसा भड़क सकती है, खासकर अल्पसंख्यक वर्ग के दुकानदारों के खिलाफ हिंसा भड़क सकती है। अर्जी में कहा गया है कि कानूनी लाइसेंस आवश्यकताओं की आड़ में धार्मिक और जातिगत पहचान उजागर करने का निर्देश निजता के अधिकारों का उल्लंघन है।

उज्जवल निकम, सदानंदन मास्टर... समेत ये 4 हस्तियां राज्यसभा के लिए मनोनीत, पीएम मोदी ने दी बधाई

नईदिल्ली, 14 जुलाई [एजेंसी]।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने रविवार को वरिष्ठ अधिवक्ता उज्ज्वल निकम, समाजसेवी सदानंदन मास्टर, पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला एवं इतिहासकार मीनाक्षी जैन को राज्यसभा के लिए मनोनीत किया है। केरल के रहने वाले सदानंदन मास्टर पहले भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) से जुडे थे। बाद में वे आरएसएस की विचारधारा के करीब आने लगे तो वामपंथी हिंसा के निशाने पर आ गए।राज्यसभा में सदस्यों की कुल संख्या 245 होती है। इनमें 233 निर्वाचित होते हैं। शेष 12 को राष्ट्रपति द्वारा कला, साहित्य, विज्ञान एवं समाज सेवा जैसे क्षेत्रों में विशिष्ट कार्यों के आधार पर मनोनीत किया जाता है। चार के मनोनयन के बाद राज्यसभा में अब यह कोटा पूरा हो गया है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मनोनीत विशिष्ट व्यक्तियों को बधाई दी है। महाराष्ट्र के जलगांव में जन्मे उज्ज्वल देवराव निकम एक सफल वकील हैं। पद्मश्री से सम्मानित भी हैं। भाजपा ने उन्हें लोकसभा चुनाव में उत्तरी मुंबई से भी प्रत्याशी बनाया था, लेकिन कांग्रेस की वर्षा गायकवाड़ से वे चुनाव हार गए थे। मुंबई में बम ब्लास्ट के दोषियों और अजमल कसाब को फांसी की सजा दिलाने में निकम की कानूनी भूमिका अहम रही थी। उन्होंने कई अन्य महत्वपूर्ण कानूनी मामलों में बड़ी भूमिका निभाते हुए संवैधानिक मूल्यों को बनाए रखने के लिए लगातार काम किया है।केरल के कन्नूर में जन्मे सी. सदानंदन मास्टर की पहचान शिक्षक और सामाजिक कार्यकर्ता की रही है। पीएम मोदी ने मास्टर के जीवन को साहस और अन्याय के प्रतिरोध का प्रतीक बताया है। उन्होंने हिंसा एवं धमकी के बावजूद हार नहीं मानी। केरल के ग्रामीण क्षेत्रों में सेवा कार्य करते रहे हुए राष्ट्रीय विकास के लिए प्रतिबद्ध रहे। अमेरिका समेत कई देशों में राजदूत एवं भारत के विदेश सचिव रह चुके हर्षवर्धन श्रृंगला ने बुद्धिजीवी एवं रणनीतिक विचारक के रूप में अपनी पहचान बनाई है।

क्या निमिषा को नहीं मिलेगी मौत की सजा केरल सीएम ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र

नई दिल्ली। केरल की रहने वाली निमिषा प्रिया को अपने बिजनस पार्टनर की हत्या के आरोप में मौत की सजा सुनाई जाएगी। यमन की राजधानी सना की जेल में बंद निमिषा को 16 जुलाई को सजा-ए-मौत दी जाएगी। हालांकि, निमिषा की जान बचाने की पूरी कोशिश कर रही है। इसी कड़ी में केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर केरल की एक नर्स निमिषा प्रिया की जान बचाने के लिए तत्काल हस्तक्षेप करने का आग्रह किया।पीएम मोदी को लिखे पत्र में सीएम ने लिखा, यह मामला 'सहानुभूति' का है। इसमें उन्होंने प्रधानमंत्री से बिना किसी देरी के यमन के अधिकारियों के समक्ष यह मामला उठाने का अनुरोध किया। उन्होंने केंद्र सरकार और विदेश मंत्री एस जयशंकर को छह फरवरी और 24 मार्च, 2025 को भेजे गए पत्रों सहित पूर्व में की गई अपीलों का भी उल्लेख किया।यह मामला सहानुभूति दिखाने के लिहाज से उपयुक्त है, मैं माननीय प्रधानमंत्री से इस मामले को उठाने और निमिषा प्रिया की जान बचाने के लिए संबंधित अधिकारियों के जरिये हस्तक्षेप करने की अपील करता हूं।''निमिषा को बचाने के लिए सेव निमिषा प्रिया इंटरनेशनल एक्शन काउंसिल भी बनाया गया है। इस काउंसिल से जुड़े एक कार्यकर्ता ने कहा कि निमिषा प्रिया द्वारा कथित रूप से मारे गए यमनी नागरिक के परिवार को ब्लड मनी के तौर पर 8.6 करोड़ रुपये पेशकश की गई है।

अमरकंटक की पहाड़ियों में छिपी है मोक्ष और मुक्ति की शक्ति

कोरिया छत्तीसगढ। भारत भूमि धर्म और आध्यात्म की ऐसी भूमि है जिस पर राम और कृष्ण ने भी जन्म लिया है. ब्रह्मांड, निहारिका, आकाशगंगा और हमारे सौरमंडल की यात्रा की कड़ी में पृथ्वी की स्थिति एक रेत के कण से भी छोटी है और इसी पृथ्वी पर रहने वाला मानव अपने वैज्ञानिक अनुसंधान से नित नए संसाधन जुटाता रहता है जिसे हम आज के बाजारवाद की दुनिया मे मानव जीवन के लिए आवश्यक सुख सुविधा कहते हैं. सत्यता यह है कि प्रकृति ने मानव सहित समस्त जीव जंतुओं के जीवन को बचाए रखने के लिए पर्याप्त संसाधन इस पृथ्वी पर जुटा कर रख दिए हैं. लेकिन हम उस प्रकृति को आगामी पीढ़ी के लिए बचाए रखने की दिशा मे कमजोर दिखाई देते हैं. गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरित मानस में कहा है--

क्षिति जल पावक गगन समीरा
पंच रचित अति अधम शरीरा

अर्थात पृथ्वी, जल, अग्नि ,आकाश और वायु से बना यह शरीर अत्यंत साधारण शरीर है. जो नश्वर है और इसी मिट्टी में जन्म लेकर इसी मिट्टी में समाप्त हो जाएगा. आध्यात्मिक पक्ष के अनुसार इस अधम शरीर की आत्मा कभी समाप्त नहीं होती. यह एक देह से निकलकर दूसरी देह में प्रवेश कर जाती है. भागवत गीता में भगवान कृष्ण ने इसे विस्तार दिया है. यही कारण है कि ऋषि मुनि, संत महात्मा जीवन मृत्यु के आवागमन के मुक्ति का मार्ग ढूंढते हैं जिसे मोक्ष कहा जाता है. आत्मा परम ब्रह्म का अंश है और वापस परमब्रम्ह में विलीन हो जाना मोक्ष,मुक्ति का मार्ग है.

पर्यटन के क्रम में अध्यात्म और मोक्ष की कई कड़ियों को जोड़ने एवं इसके पक्षों को जानने अमरकंटक की पहाड़ियों में चलते हैं जहां नर्मदा, सोन और जोहिला जैसी नदियों का उद्गम स्थान है. छत्तीसगढ़ के नए गौरेला - पेंड्रा- मरवाही जिले की सीमाएं मध्य प्रदेश के अमरकंटक से जुड़ती हैं. जो समुद्र तल से लगभग 3400 फुट की ऊंचाई पर स्थित है. यह अमरकंटक जिसमें जैव विविधता सहित जड़ी बूटियां की कई प्रजातियां पाई जाती है. इन्हीं प्रजातियों में प्रमुख रूप से गुल बकावली का पौधा पाया जाता है इसके फूलों के अर्क से आंखों की रोशनी बढ़ती है. इसके कई किस्से भी अमरकंटक के साथ जुड़े हुए हैं जिसमें किस्सा गुलबकावली की 25 पेज की किताब साप्ताहिक हाट बाजार में छोटी-छोटी पुस्तक बेचने वालों के द्वारा 1950 से लेकर 1980 के दशक में खूब बेची जाती थी और ग्रामीण ग्राहकों से लेकर शहरी ग्राहकों तक बड़े चाव से लोग इसे पढ़ते थे. यह पुस्तक पूरी तरह अमरकंटक में गुलबकावली के फूल का पाया जाना और राजा- रानी की कहानियों और किवदंतियों सहित इतिहास का बयान करती है.

अमरकंटक की पहाड़ियों का ऊपरी हिस्सा चौरस है. जहां धीरे-धीरे अब एक नगर बस गया है कई आध्यात्मिक, धार्मिक , मंदिरों के अलावा यहां विद्यालय एवं आदिवासी संस्कृति से जुड़े बड़े शिक्षा संस्थान खुल चुके हैं, क्योंकि नर्मदा जैसी पवित्र नदी का उद्गम पर्यटकों को भारी संख्या को आकर्षित करता है. कई ग्रंथ एवं पुराणों में नर्मदा का महत्व इस स्थल को महत्वपूर्ण बनाता है. अमरकंटक नगर क्षेत्र और इसकी ऊंची पहाड़ियां मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले का हिस्सा है जबकि इसका 68त्न हिस्सा लगभग 3835 वर्ग किलोमीटर का क्षेत्र छत्तीसगढ़ में आता है अचानकमार अभ्यारण इसी अमरकंटक क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है.

भारतवर्ष में मानव एवं जीव जंतुओं के जीवन के लिए आवश्यक नदियों को माता का दर्जा दिया गया है. देश भर की सैकड़ो नदियों में से सप्त नदियों को पवित्र नदियों की मान्यता दी गई है, जो हमारी अध्यात्मिक धरोहर कहलाती है. इसमें शामिल है गंगा, जमुना, सरस्वती, नर्मदा, गोदावरी, सिंध, कावेरी जैसी नदियां शामिल है. इन सब नदियों से भारत का बच्चा-बच्चा परिचित है चाहे वह किसी भी धर्म को मानने वाला हो. इसके अलावा शिप्रा, ताप्ती एवं कृष्णा नदी को भी पवित्र नदियां माना जाता है. सामान्यत: नदियां जमीन के ढलान की ओर बढ़ती हुई अपना-अपना रास्ता स्वयं बना लेती है, जिसमें ज्यादातर नदियां पूर्व की ओर बहती हुई बंगाल की खाड़ी में मिल जाती है लेकिन इसी अमरकंटक पर्वत पर निकलने वाली नर्मदा अकेली ऐसी नदी है जो पश्चिम की ओर बहती है. अपनी यात्रा में लगभग 1312 किलोमीटर की मध्य प्रदेश और गुजरात से यात्रा करते हुए यह आगे खंभात की खाड़ी में गिरकर अरब सागर में विलीन हो जाती है. इस नदी की एक और विशेषता है कि यह भारतवर्ष को उत्तर दक्षिण की पारंपरिक विभाजक रेखा के रूप में जोड़ती है. इसकी उत्पत्ति के संदर्भ में एक कथन है कि लाखों करोड़ों वर्ष पूर्व अरब सागर का एक हिस्सा पृथ्वी की विशिष्ट दरारों के कारण अमरकंटक तक फैला हुआ था जो समय के अनुसार धीरे-धीरे सिमटता गया और नदी बन गई. मध्य प्रदेश के आदिवासी इलाकों से गुजरने वाली नर्मदा नदी का गोंड़ जाति के बीच बहुत ज्यादा महत्व है, क्योंकि गोंड़ पूर्वजों का कहना है कि नर्मदा गोंड़ पूर्वजों की पुत्री है और उसका जल पीकर उनकी सभ्यता और संस्कृति आगे बढ़ी है.

अमरकंटक पहाड़ियों से निकलने वाली नर्मदा के बारे में पवित्र सप्त नदियों में सर्वाधिक पवित्र नदियों में मान्यता प्राप्त नर्मदा का विवरण कई पुराणों में मिलता है. नर्मदा को पृथ्वी पर शिव की दिव्य द्रव्य शक्ति माना गया है. नर्मदा पुराण के अनुसार जब भगवान शिव ऋक्ष (मैकल) पर्वत पर हजारों वर्षों की तपस्या कर रहे थे तब भगवान शिव के पसीने की बूंदों से नर्मदा का जन्म हुआ है. इसलिए नर्मदा को शिवपुत्री भी कहा जाता है. उच्च महात्म के कारण नर्मदा की परिक्रमा का प्रावधान है अन्य नदियों का नहीं इस परिक्रमा में नर्मदा नदी को कहीं भी पार (लांघा) नहीं किया जाता.

वायु पुराण के अनुसार प्रलयेषु न मृता सा नर्मदा अर्थात नर्मदा को शिव जी ने अजर अमर होने का वरदान दिया है, इसलिए नर्मदा पृथ्वी पर प्रलय काल तक जीवित पुण्य नदी बनी रहेगी. ब्रम्हवैवर्त पुराण में कहा गया है कि गंगा, यमुना का महत्व एक समय विशेष के बाद अर्थात हजारों वर्षों में समाप्त हो जाएगा किंतु नर्मदा का जल पृथ्वी के प्रलय काल तक अपने पुण्य और महत्व के साथ यथावत जीवित रहेगा.

स्कंद पुराण में नर्मदा के जन्म और महत्व के बारे में महर्षि सूत जी ने कहा है की नर्मदा माघ शुक्ल सप्तमी तिथि को पृथ्वी पर प्रकट हुई है इसे नर्मदा जयंती के रूप में भी मनाया जाता है स्कंद पुराण में वर्णित है कि सरस्वती के जल में तीन दिनों में, यमुना के जल में सात दिनों में, तथा गंगा के जल में एक डुबकी लगा लेने से व्यक्ति पवित्र होता है, किंतु नर्मदा जल के दर्शन मात्र से ही व्यक्ति पवित्र हो जाता है. ऋषियों और तपस्वियों के आशीर्वाद से भरी नर्मदा अमरकंटक की ऊंचाइयों से जब निकलती है तब ऐसा प्रतीत होता है मानो कोई नटखट नन्ही बालिका इन्हीं जंगलों पहाड़ों के बीच उंचाईयों पर खेल रही हो और अपनों के साथ लुका- छिपी खेलती कभी पत्थरों से निकलकर ऊपर बहने लगती है और कभी कुछ दूर आगे चलकर फिर पत्थरों में विलीन हो जाती है यह खेल काफी दूर तक चलता है. जहां इसे माई की बगिया तथा अन्य नाम से भी पुकारा जाता है. नर्मदा के इन्हीं रूपों को कवि की कलम ने अमरकंटक कविता में कुछ इस तरह बांधा है-

यहां पर नर्मदा बन बालिका, छिपती बुलाती है
कहीं घुटनों पर चलती है कहीं पर दौड़ जाती है.
यहां पर नर्मदा और सोन मिलकर भी बिछड़ती है
कोई पूरब को चलती है कोई पश्चिम को चलती है

(बीरेन्द्र श्रीवास्तव, चुनी हुई कविताएँ, पुस्तक से साभार)

वर्तमान नर्मदा का उद्गम प्रवाह स्थल पर एक कुंड बना दिया गया है जहां से नर्मदा का जल निरंतर बहता रहता है. इस क्षेत्र की पवित्रता एवं स्वच्छ रखने के प्रयास स्वरुप चहार दिवारी बनाकर घेर दिया गया है. यहाँ पर्यटकों की भारी हलचल इसके महत्व को प्रतिबिंबित करती है. इसी नर्मदा उद्गम के ऊपरी हिस्से में मां नर्मदा मंदिर एवं अन्य देवी देवताओं के मंदिर बने हुए हैं इस उद्गम क्षेत्र की चहार दीवारी के दक्षिणी द्वार से बाहर निकलने पर प्राचीन मंदिरों का समूह आकर्षित करता है. किवदंतियों के अनुसार इसे पांडव मंदिर का क्षेत्र कहा जाता है. मंदिरों के इस समूह को पर्यटन संभाग भोपाल ने विकसित करने की कोशिश की है और समय काल के पत्थरों पर इसे कलचुरी कालीन 11वीं शताब्दी का मंदिर निरूपित किया है, जो मछिंद्रनाथ मंदिर के नाम से भी जाना जाता है. मछिंद्रनाथ इस क्षेत्र में शैव संप्रदाय की एक शाखा के प्रवर्तक थे. इसी तरह पातालेश्वर मंदिर, शिव मंदिर और कर्ण मंदिर की स्थापना भी की गई है. पातालेश्वर मंदिर का निर्माण कलचुरी नरेश कर्ण देव (1041 से 1073) द्वारा बनवाया गया है. यहां के मंदिर का निर्माण और विन्यास यह प्रदर्शित करता है किइन मंदिरों का निर्माण कई चरणों में तथा कई दशाब्दियों तक चलता रहा है. रानी अहिल्याबाई होल्कर ने यहां के मंदिरों का समय-समय पर जीर्णोद्धार भी कराया है. इन मंदिरों की प्राचीनता हमारे सामने कई विचार रखती है. अलग-अलग स्थान पर इन मंदिरों का ठीक उद्गम स्थल के ऊपर निर्माण नर्मदा के अलग-अलग स्थलों से निकालने तथा भूमिगत चलने की प्रक्रिया को भी सैद्धांतिक रूप से प्रतिपादित करता है, क्योंकि यह सभी मंदिर तात्कालिक समय में नर्मदा उद्गम तट पर बने हुए थे. इन प्राचीन मंदिरों को संरक्षित कर उनके ऐतिहासिक दस्तावेज के साथ आम लोगों के लिए मनोहर प्रस्तुति के लिए पुरातत्व विभाग के भोपाल मंडल को बधाई देना न्यायोचित होगा.

इसी स्थल से आगे अरंडी नदी की धार और नर्मदा का मिलन होता है. कहते हैं कि नर्मदा खुद आगे बढ़कर अरंडी को अपने साथ लेकर उसका महत्व बढ़ाती है. इस घाट पर मृत्यु के बाद अस्थि विसर्जन एवं श्राद्ध कर्म के कार्य किए जाते हैं. यहां पर कई संत, साधु संन्यासियों ने आश्रम बनाकर अपनी-अपनी सिद्धि प्राप्त कीहै. यहाँ एक मंदिर बनाकर माता नर्मदा, माता गंगा और माता अरंडी की मूर्ति स्थापित की गई है. इस स्थान का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है कि स्कंद पुराण के अनुसार गंगा के किनारे श्राद्ध करने से मुक्ति मिलती है इसी प्रकार नर्मदा तट पर श्रद्धा और पिंडदान करने पर भी मुक्ति, और मोक्ष मिलता है. यहाँ अस्थि विसर्जन और पिंड दान के बाद गंगा की शरण में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ती, क्योंकि गंगा स्वयं गंगा दशहरा के दिन नर्मदा से मिलने आती है. शिव पुराण में इसका स्पष्ट उल्लेख है कि गंगा अपने भक्तों के पापों को साथ लेकर यहां तक आती है और नर्मदा से मिलकर भक्तों के पापों को नर्मदा में विसर्जित कर स्वयं पाप मुक्त होकर पुन: भक्तों के कष्ट निवारण और उन्हें पाप मुक्त करने के लिए वापस चली जाती है.

शिव जी को शीघ्र प्रसन्न करना है तो सावन सोमवार व्रत में लगाएं इन चीजों का भोग

सावन सोमवार व्रत में भगवान शिव को भोग लगाना अत्यंत शुभ और फलदायक माना जाता है। इस दिन शिव जी को कुछ विशेष चीजें चढ़ाने से वे शीघ्र प्रसन्न होते हैं और भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी करते हैं।

भगवान शिव का भोग मंत्र ꞊ भगवान शिव को भोग लगाते समय उनके सरल से मंत्र ? नम: शिवाय का जाप करें। इसके अलावा इस प्रभावशाली मंत्र का भी उच्चारण किया जा सकता है- त्वदीयं वस्तु गोविन्द तुभ्यमेव समर्पये। गृहाण सम्मुखो भूत्वा प्रसीद परमेश्वर।

सावन सोमवार व्रत में भगवान शिव को लगाए जाने वाले भोग की सूची꞊ इससे शिवलिंग पर अभिषेक करें और भोग दोनों में उपयोग करें।

शुद्ध गाय का दूध꞊ शांति व शुद्धता का प्रतीक है। दही꞊ मन को शांत करता है। शीतलता और संतुलन देता है।

घी꞊ पवित्रता और सात्त्विकता का प्रतीक है।

शहद꞊ मधुरता और समृद्धि का प्रतीक है।

शक्कर/गुड़꞊ प्रसन्नता और ऊर्जा का संकेत है।पंचामृत꞊ जो दूध, दही, घी, शहद और शक्कर मिलाकर बनाया जाता है। शिवलिंग पर चढ़ाकर भोग में भी अर्पित किया जाता है।सावन सोमवार व्रत में भगवान शिव को लगाएं ये भोग꞊ चावल से बनी खीर, केसर खीर, साबूदाने से बनी खीर, मखाने की खीर, सफेद मावे से बनी बर्फी, भांग पेड़ा, भांग ठंडाई, ड्राई फ्रूट्स भी भोग लगाए जा सकते हैं।

फल꞊ फलों में विशेषकर नारियल, केला, सेव, अनार आदि। ये सात्त्विक फल हैं, जो भोले बाबा को बहुत प्रिय हैं।

मेवा/मिश्री꞊ शिव जी को शुद्धता व मिठास प्रिय है, मिश्री या मखाने अर्पण करें।

सादा खीर या साबूदाने की खीर꞊ व्रत में बने शुद्ध और सात्विक भोजन का भोग लगाएं।

सत्तू या चने का भोग꞊ यह भोग विशेष रूप से बिहार/उत्तर भारत में दिया जाता है।

बिल्व पत्र꞊ भले ही खाने योग्य न हो लेकिन पूजा का यह सबसे प्रिय भोग है।

भगवान शिव को भोग में न चढ़ाने योग्य चीजें꞊

नमक या तामसिक पदार्थ (प्याज, लहसुन)

बासी या दूषित भोजन

खटाई (नींबू, इमली आदि)

भगवान शिव को भोग अर्पण विधि

शिवलिंग का अभिषेक करने के बाद थाली में भोग सजाएं। भोग को शिव जी के समक्ष रखें और हाथ जोड़कर प्रार्थना करें꞊

हे भोलेनाथ, मेरी भक्ति को स्वीकार करें और यह भोग अर्पण स्वीकार करें।

घंटी बजाकर या शंख ध्वनि करके भोग समर्पित करें। अंत में वही भोग प्रसाद रूप में ग्रहण करें या परिवार में वितरित करें।

सावन सोमवार व्रत कथा: आप भी रख रहे हैं सावन सोमवार व्रत, पढ़ें कथाएं

सावन सोमवार व्रत कथा सावन महीना देवी और शिव का समन्वय काल है। शास्त्रों में सावन को शिव-पार्वती मिलन काल कहा गया है लेकिन कम ज्ञात तथ्य यह है कि यह काल स्त्री और पुरुष ऊर्जा (शिव-शक्ति), इड़ा और पिंगला नाड़ी, सूर्य और चंद्र तत्व का संतुलन बिंदु होता है। इस कारण सावन में स्त्रियां शिव की पूजा करती हैं (शक्ति से शिव की ओर) पुरुष व्रत करते हैं (शिव से शक्ति की ओर) आएं पढ़ें, सावन सोमवार व्रत से जुड़ी प्रमुख व्रत कथाएं, जो श्रद्धालु सावन मास के प्रत्येक सोमवार को व्रत करते समय पढ़ें या सुनें। ये कथाएं शिव भक्तों की आस्था, भक्ति और उनके जीवन में आए चमत्कारों को दर्शाती हैं। आप भी भोले बाबा से प्रार्थना करें, जैसे इन शिव भक्तों के जीवन में चमत्कार हुए वैसे आपकी जिंदगी में भी कभी किसी चीज का अभाव न रहे।

सावन सोमवार व्रत कथा

प्राचीन काल की बात है। एक नगर में एक व्यापारी रहता था। वह बहुत धनवान था लेकिन उसके कोई संतान नहीं थी। संतान की प्राप्ति के लिए वह और उसकी पत्नी ने अनेक देवी-देवताओं की पूजा की, किंतु संतान सुख नहीं मिला। एक दिन किसी साधु ने उन्हें बताया कि वह सावन के महीने में भगवान शिव का व्रत करें और सोमवार को व्रत रखकर शिवलिंग पर जल और बेलपत्र चढ़ाएं।

व्यापारी ने ऐसा ही किया। उसने पूरे सावन मास में सोमवार का व्रत रखा, व्रत की कथा सुनी और भगवान शिव की उपासना की। अंत में भगवान शिव प्रसन्न हुए और उसे एक सुंदर व गुणवान पुत्र की प्राप्ति हुई। उस दिन से सावन सोमवार व्रत की परंपरा शुरू हुई और लोग शिव कृपा पाने हेतु यह व्रत करने लगे।

सुहागन स्त्री की कथा

एक नगर में एक स्त्री अपने पति की लंबी आयु

के लिए सावन के हर सोमवार को व्रत करती थी। वह शिव मंदिर जाकर बेलपत्र, दूध, दही, शहद आदि से शिवजी का अभिषेक करती और शिव पार्वती से अपने सुहाग की रक्षा की प्रार्थना करती।

एक दिन रास्ते में उसे एक नाग दिखाई दिया, जो उसके पति को डंसने वाला था। स्त्री ने शिवजी से विनती की, हे महादेव! मैं आपके व्रत का पालन करती हूं, मेरे पति की रक्षा करें।

तभी शिवजी ने प्रकट होकर नाग को रोका और कहा, इस स्त्री का व्रत सत्य है, इसलिए तुझे पीछे हटना होगा।नाग वहीं से लौट गया और स्त्री के पति की आयु बढ़ गई।

गरीब ब्राह्मण कन्या की कथा

एक गरीब ब्राह्मण की कन्या सावन मास के हर सोमवार को शिवजी का व्रत रखती थी। वह सूखे बेलपत्र, थोड़ा सा जल और मिट्टी के शिवलिंग से पूजन करती। शिवजी उसकी श्रद्धा से प्रसन्न हुए और स्वप्न में आकर बोले, हे कन्या! तेरा व्रत मुझे प्रिय है, तू शीघ्र ही एक महान राजा की रानी बनेगी।

कुछ दिन बाद एक राजा शिकार के दौरान उस गांव में आया और कन्या से विवाह कर लिया। इस प्रकार सावन सोमवार के व्रत ने एक निर्धन कन्या को रानी बना दिया।

मंदिर नहीं जा सकते तो घर पर करें ये काम, बहुत प्रसन्न होंगे भोले नाथ

सावन माह भगवान शिव का अत्यंत प्रिय महीना है। यह केवल धार्मिक नहीं, बल्कि आध्यात्मिक और ऊर्जात्मक रूप से भी बहुत विशेष होता है। सावन में वातावरण में जल, वायु, मंत्र और ध्यान का सम्मिलन होता है। इस समय घर का वातावरण भी शुद्ध, शांत और शिवमय बनाए रखना शुभ होता है। सावन का हर दिन एक आत्मिक स्नान है, जहां तन, मन और घर तीनों को शुद्ध करने का अवसर मिलता है। आइए जानें, सावन माह में घर में क्या करना चाहिए ?

प्रतिदिन भगवान शिव की पूजा करें। घर के पूर्व या उत्तर दिशा में शिव जी की मूर्ति या तस्वीर स्थापित करें। ? नम: शिवाय मंत्र का 108 बार जाप करें। यदि घर में शिवलिंग है तो जल में गंगा जल मिलाकर शिवलिंग पर अर्पित करें। यदि नहीं है तो सारे घर में गंगा जल का छिड़काव करें। बेलपत्र, धतूरा, शमीपत्र, आक, फूल आदि अर्पित करें।

प्रतिदिन सूर्योदय से पहले और सूर्यास्त के बाद, घर के मंदिर में तिल या घी का दीपक जलाएं। दीपक में कपूर, केसर और लौंग डालना अत्यंत शुभ होता है। सोमवार व्रत रखें और मंगलकामना हेतु सोलह सोमवार व्रत प्रारंभ कर सकते हैं।शिव चालीसा, रुद्राष्टक या महामृत्युंजय मंत्र का पाठ करें।घर में यदि कोई पुरुष ब्रह्मचर्य और संयम से सावन साधना करना चाहे, तो विशेष फलदायी होता है। रोज़ाना घर में धूप, कपूर, गुग्गुल या लोबान जलाएं।

यह नकारात्मक ऊर्जा को हटाता है और वातावरण को सकारात्मक बनाता है। सप्ताह में एक दिन गंगा जल या गौ मूत्र मिले पानी से पोंछा लगाएं। तुलसी, बेल, शमी और अन्य पवित्र पौधों को घर में लगाएं और उनकी देखभाल करें।सावन में तुलसी का पौधा घर में उत्तर-पूर्व दिशा में रखें और रोज़ जल दें।

गिटार सीखने जा रहे हैं ये 5 जरूरी बातें आपके लिए हो सकती हैं उपयोगी

गिटार एक बहुत ही लोकप्रिय संगीत वाद्य यंत्र है, जिसे सीखना एक रोमांचक अनुभव हो सकता है। हालांकि, शुरुआत में कुछ चुनौतियां आती हैं, जिन्हें पार करके आप इसे बजाने में माहिर हो सकते हैं। इस लेख में हम आपको गिटार सीखने के लिए जरूरी 5 बातें बताएंगे, जो आपकी यात्रा को आसान और मजेदार बनाएंगी। सही गिटार का चयन कैसे करें से लेकर नियमित अभ्यास तक, ये सुझाव आपका सही दिशा में मार्गदर्शन करेंगे।

सही गिटार का चयन करें

गिटार खरीदते समय सबसे पहले आपको सही प्रकार का चयन करना चाहिए। अगर आप शुरुआत कर रहे हैं तो एक साधारण और किफायती गिटार चुनें। आमतौर पर लकड़ी का बना गिटार अच्छा विकल्प हो सकता है, क्योंकि यह ध्वनि को बेहतर बनाता है। इसके अलावा, प्लास्टिक या बिजली से चलने वाला गिटार भी सही विकल्प हो सकते हैं। हालांकि, शुरुआत के लिए लकड़ी का गिटार सबसे अच्छा रहता है, क्योंकि यह आसानी से संभाला जा सकता है।

तारों की सही सेटिंग करें

गिटार की तारों की सेटिंग बहुत जरूरी होती है। शुरुआती दौर में अक्सर लोग इसे नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन सही सेटिंग से ही आपका गिटार अच्छी ध्वनि उत्पन्न करेगा। अगर आपने नया गिटार खरीदा है तो हो सकता है कि उसकी तार पहले से ही सही सेट हों। हालांकि, अगर नहीं है तो किसी जानकार की मदद लेकर सभी तारों को सही स्केल पर सेट करवा लें, ताकि बेसुरी ध्वनि न पैदा हो।

उंगलियों की स्थिति पर ध्यान दें

गिटार बजाने के लिए उंगलियों की स्थिति बहुत अहम होती है। सही तरीके से उंगलियों को गिटार पर रखने से न केवल आपका अभ्यास आसान होगा, बल्कि ध्वनि भी बेहतर निकलेगी। शुरुआत में थोड़ी मुश्किल हो सकती है, लेकिन नियमित अभ्यास से आप इसमें माहिर हो जाएंगे। इसके लिए गिटार के विभिन्न धुनों और सुरों को जानना जरूरी है, ताकि आप सही तरीके से उंगलियों को रख सकें और गिटार बजाने में कोई दिक्कत न हो।

नियमित अभ्यास करें

गिटार सीखने के लिए नियमित अभ्यास बहुत जरूरी है। रोजाना थोड़ी देर के लिए ही सही, लेकिन गिटार जरूर बजाएं। इससे आपकी उंगलियों की मांसपेशियां मजबूत होंगी और आपको अलग-अलग धुनें बनाने में मदद मिलेगी। इसके अलावा, नियमित अभ्यास से आपकी प्रतिभा भी बेहतर होगी और आप जल्दी ही गिटार बजाने में माहिर हो जाएंगे। शुरुआत में थोड़ा मुश्किल हो सकता है, लेकिन नियमितता से आप इसे आसान बना सकते हैं और अपने कौशल में सुधार ला सकते हैं।

ऑनलाइन मार्गदर्शन का उपयोग करें

आजकल इंटरनेट पर कई वीडियो उपलब्ध हैं, जो गिटार सीखने में बहुत मददगार साबित हो सकते हैं। वीडियो चैनलों या वेबसाइटों पर आपको कई वीडियो मिलेंगे, जिनसे आप अलग-अलग तकनीकों को सीख सकते हैं। इन मार्गदर्शनों की मदद से आप अपने समय अनुसार अभ्यास कर सकते हैं और अपने कौशल को बेहतर बना सकते हैं। इन 5 बातों का पालन करके आप आसानी से गिटार बजाना सीख सकते हैं और संगीत की इस दुनिया का आनंद ले सकते हैं।

पंच संघ की मांग पर सीईओ ने पुराने मेट हटाए नए को जिम्मेदारी

विकासखंड में सरकार की योजनाओं के अंतर्गत महिलाओं को भी मिलेगी समान प्राथमिकता

कोरिया। कोरिया। मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) में मेट की भर्ती के लिए, ग्राम पंचायत स्तर पर आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। मेट का मुख्य काम मनरेगा के तहत काम करने वाले मजदूरों की निगरानी करना और कार्यों का प्रबंधन करना है। मेट के चयन में महिलाओं को प्राथमिकता दी जाती है और उनका चयन ग्राम सभा द्वारा किया जाता है।ग्राम सभा द्वारा मेट का चयन किया जाता है, जिसमें महिला आवेदकों को प्राथमिकता दी जाती है।ग्राम पंचायत में मेट का एक पैनल बनाया जाता है, जिसमें कम से कम लगभग 5 और आवश्यकता अनुसार अधिक भी मेटों के नाम होते हैंचयनित मेटों को मनरेगा से संबंधित कार्यों, जैसे मस्टर रोल, मजदूरों के काम की माप, और सामग्री की गुणवत्ता की जांच आदि का प्रशिक्षण दिया जाता है।

मनरेगा में, मेटों का मुख्य काम श्रमिकों को काम का आवंटन करना और कार्यों की माप करना है। उन्हें यह भी सुनिश्चित करना होता है कि श्रमिक काम कर रहे हैं और उनकी उपस्थिति सही ढंग से दर्ज की जा रही है। हालांकि, कुछ मेट अनियमितताएं करते हैं, जिनमें मास्टर रूल में फर्जी हाजरी मजदूरों के उपस्थिति में हेरफेर मेटों द्वारा श्रमिकों की ऑनलाइन आफ लाइन उपस्थिति में हेरफेर किया जाता है, जिससे श्रमिकों को काम न करने पर भी मजदूरी मिल जाती है और कई स्थानों पर कार्यस्थल में जितनी हाजरी लगी होती है उतने मजदूर होते नही है, इस तरह की आम शिकायतें अक्सर बनी रहती है जिनके निराकरण नही होते, इन्ही समस्याओं के मद्दे नजर जनपद पंचायत सोनहत ने संज्ञान लिया है ।

जारी आदेश में कहा गया है कि जिले के अलग अलग ग्राम पंचायतों से मेंटों द्वारा लगातार अपने दायित्वो के निर्वहन में लापरवाही एवं मनमानी करने की शिकायतं जिला एवं जनपद स्तर पर प्राप्त हो रही है। जांच की कार्यवाही में संज्ञान में आया है कि कुछ पंचायतों में 01 वर्ष से अधिक समय से कार्यरत मेटों से अब भी कार्य लिया जा रहे है, जिससे उनके द्वारा मनमानी एवं कायों में अनियमितता करने की शिकायतें पंचायतों से हो रही है। उक्त कृत्य मनरेगा प्रावधानों एवं अधिनियम के विपरीत है। राज्य कार्यालय के निर्देशानुसार जिले एवं जनपद से पूर्व में भी 50 प्रतिशत महिला मेटों को नियोजित करने के निर्देश दिए गये हैं परन्तु उसका पालन कडाई से शत-प्रतिशत ग्राम पंचायतों में नही किया जाना परिलक्षित हुआ है। वर्तिमान में आपको पुनः निर्देशित किया जाता है कि ऐसी सभी पंचायतें एवं मनरेगा क्रियान्वयन एजेंसियां जिनके यहां कार्यों में नियोजित मेट 01 वर्ष की अधिक अवाधि सेकार्यरत हैं उन्हे तत्काल मेट के दायित्वों से मुक्त कर मेट नियुक्ति की नवीन गाईड लाईन का पालन करते हुए महिला मेटों को प्राथमिकता देकर नियुकित प्रक्रिया पूर्ण कराई जावे। राज्य कार्यालय से मेटों की नियुवित हेतु संचिव छ0ग शासन पंचायत एवं ग्रागीण विकास विभाग, मंत्रालय रायपुर छ0ग के द्वारा संदर्भित पत्र के माध्यम से महात्मा गांधी नरेगा योजनांतर्गत निर्माण कार्यों में मेट प्रणाली का पालन करते हुयग मेटों को नियोजित करने के निर्देश दिये गये हैं। छ0ग0 शासन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा मेंटों के चयन, नियुक्ति नियोजन एवं कार्यप्रणाली के संबंध में स्पष्ट निर्देश दिये गये हैं जिसमें प्रमुख रूप से प्रत्येक ग्राम पंचायत में मेट का एक पैनल तैयार किया जायेंगा जो उसी ग्राम पंचायत का निवासी हो तथा प्रत्येक 40 श्रमिकों हेतु एक मेट रखा जायेगा जिसमें महिलाओं को भी समान प्राथमिकता दिया जावेगा। मेट पैनल का कार्यकाल 01 वर्ष (01 जनवरी से 31 दिसम्बर तक) के लिये होगा और यदि मेट द्वारा किसी प्रकार के कार्य में अनियमितताएं किये जाने पर तत्काल उसे पद से हटाते हुये दूसरे मेट को कार्य सँपा जायेंगा तथा उसे मेट पैनल से भी बाहर कर दिया जायेगा और भविष्य में कभी भी मेट के रूप में कार्य पर नही लिया जायेगा। मस्टर रोल की सुरक्षा का दायित्व में मेट का है जिसे कार्य स्थल अनुशासन रखते हुये मस्टर रोल में प्रतिदिन श्रमिकों की दो बार उपरिथिति दर्ज की जानी है। आदेश में सरपंच सचिवों को पुन- निर्देशित किया जाता है कि आप संदर्भित पत्र में दिये गये निर्देशों का पालन करते हुये आगामी एक माह में एक ग्राम पंचायत में एक से अधिक वर्षों से कार्यरत मेट को तत्काल प्रभाव से मेट के कार्य दायित्वों से पृथक करना सुनिशिचित करें तथा नियमानुसार एक वर्ष के लिये नवीन मेट पैनल का गठन करना सुनिश्चित करें, जिसमें 50 प्रतिशत से अधिक महिला श्रमिकों की सहभागिता सुनिशिचित की जो तथा उक्त मेट पैनल में से ही मेटों को कार्यों में नियोजित करना सुनिश्चित करें अन्यथा छ0ग0 शासन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा जारी न्दिशों का उल्लंघन करने पर आपके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रस्तावित की जावेगी, जिसके जिम्मेदार सम्बंधित सचिव होंगे। पंच संघ सोनहत के अध्यक्ष प्रेम सागर तिवारी ने सीईओ सोनहत के इस आदेश का स्वागत करते हुए कहा कि उक्त निर्णय बहुत ही शानदार है हमारा संगठन इसके लिए पहले से ही मांग कर रहा था इस आदेश के जारी होने से कई लोगो को खास कर महिलाओं को समान प्राथमिकता के आधार पर मौका मिलेगा। साथ ही वर्षो से पदों पर जमे और अनियमितता को अंजाम दे रहे मेटो की छुट्टी होगी। अध्यक्ष पंच संघ ने कहा कि आदेश जारी होने के बाद से इसका कड़ाई से पालन होना चाहिए हालांकि अभी तक ऐसा हुआ नही है लेकिन इसका कड़ाई से पालन होना चाहिए।

घरेलू विवाद में भतीजे की बेदम पिटाई, 3 दिन बाद मौत, चाचा और 2 चचेरे भाई गिरफ्तार

शंकरगढ़। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के शंकरगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम जोकापाठ के लालदार गांव में घरेलू विवाद में हुई मारपीट में गंभीर रूप से घायल युवक की मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। पुलिस ने बताया कि पीड़ित मंगरा पहाड़ी कोरवा ने 8 जुलाई को थाना शंकरगढ़ में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मंगरा ने बताया था कि 7 जुलाई की शाम 7 बजे वह पत्नी फदारी और बेटे नवला के साथ मजदूरी कर लौट रहा था। इसी बीच घर के पास उसका भाई सोमरा अपने 2 पुत्रों प्रभेस व फुंटू के साथ पहुंचा। तीनों ने पुराने घरेलू विवाद को लेकर गाली-गलौज करते हुए डंडे से हमला कर दिया। हमले में मंगरा के पीठ, दाहिने हाथ और कंधे में चोटें आईं, वहीं पत्नी के सिर में चोट लगी। वहीं बेटा नवला उम्र 25 वर्ष गंभीर रूप से जख्मी हो गया। मारपीट से वह चलने में भी अक्षम हो गया था। फिर कुछ दिन बाद 10 जुलाई की रात उसकी मौत हो गई। इसकी सूचना मंगरा ने 11 जुलाई को थाने में दर्ज कराई।

रिपोर्ट के बाद पुलिस ने मृतक के शव का पीएम कराकर परिजन को सौंप दिया। वहीं पीएम रिपोर्ट में नवला की मौत सिर पर गंभीर चोट लगने से होना पाया गया। इस आधार पर पुलिस ने आरोपी फुंटू उम्र 19 वर्ष, प्रभेस उम्र 30 वर्ष व सोमरा पहाड़ी कोरवा उम्र 47 वर्ष निवासी जोकापाठ को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

अधिकारी-कर्मचारियों और परिवारजनों के लिए स्वास्थ्य एवं सेवा शिविर

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर जिला प्रशासन द्वारा नवाचार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए प्रोजेक्ट छाँव की शुरुआत सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में की गई। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रायपुर संभागायुक्त श्री महादेव कावरे थे, कार्यक्रम की अध्यक्षता कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने की। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसके पश्चात मुख्य अतिथि श्री कावरे ने सभी डॉक्टरों को पुष्प भेंट कर उनका स्वागत किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी के मार्गदर्शन में लगातार स्वास्थ्य के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। साथ ही शासकीय अधिकारी कर्मचारियों सहित आम जन के कल्याण के लिए कार्य किया जा रहा है 7 प्रोजेक्ट छाँव जिला प्रशासन की एक सराहनीय पहल है, जिसमें राजस्व विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों तथा उनके परिवारजनों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि प्रोजेक्ट छाँव शासकीय कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए प्रारंभ किया गया है। विभागों के अधिकारी और कर्मचारी सदैव जनसेवा में व्यस्त रहते हैं।

सावन के पहले सोमवार पर प्रेमाबाग शिव मंदिर में अखंड रामायण पाठ का आयोजन

कोरिया बैकुंठपुर। सावन माह के प्रथम सोमवार के पावन अवसर पर जिले के प्रेमाबाग स्थित प्राचीन शिवमंदिर परिसर में धार्मिक आयोजन की भव्यता देखने को मिलती है। देवरहा बाबा सेवा समिति के तत्वावधान में अखंड रामायण पाठ का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन को सफल बनाने के लिए शिव भक्तों को अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का अनुरोध किया गया है। भक्तिभाव से ओत-प्रोत वातावरण में सुबह से ही श्रद्धालु मंदिर पहुंचने लगे हैं। शिवभक्तों ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर विशेष पूजा-अर्चना की। इसके साथ ही समिति द्वारा अखंड रामायण पाठ प्रारंभ किया गया, जो पूरे दिन विधिविधान से चलता रहा। रामचरितमानस की चौपाइयों और भजन की मधुर ध्वनि से मंदिर परिसर भक्तिमय हो गया। इस आयोजन का उद्देश्य समाज में धार्मिक जागरूकता बढ़ाना और युवाओं को हमारी सनातन परंपराओं से जोड़ना रहा। देवरहा बाबा सेवा समिति के सदस्यों ने बताया कि सावन माह में हर सोमवार को विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मंदिर समिति और स्थानीय श्रद्धालुओं ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रसाद वितरण, भंडारे और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन हुआ। समिति के अध्यक्ष ने कहा - यह आयोजन केवल एक धार्मिक क्रिया नहीं बल्कि समाज को एकजुट करने का माध्यम भी है। हम चाहते हैं कि हर वर्ग के लोग इस आयोजन में भाग लेकर भगवान शिव और मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की कृपा प्राप्त करें। इस आयोजन से क्षेत्र में अध्यात्मिक ऊर्जा और समरसता का संचार हुआ है। सावन माह में श्रद्धा और आस्था की ऐसी झलक आने वाले सोमवारों में भी देखने को मिलेगी।

एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम में डीएवी स्कूल पांडवपारा में बच्चों व अभिभावकों ने लगाए 40 पेड़

कोरिया पांडवपारा। डीएवी पब्लिक स्कूल एसईसीएल पांडवपारा में शनिवार को शिक्षक पालक की बैठक आहुत की गई थी।बैठक के बाद एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों ने मिलकर विद्यालय परिसर में 40 पौधे रोपे। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक अमित सिंह एवं हरीश तिवारी की अगुवाई में हुआ तथा प्राचार्य पी.एल. वर्मा के मार्गदर्शन में इसे सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया।प्राचार्य श्री वर्मा ने उपस्थित सभी छात्रों एवं अभिभावकों को वृक्षारोपण के महत्व के बारे में बताया तथा पर्यावरण संरक्षण हेतु अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की। इस आयोजन में बच्चों ने बड़े उत्साह से भाग लिया और अपनी माताओं के नाम पर पौधे लगाकर उन्हें अनोखा उपहार दिया। विद्यालय परिवार द्वारा इस पहल की सराहना की गई तथा भविष्य में भी इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प लिया गया।

पेट्रोल पंप के काउंटर से नकदी रकम पार

रायपुर। पूजारी पार्क स्थित पेट्रोल पंप के काउंटर से अज्ञात चोर ने 24800 रुपए पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी तेजेश्वर साहू 24 वर्ष गोडवाना भवन के पास टिकरापारा का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि अज्ञात चोर ने पूजारी पार्क स्थित पेट्रोल पंप के खिड़की का शीशा को हटाकर टेबल में रखे 24800 रुपए पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

अलग-अलग क्षेत्र से दो दोपहिया वाहन पार

रायपुर। अलग-अलग थाना क्षेत्र से अज्ञात चोर ने दो एक्टिवा वाहन पार कर दिया। दोनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार सिंधी कालोनी दुर्ग निवासी कुशाल अंदानी 25 वर्ष ने तेलीबांधा थाना में शिकायत किया कि वह अपनी एक्टिवा क्रमांक सीजी 04 एमवाय 4536 को करेंसी टावर चौक के पास खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए एक्टिवा की कीमत 30 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। वहीं मच्छी तालाब निवासी हंसा शर्मा 31 वर्ष ने गुढ़ियारी थाना में शिकायत किया कि वह अपनी एक्टिवा क्रमांक सीजी 04 एलयू 3439 को अपने घर के बाहर खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए एक्टिवा की कीमत करीब 20 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। दोनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

वैष्णव ब्राह्मण समाज का रहा है गौरवशाली इतिहास:मुख्यमंत्री

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय आज राजधानी रायपुर में आयोजित अखिल भारतीय वैष्णव ब्राह्मण सेवा संघ (चतुः संप्रदाय), मुंबई की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभु श्रीराम के ननिहाल और माता कौशल्या की पावन भूमि छत्तीसगढ़ में वैष्णव ब्राह्मण समाज का राष्ट्रीय अधिवेशन आयोजित होना हम सभी के लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि वैष्णव ब्राह्मण समाज का इतिहास अत्यंत गौरवशाली रहा है। इस समाज की विभूतियों ने छत्तीसगढ़ में दानशीलता की अद्भुत मिसालें स्थापित की हैं। विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में वैष्णव ब्राह्मण समाज का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण होगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले समाज के प्रतिभावान व्यक्तियों को सम्मानित भी किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि वैष्णव ब्राह्मण समाज ने सनातन धर्म को सशक्त बनाने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। यह समाज केवल पुरोहित कर्म से ही नहीं, बल्कि शासन-प्रशासन में भी सक्रिय रहा है। दानशीलता की महान परंपरा का परिचय देते हुए इस समाज ने कभी राजपाट तक दान कर दिए। राजनांदगांव की वैष्णव ब्राह्मण रियासत इसका अनुपम उदाहरण है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि डेढ़ वर्ष के भीतर हमने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अधिकांश गारंटियों को अमल में लाकर पूर्ण किया है। छत्तीसगढ़, प्रभु श्रीराम का ननिहाल रहा है और उन्होंने अपने वनवास का लंबा समय यहीं व्यतीत किया था। हमारी सरकार ने रामलला दर्शन योजना शुरू की है, जिसके तहत अब तक 22 हजार से अधिक श्रद्धालु अयोध्या में प्रभु श्रीरामलला के दर्शन कर चुके हैं। मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना को भी पुनः प्रारंभ किया गया है, जिसके अंतर्गत 60 वर्ष से अधिक आयु के सभी नागरिक अपनी आस्था के अनुसार तीर्थ स्थलों का दर्शन कर सकेंगे। दिव्यांगजनों, विधवाओं और परित्यक्ताओं के लिए इस योजना में अधिकतम आयु सीमा नहीं रखी गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2047 तक प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत का संकल्प लिया गया है। उसी दिशा में हमें विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में अग्रसर होना है। इस कार्य में वैष्णव ब्राह्मण समाज की सक्रिय भागीदारी अपेक्षित है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि समाज संगठित रहकर निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर होगा। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि वैष्णव ब्राह्मण समाज एक दूरदर्शी और कल्पनाशील समाज है। उन्होंने कहा कि राजनांदगांव से विधायक, सांसद, केंद्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री के रूप में कार्य करते हुए उन्होंने इस समाज के ऐतिहासिक योगदान को निकटता से देखा है। उच्च शिक्षा, रेलवे, उद्योग और पेयजल व्यवस्था के विकास में राजनांदगांव के राजपरिवार ने अभूतपूर्व योगदान दिया है। महंत दिग्विजय दास जी ने महाविद्यालय के लिए अपना महल दान किया, रेलवे के लिए विशाल भूमि दी, और बीएनसी कॉटन मिल की स्थापना की, जिससे हजारों लोगों को रोजगार मिला। महंत घासीदास जी ने व्यापार को प्रोत्साहित करने के लिए निःशुल्क भूमि देने की घोषणा की थी। उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने अपने संबोधन में कहा कि वैष्णव ब्राह्मण समाज सनातन धर्म की ध्वजवाहक है। इस राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक के आयोजन से समाज और अधिक एकजुट होकर आगे बढ़ेगा। इस अवसर पर राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा, अखिल भारतीय वैष्णव ब्राह्मण सेवा संघ के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पी. एल. बैरागी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री लाल जे. के. वैष्णव, प्रदेश अध्यक्ष श्री राकेश दास वैष्णव, श्री विजय कुमार दास, श्री राघवेंद्र दास वैष्णव, डॉ. सौरभ निर्वाणी, श्रीमती अंजना देवी वैष्णव, श्री रजनीश वैष्णव सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित थे।

देशी कट्टा व जिंदा कारतूस के साथ आरोपी मुकेश नायक गिरफ्तार

रायपुर। थाना धरसींवा क्षेत्रान्तर्गत ग्राम सड्डू प्रतिक्षालय के पास देशी कट्टा व जिंदा कारतूस के साथ पकड़ा गया आरोपी को रंगे हाथ। आरोपी के कब्जे से 01 नग देशी कट्टा एवं 01 नग जिंदा कारतूस किया गया है जप्त। आरोपी के विरूद्ध थाना धरसींवा में अपराध क्रमांक 333/25 धारा 25 आर्म्स एक्ट का अपराध किया गया है पंजीबद्ध। पुलिस महानिरीक्षक श्री अमरेश मिश्रा एवं उमनि एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय डॉ. लाल उमेद सिंह द्वारा रायपुर पुलिस के समस्त पुलिस राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों सहित एण्टी क्राईम एवं साईबर यूनिट की टीम को अवैध रूप से पिस्टल व कट्टा रखकर घुमने वालों तथा इसकी अवैध तरीके से खरीदी-बिक्री करने वालों के संबंध में जानकारी एकत्र कर तस्दीक किया।

दोपहिया वाहन चोरी की घटना को अंजाम देने वाला आरोपी संतोष कुमार दांडेकर गिरफ्तार

रायपुर। प्रार्थी खेमराज चक्रधारी ने थाना आमानाका में रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह महादेव घाट रोड पास रहता है तथा मजदूरी करता है।

प्रार्थी 20.06.25 को शाम करीबन 07.20 बजे टाटीबंध चौक बिलासपुर नया बायपास रोड एम.आर.सी गोडाउन के पास अपने निजी काम से गया था जहां अपने दोपहिया वाहन सीजी/04/एम एक्स/4348 को रोड किनारे खडी कर नास्ता करने ठेला के पास चला गया था। प्रार्थी नास्ता करने के बाद अपनी दोपहिया वाहन हेतु खड़े किये हुए स्थान पर जाकर देखा तो पाया कि दोपहिया वाहन वहां नही थी। कोई अज्ञात चोर प्रार्थी की दोपहिया वाहन को चोरी कर फरार हो गया था। जिस पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध थाना आमानाका में अपराध क्रमांक 207/25 धारा 303(2) बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध करना पाया गया।

चाकू लहराकर आतंक फैलाते दो गिरफ्तार

रायपुर। राजेन्द्र नगर थाना पुलिस ने मेडिसाइन अस्पताल के पास चाकू लहराकर आतंक फैलाते दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से चाकू जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार राजेन्द्र नगर पुलिस को सूचना मिली कि मेडिसाइन अस्पताल के पास आरोपी अनुज सिंह 18 वर्ष और देवानंद यदू 18 वर्ष चाकू लहराकर आम लोगों को डरा धमका रहा है। सूचना पर मौके में पहुंची पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर चाकू जब्त किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

घरेलू विवाद में महिला ने पति पर चाकू से किया हमला

रायपुर। रायपुर के पंडरी ताज नगर में शुक्रवार रात एक चौंकाने वाली घटना सामने आई, जहाँ एक घरेलू विवाद इतना बढ़ गया कि एक महिला, काजल ने कथित तौर पर अपने पति, मोहम्मद तैयब पर चाकू से हमला कर दिया। टाइल्स मिस्त्री तैयब किसी तरह अपने किराए के मकान से भागकर अपनी माँ के घर सुरक्षित पहुँचने में कामयाब रहे। सिविल लाइन पुलिस इस घटना की जाँच कर रही है, जो रात करीब 10:30 बजे हुई। रिपोर्टों के अनुसार, काजल और मोहम्मद तैयब, जिनकी तीन साल पहले लव मैरिज हुई थी और उनका डेढ़ साल का एक बच्चा भी है, के बीच तब झगड़ा शुरू हुआ जब काजल ने अपने पति पर किसी और महिला के साथ संबंध होने का आरोप लगाया। यह मौखिक विवाद जल्द ही हिंसक हो गया। काजल ने कथित तौर पर एक सब्जी काटने वाले चाकू से तैयब की पीठ और गर्दन पर कई वार किए, और उसे हाथों और घूंसों से भी पीटा। तैयब किसी तरह घर से भागने में सफल रहे और अपने रिश्तेदारों को इस हमले के बारे में जानकारी दी। पति की रिपोर्ट के बाद काजल के खिलाफमामला दर्ज कर लिया गया है।

मध्यप्रदेश निर्मित अवैध शराब परिवहन में फरार आरोपी शिवशंकर राजपूत गिरफ्तार

रायपुर। थाना आमानाका क्षेत्रांतर्गत चंदनीडीह ओव्हरब्रीज के ऊपर आरोपियों का पीछा कर मध्यप्रदेश निर्मित अवैध शराब के साथ पकड़ा गया आरोपियों को रंगेहाथ। आरोपियों के कब्जे से अवैध रूप से रखें 20 पेटी कुल 240 बोतल अंग्रेजी शराब किया गया है जप्त। घटना में प्रयुक्त क्रेटा वाहन सीजी/04/एनएल/6526 तथा स्वीफ्ट डिजायर सीजी/04/पीटी/7788 तथा 05 नग मोबाईल फोन को भी किया गया है जप्त। जप्त मशरूका की कुल कीमत है लगभग 17,00,000/- रूपये। प्रकरण में अबतक कुल 04 आरोपियों को किया जा चुका है गिरफ्तार। प्रकरण में अन्य आरोपी है फरार, जिनकी पतासाजी कर गिरफ्तार करने के किये जा रहे है हर संभव प्रयास। आरोपियों के विरूद्ध थाना आमानाका में अपराध क्रमांक 219/25 धारा 34(2), 36 आबकारी एक्ट का अपराध किया गया पंजीबद्ध। पुलिस महानिरीक्षक श्री अमरेश मिश्रा, रापयुर रेंज रायपुर तथा उमनि एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय डॉ. लाल उमेद सिंह द्वारा शासन के मंशानुसार समस्त पुलिस राजपत्रित अधिकारियों, थाना प्रभारियों सहित प्रभारी एण्टी क्राईम एवं साईबर यूनिट को अन्य राज्यों से आने वाले शराब की तस्करी रोकने के साथ ही अवैध रूप से शराब की खरीदी-बिक्री करने वाले लोगों के संबंध में पतासाजी कर कार्यवाही करने निर्देशित किया गया है। जिसके तारतम्य में रायपुर पुलिस के समस्त पुलिस राजपत्रित अधिकारियों एवं प्रभारी ए.सी.सी.यू. सहित थाना प्रभारियों द्वारा इस संबंध में सूचना संकलन कर मुखबीर लगाने के साथ ही अन्य माध्यमों से भी जानकारी एकत्रित किए जा रहे है। जिसके तारतम्य में दिनांक 06.07.2025 एवं 07.07.2025 के दरम्यानी रात्रि वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में मध्यप्रदेश निर्मित अवैध शराब की तस्करी करते आरोपी 01.भावेश उर्फ लाला पिता विद्या निधान पांडे उम्र 36 साल निवासी शिव मंदिर के पास निरंकारी फर्नीचर के पीछे थाना पण्डरी रायपुर। 02. सुजीत तिवारी उर्फ लाला पिता दिनेश तिवारी उम्र 23 साल निवासी शिव मंदिर के पास निरंकारी फर्नीचर के पीछे थाना पण्डरी रायपुर। 03. दीपेश भंसाली उर्फ दीपू पिता सिंधी पिता स्व. सुखराम भंसाली उम्र 26 साल निवासी कृष्णा नगर पहाड़ी चौक थाना गुढ़ियारी रायपुर को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से अवैध रूप से रखें 20 पेटी (240) बौतल अंग्रेजी शराब तथा घटना में प्रयुक्त क्रेटा वाहन सीजी/04/एनएल/6526 तथा स्वीफ्ट डिजायर सीजी/04/पीटी/7788 तथा 05 नग मोबाईल फोन जुमला कीमती लगभग 17,00,000/- रूपये जप्त कर आरोपियों के विरूद्ध थाना आमानाका में अपराध क्रमांक 219/25 धारा 34(2), 36 आबकारी एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर कार्यवाही किया गया है। प्रकरण में संलिप्त आरोपी शिव रतन राजपूत घटना के बाद से लगातार फरार चल रहा था, जिस पर टीम के सदस्यों द्वारा उसके छिपने के हर संभावित ठिकानों रेड कार्यवाही कर पतासाजी की जा रही थी, कि इसी दौरान आरोपी शिवरतन राजपूत की रायपुर उपस्थिति के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होने पर एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना आमानाका पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा आरोपी शिवरतन राजपूत को गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार आरोपी - शिवशंकर राजपूत उर्फ सोनू पिता शैलेन्द्र राजपूत उम्र 32 साल निवासी टिचर्स कॉलोनी कोटा थाना सरस्वती नगर रायपुर। कार्यवाही में निरीक्षक सुधांशु बघेल थाना प्रभारी आमानाका, एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट से उनि सतीश कुमार पुरिया, प्र.आर. कुलदीप द्विवेदी, आर. वीरेन्द्र बहादुर सिंह, संदीप सिंह, अविनाश देवांगन तथा हिमांशु राठौर की महत्वपूर्ण भूमिंका रही।

देशी कट्टा व जिंदा कारतूस के साथ आरोपी मुकेश नायक गिरफ्तार

रायपुर। थाना धरसींवा क्षेत्रान्तर्गत ग्राम सड्डू प्रतिक्षालय के पास देशी कट्टा व जिंदा कारतूस के साथ पकड़ा गया आरोपी को रंगे हाथ। आरोपी के कब्जे से 01 नग देशी कट्टा एवं 01 नग जिंदा कारतूस किया गया है जप्त। आरोपी के विरूद्ध थाना धरसींवा में अपराध क्रमांक 333/25 धारा 25 आर्म्स एक्ट का अपराध किया गया है पंजीबद्ध।

प्रथम सावन सोमवार को आस्था का ज्वार, भक्तों ने किया जलाभिषेक

ब्रह्म मुहूर्त में पहुंचे भक्त कांवरियों में दिखा उत्साह

कोरबा। श्रवण मास के पहले सोमवार को कोरबा जिले में श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। शिवालयों में अलसुबह से ही पूजा-अर्चना के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। जिले के तीन प्रमुख स्थलों से कांवड़ यात्रा निकालते हुए श्रद्धालुओं ने भोलेनाथ को जल अर्पित किया। कई मंदिरों में रुद्राभिषेक और अन्य धार्मिक अनुष्ठान पूरे विधि-विधान से संपन्न कराए गए।

सावन के सोमवार का हिंदू धर्म में विशेष महत्व होता है। वर्ष 2025 के पहले सावन सोमवार को ब्रह्म मुहूर्त से ही भक्तों की कतारें शिवालयों में लग गईं। मंदिरों के प्रवेश द्वार पर लगे घंटों की मधुर ध्वनि से माहौल भक्तिमय हो गया। कोरबा में हसदेव नदी के सर मंगला घाट से श्रद्धालु जल लेकर रात्रि में कनकेश्वर धाम कनकी की पदयात्रा पर निकले। अगली सुबह उन्होंने चक्रेश्वर महादेव का जलाभिषेक किया। वहीं, विकासखंड पाली के नर्सिंग गंगा से जल लेकर आए भक्तों ने कटघोरा की हनुमानगढ़ी स्थित शिवालय में जल अर्पित किया। कोरकोमा के शंकर खोल मंदिर में भी भक्तों ने कांवड़ यात्रा के साथ शिवलिंग पर जल चढ़ाकर श्रद्धा प्रकट की। कोरबा के कपिलेश्वर नाथ मंदिर, सुभाष ब्लॉक स्थित शिव मंदिर, सीसीएल कॉलोनी के मृत्युंजय मंदिर, नगर निगम कॉलोनी के त्रिलोकी नाथ मंदिर, सीतामढ़ी का सत्यदेव मंदिरमें हजारों श्रद्धालुओं ने भगवान शिव के दर्शन कर पुण्य लाभ प्राप्त किया।

श्रावण सोमवार पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विभिन्न सामाजिक संगठनों—कांवड़िया संघ, अग्रवाल समाज, मारवाड़ी युवा मंच, लायंस क्लब और ग्राम जागृति संघ—द्वारा मंदिरों के पास सेवा शिविर लगाए गए। इन शिविरों में भक्तों को विश्राम, जलपान और प्राथमिक चिकित्सा जैसी सुविधाएं दी गईं।

ऐतिहासिक शिव मंदिर में हाजिरी

विक्रमादित्य द्वितीय के शासनकाल में कोरबा जिले के पाली में भगवान शिव का मंदिर का निर्माण कराया गया था। 11वीं शताब्दी का यह मंदिर इतिहास का साक्षी बना हुआ है और इसके प्रति न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि विभिन्न राज्यों के श्रद्धालुओं की अतिव आस्था है। यहां की वास्तुकला इस बात को दर्शाती है कि हजारों वर्ष पहले भारत में भवन निर्माण की तकनीक और उसमें काम करने वाला वर्ग कितना कार्य कुशल रहा होगा। भारतीय पुरातत्व विभाग के संरक्षण में इस मंदिर को रखा गया है। प्रदेश सरकार के संस्कृति विभाग के द्वारा महाशिवरात्रि पर आयोजित किया जाने वाला पाली महोत्सव इस धार्मिक विरासत को नई पहचान देने का माध्यम बना हुआ है। बताया गया कि पूरे सावन के महीने में यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं।

महानदी कॉम्प्लेक्स में शिव पुराण कथा सुनने की व्यवस्था

सावन के महीने में कोरबा जिले में कई जगह शिव महापुराण कथा के आयोजन चल रहे हैं। इन सब में खास है पंडित प्रदीप मिश्रा की कथा जिसका आयोजन भक्त महाकाल मंडल के द्वारा किया गया है। मौसम और समय के कारण हुए बदलाव से सीमित लोगों की प्रत्यक्ष उपस्थिति मौके पर संभव हुई है। बड़ी संख्या में लोग अलग-अलग स्थान पर बैठकर कथा सुन सके इसके लिए वैकल्पिक उपाय किए गए हैं। महानदी परिसर में पतंजलि चिकित्सालय के सामने डॉ नागेंद्र नारायण शर्मा के द्वारा बड़े पर्दे की व्यवस्था कराई गई है जहां पर कथा के ऑनलाइन प्रसारण को लोग देख सुन रहे है।

हाईवे पार किया हाथियों ने, लोग रुके

कोरबा। स्टेट हाईवे पर 70 से अधिक हाथियों के गुजरने के कारण काफी देर तक आम लोग और वाहनों को रुकना पड़ा। कोरबा जिले में सीमांत क्षेत्र कुदमुरा से धर्मजयगढ़ के रास्ते पर आज सुबह यह नजारा देखने को मिला। बताया गया कि पिछले दिनों हाथियों की उपस्थिति कोरबा जिले में रही। समय के साथ उसका मूवमेंट आसपास के क्षेत्र में हो रहा है। सावन के महीने में गजराजों के समूह ने अपनी लोकेशन चेंज की है। इस दौरान उसकी आवाजाही स्टेट हाईवे से हुई। गजराजों पर पहले से नजर रखी जा रही थी। उनके हाईवे से गुजरने के दौरान दोनों दिशाओं में फॉरेस्ट ने ट्रैफिक को रुकवाया ताकि किसी प्रकार से कोई अनहोनी ना हो सके।

रूला रही बिजली, आंदोलन करेंगे कांग्रेसी

कोरबा। जिले में बिजली की समस्या को लेकर लोगों को हो रही परेशानी को देखते हुए कांग्रेसियों ने अलग-अलग स्थानों पर आंदोलन करने की तैयारी कर रहे हैं। ग्रामीण जिलाध्यक्ष मनोज चौहान का कहना है कि कांग्रेस शासनकाल में इस तरह की परेशानी नहीं थी। वर्तमान में प्रत्येक गांव में बिजली की समस्या बनी हुई है। मेंटेनेंस के अभाव में लगातार बिजली गुल रहता है। महिला कांग्रेस क जिलाध्यक्ष प्रभा तंवर व जिला महामंत्री भुवनेश्वरी दास का कहना है कि नरईबोध भिलाईबाजार क्षेत्र में लगातार बिजली गुल होने से लोग परेशान हैं। आने वाले दिनों में आंदोलन करने की आवश्यकता है। सांसद प्रतिनिधि अशोक देवांगन व रहमान खान ने बताया कि छुरी के आसपास के गांवों में लोग बिजली की समस्या से जूझ रहे हैं। इसकी शिकायत लगातार होने के बावजूद भी इस समस्या का हल नहीं हो पा रहा है। युवा कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष कुराल आजाद, जयंत चंद्रा, अंकुर देवांगन, धनंजय दीवान ने बताया कि बांकी क्षेत्र के सभी गांव में बिजली की समस्या बनी हुई है। जिलाध्यक्ष मनोज चौहान के नेतृत्व में आंदोलन करने की तैयारी की जा रही है।

प्रकृति का श्रृंगार किया हरियाली ने

बारिश का मौसम हर कहीं पर्यावरण की बेहतरी का संदेश दे रहा है। कोरबा जिले में बालकोनगर-लेमरू मार्ग पर कॉफी प्वाइंट के नजदीक प्रकृति का इंद्रधुनषी कलेवर हर किसी को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। यहां की कई तस्वीर ऐसी है जिसमें नजर आता है कि आसमान और धरती का मिलन हो रहा है।

जैन भवन में गुरु पूजन कार्यक्रम कल

कोरबा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कोरबा भगत सिंह उपनगर का गुरु पूजन कार्यक्रम 15 जुलाई को शाम 5:00 बजे पुराना बस स्टैंड स्थित जैन भवन में आयोजित किया गया है। सर्व संबंधित व्यक्तियों को इस बारे में सूचित किया गया है। संपूर्ण कार्यक्रम डेढ़ घंटे में संपन्न होगा।

छुरी नगर पंचायत की बैठक में समस्याओं पर होगी चर्चा

कोरबा। नगर पंचायत छुरी में आज समस्याओं को लेकर बैठक बुलाई गई है। जिसमें नगर पंचायत अध्यक्ष पद्मिनी देवांगन, पार्षदगण व सभी अधिकारी मौजूद रहेंगे। सभी पार्षद अपने-अपने वार्डों की समस्याओं को रखेंगे। खासकर पेयजल की समस्या इस क्षेत्र में बनी हुई है। पंचायत अध्यक्ष पद्मिनी देवांगन के द्वारा पूर्व में अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए गए थे कि पेयजल की समस्या के लिए किसी भी व्यक्ति को कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। पाइप लाइन विस्तार का कार्य भी वार्डों में किया जा रहा है। कुत्ते काटने का इंजेक्शन का अभाव यहां के चिकित्सालय में नहीं होना चाहिए। इसके लिए भी प्रयास किया जाएगा। बैठक में उपाध्यक्ष हीरानंद पंजवानी, विधायक प्रतिनिधि प्रीतम देवांगन, पार्षद कांति श्रीवास, सुभाष जोशी, श्यामलाल साहू, कांता देवांगन सहित अधिकारी मौजूद रहेंगे।

भूविस्थापित शामिल हुए केएसएस में

कोरबा। कुसमुंडा क्षेत्र के भूविस्थापित नौकरी पाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। उनकी लड़ाई लगातार जारी है। समस्या का हल नहीं हो पाने पर अब वे केएसएस में शामिल हो गए हैं। इस दौरान समार सिंह , सॉजी जॉन, प्रेमलाल टंडन, सद्दाम हुसैन उपस्थित थे। उनका कहना है कि आने वाले दिनों में भूविस्थापितों की समस्याओं को लेकर आंदोलन किया जाएगा। खासकर जिनकी जमीनें कम हैं और उन्हें ठेका मजदूर के रूप में काम कराया जा रहा है। ऐसे लोगों को नौकरी दिलाने का प्रयास किया जाएगा। अभी भी अनेकों भूविस्थापित नौकरी पाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। असंगठित होने के कारण उनकी मांगें पूरी नहीं हो पा रही थी। लेकिन अब वे केएसएस में शामिल हो गए हैं। स्थानीय सतर पर इस मुद्दे को उठाया जाएगा। यहां काम ननहीं होने पर मुद्दे को मुख्यालय में रखा जाएगा।

एसकेएमएस के महामंत्री विश्वकर्मा का गेवरा आगमन

कोरबा। एसईसीएल एसकेएमएस के महामंत्री विजय विश्वकर्मा का आज गेवरा आगमन हो रहा है। एसकेएमएस के द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के श्रमिक नेता गोपाल यादव अन्य समर्थकों के साथ एसकेएमएस में शामिल हो सकते हैं। श्री यादव पूर्व में एरिया अध्यक्ष के अलावा जेसीसी सदस्य रहे हैं। एरिया में उनका अच्छा-खासा प्रभाव है। खासकर भूविस्थापितों के मध्य उनकी अच्छी पकड़ है। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए दीपक उपाध्याय, एलपी अघरिया, हरनारायण केशरवानी, कृपाल सिंह सहित अन्य कार्यकर्ताओं के द्वारा तैयारी की जा रही है।

कंबल वितरित

कोरबा। गुरु पर्णिमा के अवसर पर गेवरा बस्ती वाचनालय में कटघोरा विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रेमचंद पटेल के द्वारा कंबल सहित अन्य सामान वितरित किए गए। यह जानकारी भुनेश्वरी दास ने दी है।

कनकेश्वर जा रहे श्रद्धालुओं की सेवा की पुलिस ने, सावन भर होगा ऐसा काम

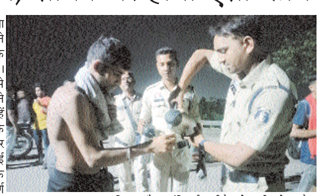

कोरबा। पुलिस ने सर्वमंगला चौक में कनकेश्वर मंदिर जाने वाले बोल बम श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्था की। पुलिस ने श्रद्धालुओं से शांतिपूर्वक एक रास्ते से जाने का निवेदन किया और उन्हें चाय का वितरण किया। इसके अलावा, पुलिस ने नशा और हुड़दंग करने वालों पर कार्रवाई की चेतावनी दी, ताकि श्रद्धालुओं की यात्रा शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से पूरी हो सके।

पुलिस ने श्रद्धालुओं से शांतिपूर्वक एक रास्ते से जाने का निवेदन किया, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना न हो। पुलिस ने श्रद्धालुओं के लिए चाय का वितरण किया, जिससे उन्हें राहत मिल सके। पुलिस ने नशा और हुड़दंग करने वालों पर कार्रवाई की चेतावनी दी, ताकि श्रद्धालुओं की यात्रा सुरक्षित और शांतिपूर्ण तरीके से पूरी हो सके। पुलिस की मौजूदगी ने श्रद्धालुओं को सुरक्षा का एहसास कराया और उन्हें अपनी यात्रा शांतिपूर्ण तरीके से पूरी करने में मदद की। पुलिस की व्यवस्था ने श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा और वे शांतिपूर्वक अपनी यात्रा पूरी कर सके।

कुत्ते बेलगाम, कई छात्रों को किया जख्मी

गेवरा कालोनी में दहशत

कोरबा। दीपका नगर पालिका क्षेत्र अंतर्गत गेवरा कॉलोनी में आवारा कुत्तों का आतंक के डर से लोग सहमें हैं। गत शाम को गेवरा स्थित कॉलोनी में एक स्कूली छात्र पर आवारा कुत्ते ने दौड़ा कर हमला कर दिया और उसे काट लिया। घायल बच्चे को तुरंत परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसका इलाज जारी है।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि कॉलोनी सहित पूरे दीपका क्षेत्र में आवारा कुत्तों की संख्या दिनोंदिन बढ़ रही है। खासकर स्कूलों के आसपास, सड़कों और गलियों में झुंड में घूमते ये कुत्ते आम लोगों के लिए खतरा बनते जा रहे हैं। बच्चों में डर का माहौल है और अभिभावकों को हर समय चिंता सताती रहती है। लोगों ने बताया कि यह कोई पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी कई बार बच्चे, महिलाएं और राहगीर कुत्तों के हमले का शिकार हो चुके हैं। बावजूद इसके, नगर पालिका प्रशासन की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। गेवरा कॉलोनी के मनोज केशवानी ने प्रशासन से अपील की है कि आवारा कुत्तों की धरपकड़ और उनकी नसबंदी जैसी आवश्यक कार्रवाई शीघ्र शुरू की जाए ताकि आमजन को राहत मिल सके।

छात्र पर हाफ मर्डर का अपराध दर्ज

कोरबा। अपराध उन्मूलन के दावों का सच कोरबा जिले में लगातार सामने आ रहा है। मानिकपुर पुलिस चौकी अंतर्गत दादर खुर्द के मिडिल स्कूल में हुई घटना में एक छात्र गंभीर रूप से जख्मी हो गया जबकि दो को भी चोट आई। सातवीं कक्षा के एक छात्र ने इस घटना को अंजाम दिया। उसके द्वारा ब्लेड से हमला किया गया। पुलिस ने बताया कि अपराध की गंभीरता को देखते हुए आगे की कार्रवाई की जा रही है। दादरखुर्द स्कूल के शिक्षक सुशील कुमार ने बताया कि शनिवार को यह घटना हुई थी। मध्यांतर में सातवीं के एक छात्र ने पुराने विवाद पर अपने पास रखी ब्लेड से हमला कर दिया। पीड़ित छात्र को मेडिकल कॉलेज हास्पिटल में भर्ती कराया गया है।

स्वामी कौशल किशोर मिश्र की ओर से प्रकाशक, मुद्रक सुभाष अग्रवाल द्वारा आकाश आफसेट प्रिंटर्स से मुद्रित कर तिलक मार्ग, ट्रासंपोर्ट नगर, कोरबा से प्रकाशित, संपादक सुभाष अग्रवाल फोन: 221149, मो. : 9425224167 आर.एन.आई. पंजी. नं. 50254/89, ई-मेल tarunpresskrb@gmail.com